धनतेरस आज

18 अक्टूबर 2025

शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

लूट कांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, टोटो चालक से लूट कर अधमरा फेंकने वाले गिरफ्तार 2

गुजरात कैबिनेट फेरबदल : भूपेंद्र सरकार में 19 नए चेहरे

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात सरकार ने मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने मंत्रिपरिषद में 19 नए चेहरों को शामिल किया है। नवगठित मंत्रिमंडल में पिछली टीम के छह सदस्यों को बरकरार रखा, जिनमें हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। इस फेरबदल के साथ मंत्रिपरिषद में अब मुख्यमंत्री सहित कुल सदस्यों की संख्या 17 से बढ़कर 26 हो गई है। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में अधिकतम 27 मंत्री (सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत) हो सकते हैं। यह कैबिनेट पुनर्गठन 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से दो साल पहले और स्थानीय निकाय चुनावों से कुछ महीने पहले किया गया है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सभी नए मंत्रियों और कैबिनेट मंत्री या स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कैबिनेट में जातीय समीकरण का भी ध्यान रखा गया है। नए मंत्रिमंडल में आठ पिछड़ा वर्ग से तीन अनुसूचित जाति से, चार अनुसूचित जनजाति से संबंध रखने वाले विधायकों को मंत्री बनाया गया है। वहीं सीएम भूपेंद्र पटेल समेत आठ मंत्री पटेल समाज से हैं। पिछली कैबिनेट में गृह राज्य मंत्री रहे हर्ष सांघवी की पदोन्नति हुई है। उन्हें नए मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री बनाकर सरकार में दूसरे नंबर के पायदान पर पहुंचाया गया है। भूपेंद्र पटेल के पिछले चार वर्षों के कार्यकाल में यह पहली बार है कि राज्य में किसी उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत विजय रूपाणी के नेतृत्व वाली सरकार में यह पद नितिन पटेल के पास था, जिसे 2021 में समाप्त कर दिया गया था। नए मंत्री मंडल में सांघवी सहित छह विधायकों को मंत्रिमंडल में बरकरार रखा गया है। हालांकि गुरुवार को 16 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था, लेकिन इनमें से छह मंत्रियों के इस्तीफे मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किए थे। इन छह में से तीन, कनुभाई पटेल, रुशिकेश पटेल और कुंवरजी बावलिया पहले कैबिनेट मंत्री थे, जबकि सांघवी, प्रफुल पनशेरिया और पुरुषोत्तम सोलंकी राज्य मंत्री थे। इनमें से केवल हर्ष संघवी को पदोन्नत कर उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। वहीं पनशेरिया को स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। मंत्रिमंडल में रीवाबा जडेजा को भी शामिल किया गया है। उन्होंने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली।

विधायकों को मिली मंत्रिपरिषद में जगह

कनुभाई देसाई, पुरषोत्तम सोलंकी, नरेश पटेल, अहमदाबाद की पूर्व डिप्टी मेयर दर्शना वाघेला, गुजरात भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व प्रमुख प्रद्युमन वाजा, मोरबी विधायक कांतिलाल अमरुतिया और वडोदरा विधायक मनीषा वाकिल को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है। गुरुवार को गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर मंत्रिपरिषद के अन्य सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था। गुजरात भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और भावनगर से विधायक जीतू वाघाणी, अमरेली से विधायक और भाजपा के डिप्टी चीफ व्हिप कौशिक वेकारिया, स्वरूपजी ठाकोर, टीकाराम छंगा, जयराम गमित, जामनगर उत्तर विधायक रिवाबा जडेजा, पीसी बारांदा, दाहोद विधायक रमेश कटारा, अंकलेशअवर विधायक इश्वरसिहं पटेल, दीसा विधायक प्रवीण माली, बारसोड विधायक रमनभाई सोलंकी, पेटलाद विधायक कमलेश पटेल, महुधा विधायक संजय सिंह महिदा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है।

एनडीए को महागठबंधन कभी हरा नहीं पाएगा : फडणवीस

एजेंसी। बेगूसराय

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार को बिहार पहुंचे। यहां बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने राजद नेता तेजस्वी पर जमकर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि बिहार में विपक्ष को अपने परिवार के लिए सत्ता चाहिए। बिहार विधानसभा चुनाव की रण को जीतने के लिए भाजपा ने अपने सारे नेताओं को मैदान में उतार दिया है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस बेगूसराय में भाजपा विधायक कुंदन कुमार के नॉमिनेशन में पहुंचे, जहां उन्होंने लगभग तीन किलोमीटर तक रोड शो किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बड़ा दावा किया और कहा कि महागठबंधन एनडीए के लिए पूरा बिहार अपना परिवार है और उनके लिए अपना परिवार ही पूरा बिहार है। इसलिए महागठबंधन कभी एनडीए को हरा नहीं पाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि एनडीए के लिए पूरा बिहार अपना परिवार है। और उनके लिए अपना परिवार ही पूरा बिहार है. इसलिए महागठबंधन कभी एनडीए को हरा नहीं पाएगा। कांग्रेस द्वारा वोट चोरी के आरोप लगाए जाने पर उन्होंने कहा कि हमने चैलेंज दे दिया कि दिखाओ, लेकिन उन्होंने दिखाया नहीं. बेगूसराय हो या पूरा बिहार, यहां एनडीए की प्रचंड लहर चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार फिर से एनडीए के साथ है. फडणवीस ने आगे कहा कि बिहार इस बार फिर प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार के साथ जाएगा।

अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा

जंगलराज की वापसी का प्रतीक है लालू-राहुल की जोड़ी : शाह

एजेंसी। सारण

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सारण के तरैया विधानसभा में एनडीए गठबंधन की ओर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद सूबे में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बनेगी। बिहार की जनता ने यह तय कर लिया है कि नीतीश कुमार ही अगले मुख्यमंत्री होंगे। गृह मंत्री ने कहा कि बिहार की जनता को इस बार ष्चार- चार दीपावलीष मनाने का अवसर मिल रहा है। 14 नवंबर को जब बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे और सभी सीटों पर एनडीए की जीत होगी, तब वह दिन बिहार की एक ष्बड़ी दीपावलीष होगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज सारण जिले के तरैया प्रखंड अंतर्गत मंझोपुर गांव में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के

लिए समर्थन मांगा है। अमित शाह ने एनडीए के अंदर नेतृत्व को लेकर चल रहे सवालों को समाप्त करने की कोशिश की है। गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष खास कर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव की जोड़ी को जंगलराज की वापसी का प्रतीक है। क्योंकि यह दोनों नेता बिहार को फिर से अराजकता की ओर धकेलने की कोशिश में लगे हुए हैं। बिहार में जब लालू यादव की सरकार थी, तब बिहार में अपहरण, हत्या और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था, लेकिन एनडीए की सरकार ने विकास, कानून व्यवस्था और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। न्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि आप लोगों को जाति और भावनाओं के जाल में नहीं फंसना हैं। बल्कि विकास और सुशासन को ध्यान में रखकर मतदान करने की जरूरत है। सभा के अंत में उन्होंने एनडीए के सभी प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि यह चुनाव केवल सीट जीतने का नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य को सुरक्षित करने का चुनाव है। उन्होंने भरोसा जताया कि सारण की सभी सीटों पर एनडीए को ऐतिहासिक जीत मिलेगी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य फिर से विकास की राह पर अग्रसर होगा। सभा में भाजपा और जदयू के स्थानीय नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आसपास के हजारों लोग मौजूद थे। इस अवसर पर राजग गठबंधन की ओर अधिकृत प्रत्याशी और हजारों की

एक ही सीट पर महागठबंधन के दो प्रत्याशियों ने भर दिया पर्चा

दरभंगा । बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण को लेकर आज 17 अक्तूबर को नामांकन की प्रकिया खत्म हो गई। इसी कड़ी में दरभंगा जिले की गोराबोराम विधानसभा सीट मुकेश सहनी की वीआईपी के खाते में गई है। इसी सीट पर पार्टी प्रमुख मुकेश सहनी के छोटे भाई संतोष सहनी मैदान में हैं। इसी को लेकर उन्होंने आज अपना नामांकन दाखिल कर दिया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही राजद के टिकट पर अफजल इमाम ने भी अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस मामले ने जब तूल पकड़ा तो स्वयं पार्टी (राजद) ने दरभंगा के जिला निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखकर राजद के टिकट नामांकन को रद्द करने कहा। राजद द्वारा जिला निर्वाचन पदाधिकारी को लिखे पत्र में कहा गया कि गोराबोराम की सीट टप्प को दी गई है। इस कारण गोराबोराम से राजद अपने चुनाव चिन्ह लालटेन से उक्त सीट पर उम्मीदवार नहीं खड़े करने की घोषणा कर रहा है। पत्र में आगे लिखा गया कि इस तरह के आने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाय। इस पत्र को राजद प्रदेश महासचिव सह कार्यालय प्रभारी मुकुंद सिंह के द्वारा जिला निर्वाचन पदाधिकारी व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पटना बिहार को भी लिखा गया है। हालांकि इस मामले को लेकर राजद के टिकट पर नामांकन करने वाले अफजल अली इमाम ने कहा कि उन्हें किसी और ने नहीं बल्कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव ने सिंबल दिया है। हमने नामांकन कर दिया है, अब आगे मैं इसपर कोई सफाई नहीं देने जा रहा हूं। आगे उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ लोग चाह रहे थे कि मेरा सिंबल वापस ले लिया जाय।

अब नहीं बन सकेगा फर्जी दिव्यांगता प्रमाणपत्र

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सरकारी भर्तियों और दाखिलों में इस्तेमाल होने वाले विकलांगता प्रमाणपत्रों के सत्यापन की प्रक्रिया को कड़ा कर दिया है। सरकार ने संबंधित अधिकारियों को यूडीआईडी राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से प्रत्येक प्रमाणपत्र और विशिष्ट विकलांगता पहचान पत्र कार्ड का सत्यापन करने का निर्देश दिया है।दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से 15 अक्तूबर को जारी संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, संस्थानों को आवेदकों की विकलांगता स्थिति पर वास्तविक समय में अपडेट सुनिश्चित करने के लिए एपीआई का उपयोग करके यूडीआईडी डाटाबेस के साथ अपने सिस्टम को एकीकृत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।विभाग इस एपीआई को

इच्छुक संगठनों शैक्षणिक संस्थानों या नौकरियों के लिए भर्ती करने वालों के साथ एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से साझा करेगा। यह कदम बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित कोटे के तहत गलत तरीके से लाभ प्राप्त करने के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए फर्जी या अतिरंजित दावों की बढ़ती शिकायतों के बीच उठाया गया है। हाल ही में विकलांगता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों की काफी शिकायतें सामने आई थीं। बेंचमार्क विकलांगता को कम से कम 40 प्रतिशत विकलांगता के रूप में परिभाषित किया गया है। जिसका सत्यापन किसी प्रमाणित विकलांगता अधिकारी द्वारा किया जाना आवश्यक है।

योहारी सीजन में ठप हुई आईआरसीटीसी की वेबसाइट-एप, लाखों यात्री परेशान

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन की वेबसाइट शुक्रवार को फिर तकनीकी खामियों की वजह से ठप हो गई। ऑनलाइन टिकट बुक करने की कोशिश कर रहे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, समस्या सर्वर से जुड़ी है और इसे ठीक करने के लिए टीम काम कर रही है। वेबसाइट के साथ-साथ मोबाइल ऐप भी फिलहाल काम नहीं कर रहा था। इस मामले आईआरसीटीसी के अधिकारियों का कहना है कि, तकनीकी खराबी के चलते वेबसाइट में दिक्कत आ गई थी। जिसे 11:15 पर ठीक कर लिया गया है। दरअसल, हर रोज सुबह 10 बजे आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर एसी श्रेणी की तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होती है, जबकि नॉन-एसी टिकटों की बुकिंग 11 बजे से खुलती है। शुक्रवार को धनतेरस (शनिवार) के सफर के लिए तत्काल टिकट बुकिंग का समय था, लेकिन वेबसाइट के डाउन होने से यात्रियों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। जिन लोगों ने त्योहार पर घर जाने के लिए टिकट बुक करने की योजना बनाई थी, उन्हें बड़ी निराशा हाथ लगी। भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग के लिए एकमात्र आधिकारिक प्लेटफॉर्म आरसीटीसी की वेबसाइट है।

दिल्ली एनसीआर पर बढ़ते प्रदूषण पर भड़के पंजाब के किसान

पराली जलाना तो दूर, खेतों में कटाई भी नहीं हुई

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के पहले ही प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में पहुंच चुका है। ठंड की दस्तक के साथ ही वायु गुणवत्ता काफी खराब होती जा रही है। हैरानी की बात ये भी है कि पंजाब में इस बार अब तक पराली जलाने के मामले कम सामने आए हैं बावजूद इसके प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी है और विशेषज्ञ भी इस पर चिंता जता रहे हैं। हाल ये है कि दिल्ली-एनसीआर के शहर देश के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों की टॉप लिस्ट में हैं। पंजाब के कई किसानों का कहना है कि पराली जलाना तो दूर की बात अभी तो खेतों में कटाई भी नहीं हुई है, और दिल्ली की हवा पहले ही प्रदूषित हो गई है। पटियाला के धुलेवाल गांव के सुखविंदर सिंह ने कहा कि अभी तो खेतों में कटाई भी नहीं हुई है, और दिल्ली की हवा पहले ही प्रदूषित हो गई है। तो यह प्रदूषण कहां से आ रहा है। हमारे किसी खेत में अभी आग नहीं लगी है, और दिल्ली में पहले ही प्रदूषण आ गया। इस मौसम में पंजाब में पराली जलाने की दर कम होने के बावजूद, दिल्ली की वायु गुणवत्ता पहले ही श्खराबश स्तर पर जा पहुंची है। जिससे पंजाब क्षेत्र के किसान हर सर्दियों में राष्ट्रीय राजधानी को घेरने वाले जहरीले प्रदूषण के स्रोतों पर सवाल उठा रहे हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के सेटेलाइट डेटा अनुसार 15 सितंबर से अब तक पंजाब में हर दिन केवल 6 या 7 पराली जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। सच्चाई यह भी है कि कई जिलों में तो कटाई भी शुरू नहीं हुई। किसानों का कहना है कि जब उनके खेतों में अभी आग ही नहीं लगी, तो दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के पीछे अन्य स्रोतों की जांच जरूरी है।

लोकतंत्र के महापर्व की तैयारी तेज, मतदान कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

■ **शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित चुनाव के लिए प्रशासन तैयार**

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की दिशा में प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को बक्सर जिले में मतदान से जुड़े कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। एमपी उच्च विद्यालय, बक्सर में पीठासीन पदाधिकारियों का तथा नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय, बक्सर में मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण सत्र संपन्न हुआ। दोनों ही प्रशिक्षण केंद्रों पर माहौल पूरी तरह गंभीर और अध्ययनशील रहा। प्रशिक्षकों ने मतदान प्रक्रिया के प्रत्येक पहलू की विस्तारपूर्वक जानकारी दी और मतदान दिवस की व्यावहारिक चुनौतियों के समाधान पर विशेष बल दिया।

मतदान प्रक्रिया की बारीकियों पर दी गई जानकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण शाखा के नोडल पदाधिकारी के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षकों ने मतदान से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्र की तैयारी कैसे की जाए, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन (ईवीएम) और मतदाता सत्यापन पर्ची यंत्र (वीवीपैट) का सही उपयोग किस प्रकार किया जाता है, यह विस्तार से समझाया गया। साथ ही मॉक पोल की प्रक्रिया, मतदान के दौरान पालन की जाने वाली सावधानियां, दिव्यांग मतदाताओं की सहायता, और आदर्श आचार संहिता (मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट) के अनुपालन संबंधी बिंदुओं पर भी विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

मास्टर प्रशिक्षकों ने मतदान कर्मियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मतदान दिवस पर सभी प्रक्रियाएं समय पर और विधिवत रूप से संपन्न हों, ताकि किसी मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग करने में कोई कठिनाई न हो। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक मतदान कर्मी को प्रशिक्षण के दौरान बताई गई सभी तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का पूर्वाभ्यास अवश्य करना चाहिए।

हर मतदान कर्मी लोकतंत्र का प्रहरी : जिलाधिकारी

इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने सभी मतदान कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर मतदान कर्मी लोकतंत्र का प्रहरी है। उनका कार्य केवल मशीनों का संचालन भर नहीं, बल्कि मतदाताओं के प्रति संवेदनशीलता और निष्पक्षता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक सफल चुनाव उसी समय संभव है जब प्रत्येक मतदान कर्मी अपने दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और सतर्कता से करे। जिलाधिकारी ने कर्मियों से अपील की कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और मतदान दिवस से पहले प्रत्येक प्रक्रिया का पूर्ण अभ्यास अवश्य कर लें।

डॉ. सिंह ने बताया कि निर्वाचन कार्य में लापरवाही या असावधानी लोकतंत्र की भावना के विपरीत है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह मतदान के हर चरण में पूर्ण पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखे।

लोकतंत्र के महापर्व में सक्रिय भूमिका की अपील

प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी ने भी कहा कि चुनाव केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र का महापर्व है। इसमें सभी कर्मियों की सक्रिय और समर्पित भूमिका ही चुनाव को सफल बना सकती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र को सुसज्जित, सुलभ और मतदाता अनुकूल बनाया जा रहा है। विशेष ध्यान दिव्यांग, वृद्ध तथा महिला मतदाताओं की सुविधा पर दिया जा रहा है ताकि वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने लोकतंत्र के इस महायज्ञ में अपने योगदान का संकल्प लिया। प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और उपस्थित कर्मियों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे निर्वाचन प्रक्रिया को शांति, निष्पक्षता और निष्ठा के साथ पूरा करेंगे।

दो मोबाइल, लूटी गई टोटो और अन्य सामान बरामद, एसपी ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

लूट कांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, टोटो चालक से लूट कर अधमरा फेंकने वाले गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने लूट की उस सनसनीखेज घटना का खुलासा कर दिया है, जिसमें कुछ दिन पहले लुटेरों ने एक टोटो चालक को बेरहमी से पीटकर अधमरा अवस्था में फेंक दिया था। घटना के बाद पुलिस की तत्परता और तकनीकी जांच के आधार पर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने उनके पास से लूटी गई टोटो, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान भी बरामद किए हैं।

एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 5 अक्टूबर की रात में मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति सड़क किनारे अधमरी हालत में मिला था। उसके हाथ-पांव बंधे हुए थे और शरीर पर गहरे जख्म के निशान थे। आसपास के लोगों की सूचना पर स्थानीय मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस पूछताछ के दौरान पता चला कि घायल का नाम संतोष उर्फ मुस्तु है, जो बलिया जिले के नरही थाना क्षेत्र के बड़का खेत का रहने वाला है तथा प्रतिदिन बक्सर स्टेशन से बलिया मौली के बीच टोटो चलाता है।

रात में नहीं लौटा था घर

उन्होंने बताया कि 5 अक्टूबर की रात संतोष रोज की तरह स्टेशन की ओर टोटो लेकर गया था, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। अगले दिन जब परिजनों को पुलिस से सूचना मिली, तो वे अस्पताल पहुंचे और पहचान की। परिजनों ने बताया कि संतोष का टोटो, मोबाइल और पर्स लापता था। घटना को लेकर मुफस्सिल थाने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। इस टीम में मुफस्सिल थाना के पुलिसकर्मी, बीआई टीम के सदस्य, पुलिस निरीक्षक चंदन कुमार 02 और अन्य अधिकारियों को शामिल किया गया। टीम ने वैज्ञानिक जांच पद्धति और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू की।

सभी आरोपी गिरफ्तार

कड़ी छानबीन और लगातार छापेमारी के बाद पुलिस ने इस लूटकांड में शामिल सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूटी गई टोटो, दो मोबाइल फोन और अन्य सात मोबाइल बरामद किए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ में यह भी स्वीकार किया है कि उन्होंने बक्सर स्टेशन क्षेत्र में भी लूटपाट की एक अन्य वारदात को अंजाम दिया था, जिसकी प्राथमिकी जीआरपी थाने में दर्ज की गई थी। उस कांड से संबंधित एक मोबाइल फोन भी इनके पास से बरामद हुआ है। इनके पास से लूटी गई दो मोबाइल फोन के अलावे कुल सात मोबाइल फोन, लूटी गई टोटो वाहन आदि बरामद किया गया है। छापेमारी दल में बक्सर सदर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव पांडेय, पुलिस निरीक्षक सुधीर कुमार, पुलिस निरीक्षक चंदन कुमार 02, सहायक निरीक्षक मनोज कुमार आदि को शामिल किया गया था। गिरफ्तार अपराधियों में सिविल लाइन बक्सर के फरहान, सिंडीकेट के हिमांशु कुमार, बक्सर गोलंबर के नीतीश कुमार, बड़की सारिमपुर के सलमान खान, राहुल कुमार वर्मा, सोहनी पट्टी के मो. रेहान, सिमरी रामोपट्टी के परमात्मानंद पांडेय, निरंजनपुर के प्रिंस कुमार जायसवाल तथा मझरिया के चंदन कुमार यादव शामिल है।

पुलिस की सतर्कता से बची जान

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से न केवल इस संगीन मामले का खुलासा हुआ बल्कि एक निर्दोष टोटो चालक की जान भी बच गई। गंभीर रूप से घायल संतोष फिलहाल अस्पताल में इलाजरत है और उसकी स्थिति में सुधार बताया जा रहा है। बक्सर पुलिस ने कहा है कि जिले में अपराधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और किसी भी हालत में कानून-व्यवस्था को बिगड़ने नहीं दिया जाएगा।

चुनाव जनता लड़ेगी, मैं तो चेहरा मात्र हूं : आनंद मिश्रा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार का दिन राजनीतिक उत्साह से सराबोर रहा, जब एनडीए समर्थित भारतीय जनता पार्टी के युवा और चर्चित प्रत्याशी आनन्द मिश्रा ने बक्सर के किला मैदान से ऐतिहासिक जनसमर्थन के बीच नामांकन जुलूस निकाला। हजारों समर्थकों के साथ वे अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय पहुंचे और बक्सर विधानसभा से अपना नामांकन दाखिल किया।

नामांकन से पहले किला मैदान में आयोजित जनसभा में महिलाओं, युवाओं और कार्यकताओं का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। मंच पर पहुंचते ही आनन्द मिश्रा ने सभास्थल पर मौजूद माताओं और बहनों के चरणों में झुककर आशीर्वाद लिया। इस दृश्य ने सभा को भावनात्मक रंग दे दिया। सभा की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की, जबकि संचालन का दायित्व शिवजी खेमका ने निभाया। मंच पर एनडीए के सभी घटक दलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नेता उपस्थित रहे।अपने संबोधन में आनन्द मिश्रा ने कहा कि मैं सिर्फ आपका प्रतिनिधि चेहरा हूं, यह चुनाव आप सभी को लड़ना है। बक्सर की जनता जिस ताकत से मेरे साथ खड़ी है, वही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने वादा किया कि यदि जनता ने अवसर दिया, तो बक्सर को बिहार के राजनीतिक और विकास मानचित्र पर विशेष पहचान दिलाई जाएगी।

फोरलेन पर हादसा, डायल 112 की तत्परता से बची घायल की जान

■ **अहिरौली भाजपा कार्यालय में पदाधिकारियों संग की बैठक, शुक्रवार को करेंगे नामांकन दाखिल**

केटी न्यूज/बक्सर

नया भोजपुर के सब्जी मंडी के पास शुक्रवार की दोपहर फोरलेन पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तेज रफ्तार चारपहिया वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन डायल 112 की त्वरित कार्रवाई और एंबुलेंस की समय पर पहुंच से उसकी जान बच गई। मिली जानकारी के अनुसार, डुमरांव अनुमंडल के लालगंज कड़वी गांव निवासी पप्पू शर्मा शुक्रवार को नया भोजपुर स्थित स्थानीय सब्जी मंडी से खरीदारी कर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे फोरलेन पार करने लगे, तभी पटना से बक्सर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार चारपहिया गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वे सड़क पर गिर पड़े और बुरी तरह जख्मी हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने डायल 112 टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही नया भोजपुर पुलिस की टीम जितेंद्र कुमार और छोटेलाल कुमार मौके पर पहुंची। दोनों जवानों ने बिना देर किए स्थिति का आंकलन कर घायल को एनएचएआई की एंबुलेंस से डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने बताया कि समय पर उपचार मिलने से घायल की स्थिति अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। स्थानीय लोगों ने डायल 112 टीम की तत्परता और मानवता पूर्ण कार्य की सराहना की। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस टीम और एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंचती, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। गौरतलब है कि फोरलेन मार्ग पर आए दिन तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं घट रही हैं।

नेहरू युवा केन्द्र बक्सर द्वारा मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

■ **युवाओं ने लिया संकल्प, करेंगे मतदान, बढ़ाएंगे लोकतंत्र की ताकत**

केटी न्यूज/बक्सर

लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाने और मतदाता जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नेहरू युवा केन्द्र, बक्सर द्वारा शुक्रवार को चक्की प्रखंड स्थित उच्च विद्यालय परिसर में मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा युवा मंडल के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ हुई, इसके बाद मास्टर ट्रेनर एवं कार्यक्रम समन्वयक द्वारा उपस्थित लोगों को लोकतंत्र में मताधिकार के महत्व से अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिक दायित्व भी है। हर मतदाता का एक वोट लोकतंत्र को मजबूत करता है। इसी क्रम में सभी उपस्थित युवाओं ने शपथ ली कि वे आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 में न केवल स्वयं मतदान करेंगे, बल्कि अपने परिवार, मित्रों और समाज के लोगों को भी मतदान हेतु प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह का संदेश भी साझा किया गया। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। जब युवा मतदान प्रक्रिया में आगे बढ़कर हिस्सा लेते हैं, तब राष्ट्र की दिशा और दशा तय करने में उनका योगदान निर्णायक होता है। डॉ. सिंह ने नेहरू युवा केन्द्र के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में जागरूकता का वातावरण बनाते हैं और मत प्रतिशत बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं। नेहरू युवा केन्द्र के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर ने बताया कि जिले के विभिन्न प्रखंडों में इसी तरह के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक युवा मतदाता बन सकें और जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभा सकें।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं तथा स्थानीय युवा मंडल के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने एकस्वर में लोकतंत्र को सशक्त बनाने का संकल्प लिया और कहा कि वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

इस शपथ ग्रहण समारोह के माध्यम से युवाओं में उत्साह और जिम्मेदारी की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को नई ऊर्जा देने का कार्य करेगी।

निर्वाचन प्रेक्षक एनए गुंडे ने डुमरांव में मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण, निष्पक्ष चुनाव को लेकर दिए सख्त निर्देश

- सुविधाओं का लिया जायजा, कहा मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए बीएलओ करें घर-घर संपर्क

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को निर्वाचन प्रेक्षक सह भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी एनए गुंडे ने प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथों की भौगोलिक स्थिति, पहुंच मार्ग, मतदाता सुविधा केंद्रों और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का विस्तार से जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में डुमरांव प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडेय भी उनके साथ मौजूद रहे। उन्होंने प्रेक्षक को प्रत्येक बूथ से संबंधित जानकारी दी। वहीं प्रेक्षक ने मौके पर उपस्थित बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारियों) से संवाद स्थापित कर मतदाता सूची के अद्यतन कार्य, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की स्थिति तथा मतदाता जागरूकता अभियान की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। प्रेक्षक एनए

गुंडे ने बीएलओ को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक करें ताकि अधिकतम मतदान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी की भागीदारी आवश्यक है और इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर पूर्ण तैयारी होनी चाहिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान बूथों पर उपलब्ध सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय, रैंप, शेड और विद्युत व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि आदर्श बूथों, पिंक बूथों तथा सामान्य बूथों पर सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर सुनिश्चित कर ली जाएं ताकि मतदान दिवस पर मतदाताओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो। प्रेक्षक ने कहा कि निर्वाचन आयोग का मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव संपन्न कराना है। इसके लिए सभी स्तरों पर समन्वय और सजगता जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।वहीं बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने कहा कि प्रेक्षक के दिशा-निर्देशों का पालन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुधार कार्य और सौंदर्यीकरण तेज गति से कराया जा रहा है। साथ ही, मतदाता जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान स्थानीय प्रशासनिक पदाधिकारी, पर्यवेक्षक दल और सुरक्षा बल के जवान मौजूद रहे। प्रेक्षक ने सभी अधिकारियों के सहयोग और तत्परता की सराहना करते हुए उन्हें ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ चुनावी कार्यों को पूरा करने का आह्वान किया।

एक नजर

फोरलेन पर हादसा, डायल 112 की तत्परता से बची घायल की जान

बक्सर। नया भोजपुर के सब्जी मंडी के पास शुक्रवार की दोपहर फोरलेन पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तेज रफ्तार चारपहिया वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन डायल 112 की त्वरित कार्रवाई और एंबुलेंस की समय पर पहुंच से उसकी जान बच गई।मिली जानकारी के अनुसार, डुमरांव अनुमंडल के लालगंज कड़वी गांव निवासी पप्पू शर्मा शुक्रवार को नया भोजपुर स्थित स्थानीय सब्जी मंडी से खरीदारी कर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे फोरलेन पार करने लगे, तभी पटना से बक्सर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार चारपहिया गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वे सड़क पर गिर पड़े और बुरी तरह जख्मी हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने डायल 112 टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही नया भोजपुर पुलिस की टीम जितेंद्र कुमार और छोटेलाल कुमार मौके पर पहुंची। दोनों जवानों ने बिना देर किए स्थिति का आंकलन कर घायल को एनएचएआई की एंबुलेंस से डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने बताया कि समय पर उपचार मिलने से घायल की स्थिति अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। स्थानीय लोगों ने डायल 112 टीम की तत्परता और मानवता पूर्ण कार्य की सराहना की। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस टीम और एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंचती, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। गौरतलब है कि फोरलेन मार्ग पर आए दिन तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं घट रही हैं। लोगों ने प्रशासन से सड़क पार करने के लिए अंडरपास या फुटओवर ब्रिज जैसी स्थायी व्यवस्था की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और गति नियंत्रण की आवश्यकता को रेखांकित किया है। थानाध्यक्ष चंदन ने बताया कि वाहन की पहचान की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

जदयू व कांग्रेस उम्मीदवार पर आदर्श आचार संहिता का मामला दर्ज

बक्सर। राजपुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र के जदयू उम्मीदवार संतोष निराला तथा कांग्रेस प्रत्याशी विश्वनाथ राम पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला इटाढ़ी थाने में दर्ज कराया गया है। यह मामला इटाढ़ी सीओ संतोष कुमार प्रियतम ने दर्ज कराया है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों प्रत्याशियो का पोस्टर इटाढ़ी थाना क्षेत्र के करडीहा डेरा पर टंगा था तथा इसकी अनुमति नहीं ली गई थी। सीओ ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। बता दें कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद यह पहला मामला है, जिसमें आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का केस दर्ज हुआ है।

केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों के साथ नया भोजपुर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

डुमरांव। नया भोजपुर थाने की पुलिस ने चुनाव के मद्देनजर आए केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलो (सीएपीएफ) के साथ मिल क्षेत्र के पुराना भोजपुर, नवाडेरा तथा चिलहरी गांवों में फ्लैग मार्च निकाल लोगों को शांतिपूर्ण व भयमुक्त माहौल में मतदान का संदेश दिया। वहीं, फ्लैग मार्च के बाद पुलिस द्वारा सघन वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया गया। नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि यह अभियान आगामी विस चुनाव को देखते हुए चलाया गया। उन्होंने कहा कि फ्लैग मार्च के दौरान मतदाताओं से भयमुक्त हो मतदान करने की अपील की गई। इस दौरान उन्हें बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति किसी के पक्ष में मतदान के लिए डराएं-धमकाएं या लालच दे तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी जाए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान शांति-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। वहीं, वाहन जांच अभियान के दौरान चालकों के ड्राइवरी लाइसेंस, हेलमेट के अलावे अन्य कागजात तथा डिग्गी की तलाशी ली जा रही थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि वाहन जांच कर इस बात की तस्दीक की जा रही थी कि कोई व्यक्ति चुनाव को प्रभावित करने के लिए मादक पदार्थ, शराब, रूपया तथा आग्नेयास्त्र तो नहीं ले जा रहा है।

निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रेक्षक

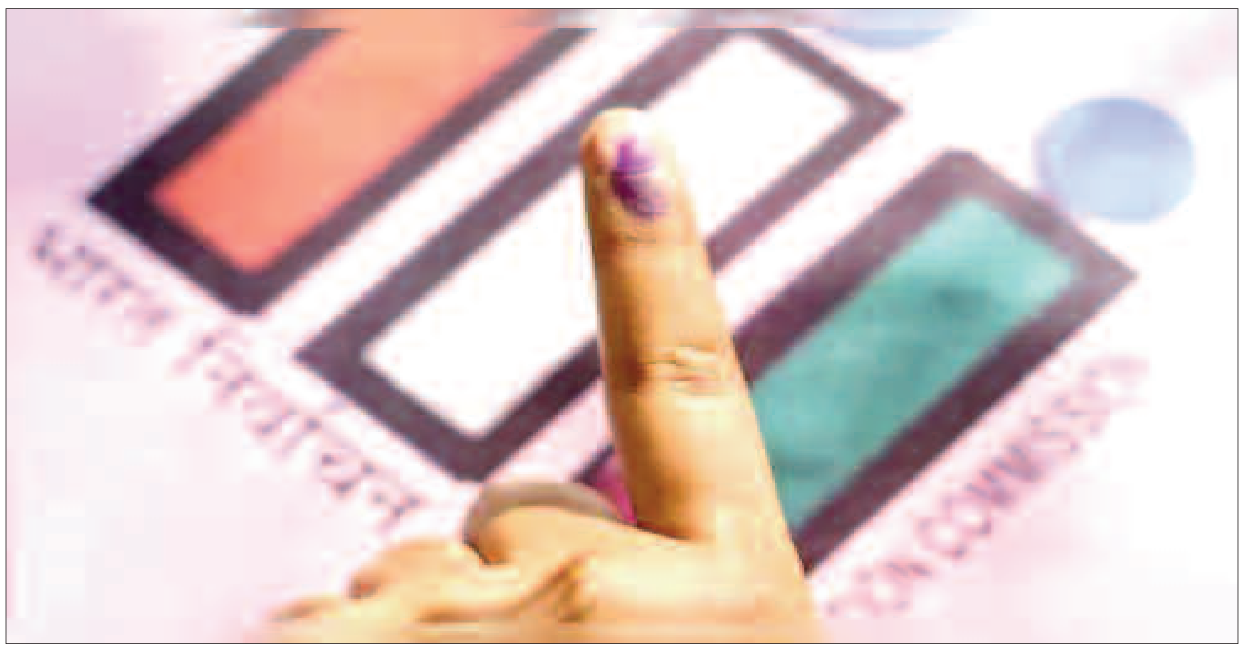

- निर्वाचन कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर दिया गया जोर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को 202 राजपुर विधानसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक के. विवेकानंदन, आईएएस की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने की। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित सभी वरीय पदाधिकारी एवं विभिन्न कोषांगों (सेल) के नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान सामान्य पर्यवेक्षक विवेकानंदन ने निर्वाचन कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आचार संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में उपस्थित सभी कोषांगों के पदाधिकारियों से पर्यवेक्षक ने क्रमवार रिपोर्ट ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कोषांग आपसी समन्वय और संवाद बनाकर कार्य करें ताकि निर्वाचन की हर प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता ही लोकतांत्रिक प्रणाली की पहचान है और प्रत्येक अधिकारी को अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी से करना चाहिए।

बैठक से पूर्व पर्यवेक्षक विवेकानंदन ने प्रशिक्षण कोषांग का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की सराहना की तथा इसे और अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव दिए। इसके बाद उन्होंने मीडिया सह एमसीएमसी (मीडिया निगरानी एवं प्रमाणन समिति) कोषांग का दौरा किया। यहां उन्होंने भुगतानित समाचार, भ्रामक समाचार तथा राजनीतिक विज्ञापनों की पूर्व प्रमाणन प्रक्रिया से संबंधित रिपोर्ट का अवलोकन किया। पर्यवेक्षक ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान मीडिया की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। इसलिए किसी भी प्रकार की भ्रामक या पक्षपातपूर्ण खबरों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने मीडिया सेल को निर्देश दिया कि सभी समाचारों की निगरानी सटीकता और त्वरितता से की जाए ताकि निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनी रहे।

विवेकानंदन ने बताया कि कोई भी व्यक्ति उनसे सीधे मिलकर शिकायत या सुझाव देना चाहता है तो वह सर्किट हाउस, कक्ष संख्या-04 में प्रातः 10 से 11 बजे तक उनसे मिल सकता है। साथ ही उन्होंने जनसंपर्क के लिए अपना ईमेल पता और संपर्क नंबर 9065330137 भी उपलब्ध कराया। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने बैठक में कहा कि प्रशासनिक टीम पूरी तत्परता के साथ चुनाव तैयारियों में जुटी है। सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है ताकि मतदान दिवस पर किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने भी अपने-अपने कोषांगों की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों और चुनौतियों की जानकारी साझा की। बैठक का समापन आपसी समन्वय और पारदर्शिता के संकल्प के साथ किया गया।

अंतिम वक्त पर छूटा मौका : उम्मीदवार बनने की ख्वाहिश पर समय ने फेरा पानी

- पत्नी की तबीयत बिगड़ी, नामांकन से पहले ही थम गया धर्मवीर भारती

केटी न्यूज/डुमरांव

सियासत में वर्षों की मेहनत और भागदौड़ के बाद आखिरकार डुमरांव के रेहियां निवासी धर्मवीर भारती के हाथ ब्रह्मपुर विधानसभा से लोजपा (पारस गुट) का टिकट आया। पार्टी सिंबल मिल गया, समर्थकों में उत्साह था और खुद भारती भी वर्षों पुराने सपने को साकार करने की तैयारी में जुटे थे। लेकिन जब किस्मत साथ न दे तो मेहनत भी अधूरी रह जाती है।

नामांकन का अंतिम दिन शुक्रवार था। शुभ मुहूर्त देखकर धर्मवीर भारती ने तय किया था कि आज ही चुनावी अखाड़े में आधिकारिक तौर पर उतरेंगे। पर उसी दिन उनकी पत्नी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इंसानियत ने उन्हें नेता से पहले एक पति बना दिया। पत्नी के इलाज की व्यवस्था में जुटे धर्मवीर ने नामांकन की जिम्मेदारी अपने समर्थकों और अधिवक्ता को सौंप दी। इलाज की व्यवस्था करने के बाद जब वे भागते हुए डुमरांव अनुमंडल कार्यालय पहुंचे, तो घड़ी में नामांकन की अंतिम घड़ी शेष थी। लेकिन अफसोस–भाग्य ने यहां भी साथ नहीं दिया। वे गलती से ब्रह्मपुर की जगह डुमरांव के कार्यालय पहुंच गए। वहां पहुंचे भी तो केवल तीन मिनट शेष थे, पर नामांकन पत्र और जरूरी कागजात साथ नहीं थे। वकील और समर्थकों से फोन पर लगातार संपर्क की कोशिश करते रहे, मगर नियति ने दरवाजा बंद कर दिया। समय समाप्त हुआ, और धर्मवीर भारती का वर्षों पुराना सपना अधूरा रह गया। उनकी दस हजार रुपये की जमा राशि भी सरकारी खजाने में चली गई। मायूस भारती ने कहा कि जीवन भर इस दिन को नहीं भूल पाऊंगा। राजनीति ने बहुत कुछ सिखाया, लेकिन वक्त ने सबसे बड़ा सबक दे दिया।

ब्रह्मपुर में आर्म्स के साथ तस्वीर शुट करना पड़ा महंगा, दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

जिले में आर्म्स के साथ फोटो सूट कराना आम फैशन बनता जा रहा है। जिसे रोकने के पुलिस ने कमर कस लिया है। जैसे ही तस्वीर वायरल हो रही है। पुलिस गिरफ्तार करने में कोई कसर नही छोड़ तुरंत हावालात पहुंचा रही है। एक ऐसा ही मामला प्रकाश में आया है ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र से महज 500 मीटर दुरी पर निवास करने के लिए अंशु पाण्डेय व गुड्डु पाण्डेय आर्म्स लेकर तस्वीर वायरल हो रही है। जो कि डांस कार्यक्रम के दौरान की है। जहां दोनों युवक महिला डांसर को पिस्टल की नोक पर डांस करा पैसा के रहे है। जिसके बाद बक्सर एसपी शुभम आर्य ने डीआईयू टीम के नेतृत्व में टीम बनाकर छापेमारी के लिए भेजा गया। जिसके बाद दोनों युवकों की गिरफ्तारी की गयी है। पूछताछ के दौरान बहुत कुछ जानकारी मिली है। परन्तु आर्म्स बरामद नही हुआ है। बक्सर एसपी शुभम आर्य ने अपराध व अपराधिक घटनाओं से जुड़े लोगों की खैर नही है। उनका सिर्फ एक ही जगह है उन्हें हावालात में पहुंचाना।

योग से निरोग रहो का संदेश लेकर संपन्न हुआ एनसीसी शिविर का आठवां दिन

- डीके कॉलेज डुमरांव में प्रशिक्षण, पर्यावरण व स्वास्थ्य पर विशेष सत्र आयोजित

केटी न्यूज/डुमरांव

डी.के. कॉलेज, डुमरांव में 30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के तत्वावधान में चल रहे 18वें वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुक्रवार को आठवां दिन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। शिविर का नेतृत्व कैंप कमाण्डेंट कर्नल रितेश रंजन साहब कर रहे हैं। दिन की शुरूआत योगाभ्यास से हुई, जिसमें कैडेटों को विभिन्न प्रकार के योग व आसनों का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षकों ने ह्लकरें योग, रहें निरोगह्व की प्रेरणादायी सूक्ति के माध्यम से योग के महत्व को बताया तथा कहा कि

स्वस्थ जीवन की आधारशिला योग से ही रखी जा सकती है।

योग सत्र के बाद कैडेटों ने ह्यब्रस्टिंग ड्रिलह्ल का व्यावहारिक अभ्यास किया। इस दौरान सेना की एक सेक्शन द्वारा दुश्मन के पोस्ट पर आक्रमण की रणनीति और अपने भू-भाग की सुरक्षा के तरीकों को विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण के इस चरण में कैडेटों ने युद्ध कौशल और अनुशासन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके पश्चात ह्लसामाजिक कौशल एवं सामूहिक कार्यह्व विषय पर विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षकों ने कैडेटों को सामूहिक कार्य की महत्ता और समाज में सहयोगपूर्ण जीवन जीने की कला सिखाई। साथ ही ह्लमहिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छताह्व पर विशेष सत्र के तहत स्वच्छता के महत्व को समझाया गया। प्रशिक्षकों ने कहा कि स्वच्छता ही स्वस्थ समाज की पहचान है। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए ह्लपौधरोपण और प्रकृति संतुलनह्व विषय पर भी चर्चा हुई। कैडेटों को पौध लगाने की शपथ दिलाई गई तथा बताया गया कि वृक्ष न केवल प्रदूषण रोकने में सहायक हैं, बल्कि जीवन के संतुलन के लिए भी आवश्यक हैं। अंत में ह्लयातायात जागरूकताह्व सत्र में कैडेटों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने सुरक्षित यात्रा के लिए नियमों के पालन को अनिवार्य बताया।

इस अवसर पर 30 बिहार बटालियन एनसीसी के पीआई सुबेदार मेजर दुबराज साहू, सुबेदार मुकेश कुमार, सुबेदार अरविंद कुमार, नायक सुबेदार सीएस सिंह, नायक सुबेदार वरुण कुमार, बीएचएम राहुल कुमार सिंह, सी.एचएम नितिश कुमार, नवीन कुमार, सुमन सोरम, एनओ डॉ. संजय रंजन सिन्हा, अभयानंद प्रजापति, सीटीओ अर्चना कुमारी सहित अन्य प्रशिक्षकों की सक्रिय भूमिका रही। ए.एन.ओ. डॉ. अरबाब खान, डॉ. योगर्षि राजपूत, डॉ. अमृता सिंह, डॉ. संजय रंजन सिन्हा, अभयानंद प्रजापति तथा सिविल स्टाफ नरेश प्रसाद, कौशलेन्द्र कुमार, चंदन कुमार, संजय कुमार, इंद्रजीत कुमार, आदित्य कुमार, सिद्धार्थ शंकर एवं कॉलेज के एनसीसी सहायक रौशन सिंह के कार्य की विशेष सराहना की गई।

जनसुराज उम्मीदवार राजीव रंजन सिंह ने संदेश विधानसभा से भरा नामांकन

केटी न्यूज। आरा

भोजपुर जिले में विधानसभा चुनाव 2025 के नामांकन के अंतिम चरण में शुक्रवार को संदेश विधानसभा क्षेत्र से जनसुराज पार्टी के उम्मीदवार राजीव रंजन सिंह ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। नामांकन के दौरान समर्थकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पूरे क्षेत्र में जनसुराज कार्यकताओं का जोश चरम पर नजर आया। नामांकन से पहले राजीव रंजन सिंह ने अपने पैतृक आवास मसाढ़ गांव से पिता का आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने सैकड़ों चारपहिया और दोपहिया वाहनों के साथ भव्य रोड शो की शुरूआत की। रोड शो में हाथों में

पार्टी का झंडा लिए बड़ी संख्या में युवा और महिला समर्थक शामिल रहे। पूरे रास्ते में फूल-मालाओं और नारेबाजी के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया। रोड शो मसाढ़ से निकलकर जीरो माइल स्थित जनसुराज कार्यालय तक पहुंचा, जहां राजीव रंजन ने जनता से आशीर्वाद लिया और कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बदलाव का चुनाव है, और संदेश की जनता इस बार जाति नहीं, विकास के नाम पर वोट करेगी। जनता के उत्साह से उत्साहित राजीव रंजन सिंह ने कहा कि वे क्षेत्र की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए राजनीति में आए हैं। उनका लक्ष्य शिक्षा, रोजगार और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर संदेश को विकास के पथ पर ले जाना है। कार्यालय से निकलने के बाद उनका काफिला नारेबाजी और ढोल-नगाड़ों के बीच आरा समाहरणालय पहुंचा, जहां उन्होंने निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के दौरान जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस मौके पर बड़ी संख्या में जनसुराज पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी, समर्थक और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरे शहर में जनसुराज के नारों से माहौल चुनावी रंग में रंग गया। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद दैनिक भास्कर से खास बातचीत की। उन्होंने कहा कि सबसे पहले वे अपने पार्टी के सूत्रधार प्रशांत भईया को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने उन्हें जनता की सेवा का इतना बड़ा अवसर दिया है। राजीव रंजन सिंह ने कहा कि प्रशांत भईया ने जो भी बातें बिहार की जनता के सामने रखी हैं,उन्हें मैं धरातल पर लाने का काम करूंगा। हमारी पहली प्राथमिकता शिक्षा को बढ़ावा देना होगी। मैं खुद सुप्रीम कोर्ट का वकील हूं और शिक्षा की ताकत को समझता हूं।उन्होंने कहा कि संदेश विधानसभा में सड़कों की स्थिति बेहद खराब है। बिहार में आज भी लोग मूलभूत सुविधाओं को ही विकास समझने लगे हैं, जो सरकार की नाकामी को दशार्ता है। हमारी सरकार बनेगी तो पहले सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं जनता तक मुफ्त पहुंचाई जाएंगी। उसके बाद क्षेत्र को समग्र विकास के रास्ते पर ले जाया जाएगा। राजीव रंजन सिंह ने कहा कि जनसुराज का संदेश अब बिहार के हर गांव और टोले तक पहुंच चुका है। मैं पार्टी का चेहरा जरूर हूं, लेकिन इससे पहले जनसुराज की विचारधारा जनता के दिलों में जगह बना चुकी है।

बड़हरा से राजद प्रत्याशी रामबाबू सिंह ने किया नामांकन

- **समर्थकों का उमड़ा जनसैलाब लालू-तेजस्वी के नारे से गूंजा पूरा इलाका**

केटी न्यूज। आरा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए आज भोजपुर जिले के बड़हरा विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी अशोक कुमार सिंह उर्फ रामबाबू सिंह ने नामांकन दाखिल किया। अंतिम दिन होने की वजह और भीड़ की वजह से हालांकि उन्होंने बड़े ही सादगी और करीबियों के संग ही नामांकन के लिए राजद के लालटेन चिह्न पर चुनाव लड़ रहे रामबाबू सिंह सुबह 11 बजे के करीब घर से पूजा कर निकले, लेकिन बावजूद इसके समर्थकों की जामत नामांकन के दौरान दिखी। समर्थको ने ढोल नगाड़े के साथ उनके आने का प्रतीक्षा किया और फिर झंडे-बैनर और फूल-मालाओं के साथ ह्लालू यादव जिंदाबाद तेजस्वी यादव जिंदाबाद, और चुपचाप लालटेन छाप जैसे नारों से पूरे इलाके को गुंजायमान

किया।नामांकन करने के बाद जब बाहर निकले तो वहां और भी समर्थकों ने उन्हें घेर लिया और फूल माला से उनका अवगत किया। नामांकन का पर्चा भरने के बाद वे सीधे बड़हरा के लिए प्रस्थान किए। बड़हरा में सुबह से प्रतीक्षा कर रहे समर्थकों का दल उनके आगमन को लेकर इतना उत्साहित था कि मतवालिया के पास रास्ते में ही उनका स्वागत किया। स्वागत के बाद गगनभेदी नारों के साथ सैकड़ों बाइक और कारों के काफिले के साथ बड़हरा पहुंचे। जहां पहले से मौजूद बड़हरा की जनता ने गाजे बाजे के साथ रामबाबू का स्वागत किया। नामांकन के बाद मीडिया से बात करते हुए रामबाबू सिंह ने कहा कि यह नामांकन सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि बड़हरा की जनता की उम्मीदों और विश्वास का नामांकन है। पिता तुल्य लालू प्रसाद यादव, माता तुल्य राबड़ी देवी और नेता तेजस्वी यादव ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, उसे मैं विकास और न्याय की नीति से सिद्ध करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि बड़हरा की जनता ने हमेशा परिवर्तन की राह दिखाई है, और इस बार भी जनता महागठबंधन को भारी मतों से जिताकर तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाएगी।नामांकन के दौरान महागठबंधन के सैकड़ों कार्यकर्ता, राजद जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत प्रतिनिधि, छात्र राजद, युवा राजद के कार्यकताओं के साथ जनता का हुजूम भी शामिल था। होटल साकेत के पास स्थित मैदान में नामांकन सह आशीर्वाद कार्यक्रम के बीच राजद के जिला, पंचायत और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों का भी वहां आना हुआ और एक सभा की गई जिसमें राजद के पूर्व विधायक अरुण यादव और विजेंद्र यादव भी शामिल हुए। विजेंद्र यादव ने कहा कि वे राजद के पुराने सिपाही हैं। 10 साल विधायक रहे हैं लेकिन बावजूद मैने टिकट के लिए जोर नहीं दिया क्योंकि जनता की मांग है तेजस्वी को मुख्यमंत्री के तौर पर देखना और इस सोने के लिए रामबाबू सिंह को तेजस्वी ने बड़हरा से चुना है तो मैं बड़हरा की जनता से अपील करता हूं कि सबकुछ भूलकर लालटेन को वोट करें और तभी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री हम देख पाएंगे। वही पूर्व विधायक अरुण यादव ने भी अभी से रामबाबू के पक्ष में वोट मांगा और कहा कि रामबाबू को तेजस्वी और लालू जी ने चुनकर भेजा है। कुछ तो सोच के चुना होगा। इसलिए हाथ जोड़कर जनता से निवेदन है कि इन्हें जिताएं। राजनीति के भले ये नए हैं लेकिन हम इनके साथ हमेशा रहेंगे। सभा में राजद के नेताओं में बीरबल यादव, शैलेन्द्र राम, सीपी चक्रवर्ती, फूल अंसारी, निर्मल शक्रवार आलोक रंजन, नंद जी राय, सच्चिदानंदन राय, बद्री पासवान, जयराम राय,निराला कुमार, राम तपस्या राय समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शाहपुर से जनसुराज से डॉक्टर पद्मा ओझा ने दाखिल किया नामांकन

- **भव्य जुलूस के साथ पहुंचीं प्रखंड कार्यालय, समर्थकों ने किया स्वागत**

केटी न्यूज। आरा

कटेया काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद, कहाझ शिक्षा, रोजगार और महिला सशक्तिकरण रहेगा मेरी प्राथमिकता, वाटर ग्रिड बना देंगे, शाहपुर को करेंगे मॉडल विधानसभा बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नामांकन के अंतिम दिन शुक्रवार को शाहपुर विधानसभा क्षेत्र से जनसुराज पार्टी की उम्मीदवार डॉ. पद्मा ओझा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले उन्होंने कटेया गांव स्थित प्रसिद्ध काली मंदिर में पूजा-अर्चना की और अपने क्षेत्र की बड़ी महिलाओं का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मंदिर से निकलने के बाद डॉ. ओझा के समर्थन में सैकड़ों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए। समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों

और फूल-मालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। जुलूस के दौरान लोग जनसुराज जिंदाबाद और डॉ. पद्मा ओझा विजयी हों के नारे लगाते नजर आए। पद्मा ओझा बिहिया प्रखंड के कटेया गांव निवासी BSF से रिटायर्ड जवान रंजन कुमार ओझा की 50 वर्षीय पत्नी है। इनके एक इंजीनियर बेटा एवं एक आर्किटेक बेटी है। पद्मा ओझा डबल **M.A,M.ed,** लिट्रेचर से **P.hd** की है। बैंगलौर में हिंदी विषय की शिक्षिका है।पूरे रास्ते में डॉ. ओझा ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। नामांकन स्थल पहुंचने पर भी माहौल उत्सवी रहा। इस दौरान जनसुराज पार्टी के कई स्थानीय नेता, कार्यकर्ता और महिला समर्थक मौजूद रहीं। डॉ. पद्मा ओझा ने कहा कि शाहपुर की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि जनसुराज की राजनीति जनता के अधिकार और विकास के लिए है। हम ईमानदारी, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को आधार बनाकर चुनाव मैदान में उतरे हैं।

बड़हरा विधानसभा से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने किया नामांकन

केटी न्यूज। आरा

बड़हरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन समर्थित भाजपा प्रत्याशी राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने एडीएम कार्यालय पहुंच कर नामांकन किया। उनके नामांकन में प्रस्तावक के रुप मे बड़हरा मंडल अध्यक्ष शुभम पांडेय और अतिपिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष हरेराम चंद्रवंशी साथ में थे। नामांकन के लिए नामांकन सभा का आयोजन अंबिका सदन मौलाबाग मे हुआ। नामांकन सभा की अध्यक्षता संजय गाँधी कॉलेज के प्राचार्य शिक्षाविद हरेकृष्ण उपाध्याय और संचालन जिला उपाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह ने किया।बड़हरा विधानसभा एनडीए प्रत्याशी के नामांकन सभा मे दिल्ली के सांसद भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी, बिहार सरकार के मंत्री हरी सहनी,जनक राम,उतरप्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, विधानपार्षद जीवन कुमार, उतरप्रदेश के विधायक कमल मलिक मुख्य रूप से शामिल हुए। दिल्ली सांसद भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी ने नामांकन

सभा में अपने भाषण ओर गीतो से वातावरण उल्लास मे भर दिया। उन्होने भारत सरकार और बिहार सरकार की योजनाओं को बताते हुए जंगलराज की भी याद दिलाया और कहा कि आज बिहार आगे बढ चुका है,फिर से हम इसे जंगलराज मे नही खदेड़ सकते है। बड़हरा की जीत से दिल्ली मे हमलोगों का चार इंच सीना बढेगा। वहीं बिहार सरकार के मंत्री जनक राम,हरी सहनी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार मे विकास नीतीश कुमार का एनडीए सरकार का है।हमे जात-पात नही विकास देखना है।किसी के बहकावे मे नही आना है। हम फिर से बिहार मे एनडीए सरकार बनाएंगे। उतरप्रदेश के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बड़हरा सहित भोजपुर की सातो सीट एनडीए के झोली मे जाने की बात कही।राजग समर्थित भाजपा प्रत्याशी राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने सभा के दौरान बड़हरा की जनता से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान सभी मे अपने लोकप्रिय नेता के प्रति अपार प्रेम को देखा गया। पूरे सभा से राघवेन्द्र प्रताप सिंह जिन्दाबाद का नारा गुंज रहा था।जनता मे अपने नेता को माला पहनाने के लिए होड़ मचा था।

तरारी विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार विशाल प्रशांत ने भरा नामांकन

- **समर्थकों ने की गुलाब की पंखुड़ियों से वर्षा**

केटी न्यूज। आरा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नामांकन के अंतिम दिन शुक्रवार को भोजपुर जिले की तरारी विधानसभा सीट से एनडीए उम्मीदवार और भाजपा के मौजूदा विधायक विशाल प्रशांत ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। इस दौरान क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। समर्थकों की भारी भीड़ और जोश ने पूरे इलाके को चुनावी रंग में रंग दिया। नामांकन से पहले विशाल प्रशांत का काफिला अपने पिता और क्षेत्र के पूर्व विधायक सुनील पांडेय के साथ डिफेंडर गाड़ी से रवाना हुआ। रास्ते में समर्थकों ने जोश में दो अलग-अलग स्थानों पर दो-दो खउइ मशीनों

से गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की, जिससे पूरा माहौल गुलाबी हो गया। फूलों की बरसात से स्वागत कर समर्थकों ने अपने नेता के प्रति उत्साह और निष्ठा का प्रदर्शन किया। काफिला जब पीरो हाइ स्कूल मैदान स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा, तो वहां पहले से हजारों की संख्या में एनडीए गठबंधन के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे। मंच पर पहुंचकर विशाल प्रशांत ने सभी नेताओं और जनता का अभिवादन किया और आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर भाजपा, जदयू और हम के कई वरिष्ठ नेता मंच पर उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने एक सुर में कहा कि तरारी की जनता एक बार फिर एनडीए उम्मीदवार को भारी मतों से विजयी बनाएगी।वहीं एनडीए उम्मीदवार विशाल प्रशांत ने दैनिक भास्कर से बात करते हुए कहा कि मेरे नामांकन में जो जनसैलाब उमड़ा है। जो जनता ने मेरे प्रति प्यार दिखाया वो आशीर्वाद है। ठऊअ गठबंधन समर्पित भारतीय जनता पार्टी के सिंबल आज फिर से आज से 1 साल पहले जो मैंने नामांकन किया था उसे एक हफ्ता पहले आज फिर से नामांकन किया है। सिग्नल क्लियर है जो पिछली बार से इस बार चार गुना ज्यादा लोगों का समर्थन मेरे साथ है। यह दिखाता है कि पिछले 9 महीने के कार्यकाल में कितना विकास हुआ है।जो विकास मैंने अपने कार्यकाल में किया है उससे भाकपा माले वाले को लगता है कि हमने अपने जेब से किया है। लेकिन यह विकास देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ठऊअ सरकार एवं हमारे विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कैबिनेट से प्रस्ताव के साथ हमारे दौड़ भाग मेहनत के कारण हुआ है। पिछले 9 महीने में 943 करोड रुपए की योजनाओं का काम किया है। साथ में तरारी के चार प्रमुख चीज दो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स,एक शाहाबाद दूध फैक्ट्री एवं इंडस्ट्रियल लाने का काम करेंगे। खेलकूद या कोई भी खेल में भाग लेने में कठिनाइयां का सामना नहीं करना पड़ेगा। तरारी की जनता ने हमेशा हमारे परिवार पर भरोसा जताया है। हम विकास, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर जनता के बीच जा रहे हैं। आने वाले समय में तरारी को विकास का मॉडल बनाना हमारा लक्ष्य है।

पूर्व विधायक के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तरीय की आक्रोश

केटी न्यूज/रोहतास

शहर के डुमरांव रोड स्थित तेंदुनी काली स्थान के प्रांगण में बिहार विधानसभा चुनाव में रोहतास जिला के एक भी सीट पर भाजपा उम्मीदवार ना दिए जाने के आक्रोश में काराकाट विधानसभा भारतीय जनता पार्टी द्वारा बूथ स्तरीय कार्यकर्ता की बैठक आयोजित की गई। जिसमें हजारों की संख्या में कार्यकता उपस्थित रहे। जिसकी अध्यक्षता गोपेश प्रसाद एवं संचालन विधानसभा संयोजक अजीत सिंह ने किया। इस बैठक में मुख्य रूप से काराकाट के पूर्व विधायक व बिहार भाजपा के कद्दावर नेता राजेश्वर राज उपस्थित रहे। पूर्व विधायक राजेश्वर ने खूद को भाजपा का एक सच्चा सिपाही बताते हुए भाजपा प्रदेश नेतृत्व से प्रश्न किया कि किन परिस्थितियों एवं मजबूरियों की वजह से रोहतास जिला में एक भी सीट पर भाजपा उम्मीदवार नहीं दिया गया । पार्टी हमारे मां के समान होती है,हर एक कार्यकर्ता को अपने प्रदेश नेतृत्व से ये जानने का अधिकार है ।क्योंकि जिला का हर एक कार्यकर्ता प्रदेश नेतृत्व के इस फैसले से आघात हुआ है। आने वाले 2 से 3 दिनों में ये प्रदेश नेतृत्व को बताना होगा,रोहतास जिला के हर एक कार्यकर्ता का मान व सम्मान प्रदेश नेतृत्व को रखना होगा ।जिसमें उपस्थित सभी कार्यकर्ताओ ने अपनी सहमति जताई । कार्यकर्ताओ की सर्व सहमति से ये निर्णय लिया गया कि आगामी 22 अक्टूबर तक अगर भाजपा प्रदेश नेतृत्व हम सभी कार्यकताओं का मान-सम्मान नहीं रखेगी,तो हम सभी कार्यकर्ता आगे का निर्णय लेंगे। अन्य वक्ताओं में संजय सिंह,बीरेंद्र कुशवाहा, विनोद पासवान,गोपेश प्रसाद, रामनरेश पांडे,रमाशंकर सिंह, दिनेश सिंह, गौतम तिवारी,विनोद पासवान, राजेश कुशवाहा, मंटू सिंह, सुनील सिंह, विजय सिंह, रितेश राज, विजय मिश्रा, अरविंद भारती,पूनम सिंह अन्य वक्ताओं में संजय सिंह, बीरेंद्र कुशवाहा,विनोद पासवान, गोपेश प्रसाद,रामनरेश पांडे, रमाशंकर सिंह,दिनेश सिंह,गौतम तिवारी, विनोद पासवान,राजेश कुशवाहा, मंटू सिंह,सुनील सिंह, विजय सिंह, रितेश राज, विजय मिश्रा,अरविंद भारती, पूनम सिंह, राष्ट्रीय लोक मोर्चा बिहार प्रदेश किसान प्रकोष्ठ महासचिव गुड्डू उपाध्याय, मानवता सेवा संघ सचिव अखिलेश तिवारी, ददन पाण्डेय,श्रीकांत गिरी संतोष उपाध्याय, मनोज तिवारी, दशरथ मिश्रा, अरविंद पाण्डेय, योगेंद्र तिवारी,अरुण दूबे, सहित अन्य सैकड़ो कार्यकर्ता ने भाग लिया।

एक नजर

पुलिस ने एक वारंटी को भेजा जेल

काराकाट । थाना क्षेत्र के रामपुर गच्छई गांव से एक वारंटी को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायालय को सुपुर्द किया गया। जो गिरफ्तार वारंटी हरेंद्र सिंह पिता विश्वनाथ सिंह बताया जाता है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि न्यायालय से वारंट निर्गत था । रामपुर गच्छई गांव में छापेमारी कर वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय को सुपुर्द किया गया।

शिक्षा विभाग ने कर्मियों साथ चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

सासाराम । शुक्रवार को शिक्षा विभाग के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कला के माध्यम से मतदाता को जागरूक करने का काम किया। बच्चों ने रंगोली बनाकर वोट के अधिकार को दिखाया और लोगों को बताया कि वोट करना कितना जरूरी है। जैसा की शिक्षा विभाग प्रतिदिन मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर कुछ ना कुछ कार्यक्रम आयोजित कर रहा है उसी कड़ी में आज यह आयोजन मल्टीपरपज हॉल फजलगंज में देखने को मिला। बच्चों ने रंगोली के अलावा पेंटिंग बनाकर भी लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया। वही बच्चों ने निबंध लेखन में मतदाता जागरूकता अभियान को बेहतर तरीके से निबंध के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। बच्चों ने एक साथ मिलकर इस मतदाता जागरूकता अभियान को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहां पर उपस्थित सभी बच्चे एवं रोहतास वासियों से यह अपील किया गया कि आप ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान के बारे में बताएं और लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करें। जिससे हमारा बिहार आगे बढ़े।

विद्यालय के छात्रों ने रंगोली स्लोगन से मतदाताओं को किया जागरूक

काराकाट । बाल विकास परियोजना कार्यालय प्रखंड काराकाट के तहत केंद्र संख्या 1व 2 नाद एवं केंद्र संख्या 141 (कर्मा) में स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें रंगोली और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। काराकाट की बीपीआरओ रेणुका कुमारी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य आगामी चुनावों में मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करना था। रंगोली और प्रेरणादायक नारों के जरिए लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान में महिला पर्यवेक्षिकाएं मीना कुमारी, बाली कुमारी, रूकसाना खातून और आंगनबाड़ी सेविकाएं कांती देवी, बबिता कुमारी, अंजू कुमारी, बब्ली कुमारी सहित अन्य स्थानीय महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी की। सभी ने मिलकर लोगों को मतदान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और स्वयं मतदान करने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान "पहले मतदान, फिर जलपान!", "एक वोट, एक जिम्मेदारी!" और "सबसे पहले वोट करें, फिर कोई और काम!" जैसे नारों का प्रयोग किया गया। इसका उद्देश्य मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देना, महिलाओं और युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना था। यह आयोजन जन-जागरूकता की दिशा में सफल रहा और स्थानीय समुदाय में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का संदेश प्रभावी ढंग से पहुँचाया गया।

सड़क हादसे में बाइक सवार मुखिया पुत्र की मौत

कटिहार । बिहार के कटिहार जिले के कुरसेला थाना क्षेत्र में स्थित अयोध्यागंज बाजार में बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने परिवार और इलाके में कोहराम मचा दिया। हादसे में शाहपुर धर्मी पंचायत के मुखिया अरुण कुमार यादव के पुत्र किशु कुमार (28) की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार के लिए यह दुख और भी गहरा है, क्योंकि मुखिया का छोटा बेटा निशु कुमार पहले से ही लापता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किशु कुमार अपनी बाइक से अयोध्यागंज बाजार की ओर जा रहे थे। धर्मशाला के पास अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सिधी दीवार से जा टकराई, जिससे किशु गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्रभारी चिकित्सक डॉ. रितेश कुमार ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हुई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मुखिया अरुण यादव और उनके परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां मृतक की मां का रो-रोकर बुरा हाल था। उन्होंने बताया कि उनका बेटा घर से पांच मिनट पहले निकला था और उसी समय हादसा हो गया। घटना के बाद पूरे पंचायत क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीण और आसपास के लोग मुखिया परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने उनके घर पहुंच रहे हैं। घटना से पहले ही परिवार पर अकल्पनीय दुख का बोझ था, क्योंकि मुखिया का छोटा पुत्र निशु कुमार 6 अक्टूबर से लापता है। परिवार और स्थानीय प्रशासन निशु की खोज में लगे हैं, लेकिन अभी तक उसकी कोई जानकारी नहीं मिली है। इस दुखद स्थिति में मुखिया का परिवार मानसिक और भावनात्मक रूप से बेहद तनाव में है। किशु कुमार परिवार में सबसे बड़ा था और पिछले अप्रैल महीने में उसकी शादी हुई थी। उनके निधन से नए विवाह के साथ-साथ पूरे परिवार का भविष्य गहरे दुख और अनिश्चितता में आ गया है। पंचायत और बाजार क्षेत्र में हादसे के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और थानाध्यक्ष राकेश कुमार दल-बल के साथ पीएचसी पहुंचे। स्थानीय लोग इस दुर्घटना को सड़क सुरक्षा की अनदेखी का परिणाम मान रहे हैं। यह हादसा न केवल मुखिया परिवार के लिए बल्कि पूरे पंचायत क्षेत्र के लिए दुखद है। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और ग्रामीणों को सुरक्षित रहने की सलाह दी है।

राज्य के सभी 38 जिलों में एक-एक गांव को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित करने की योजना

BREDA ने डीएम को दिए निर्देश, 7 मानदंडों पर होगा चयन, पीएम सूर्य घर योजना को मिलेगा बढ़ावा

बिहार सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य के सभी 38 जिलों में एक-एक गांव को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित करने की योजना पर काम तेज हो गया है। बिहार रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी ने इसकी जिम्मेदारी संभाली है और सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर गांवों के चयन के लिए निर्देश दिए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री मुफ्त सूर्य घर योजना को ग्रामीण स्तर पर लागू करना और सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है। **BREDA** के निदेशक ने जिलाधिकारियों से प्राथमिकता के आधार पर गांवों की सूची जल्द उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, ताकि कार्यान्वयन की प्रक्रिया शीघ्र शुरू हो सके। योजना के तहत गांवों का चयन सात निर्धारित मानदंडों पर आधारित होगा जो नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के दिशा-निदेशों से प्रेरित हैं। इनमें सबसे प्रमुख है गांव की आबादी 5,000 से अधिक होना, ताकि योजना का प्रभाव व्यापक हो। अन्य मानदंडों में गांव की राजस्व सीमा के भीतर स्थापित वितरित सौर ऊर्जा क्षमता, सौर पैनल स्थापना की संभावना, ग्रामीण बुनियादी ढांचे की उपलब्धता, सामुदायिक भागीदारी और पर्यावरणीय अनुकूलता शामिल हैं। प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा जो चयन प्रक्रिया को संचालित करेगी। चयन के लिए जिलास्तरीय प्रतियोगिता भी आयोजित होगी, जिसमें गांवों का मूल्यांकन सौर ऊर्जा उपयोग की क्षमता के आधार पर होगा। इफ्र्ऊअ ने स्पष्ट किया है कि चयनित गांवों में सौर स्ट्रीट लाइट, रूफटॉप सोलर सिस्टम, सोलर वाटर पंप और सामुदायिक सौर मॉड्यूल स्थापित किए जाएंगे जो गांव की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। यह योजना बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के प्रसार को गति देगी, जहां वर्तमान में बिजली की अनियमित आपूर्ति एक बड़ी समस्या है। पीएम सुर्य योजना के तहत केंद्र सरकार 3 किलोवॉट तक के रूफटॉप सोलर सिस्टम पर 60% तक सब्सिडी दे रही है, जिसमें बिहार में इफ्र्ऊअ अतिरिक्त राज्य-स्तरीय सहायता प्रदान करेगी। इससे न केवल बिजली बिल में कमी आएगी, बल्कि रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण भी होगा। सुपौल जिले के एक पायलट गांव में पहले ही 50% घरों में सौर लाइट स्थापित हो चुकी हैं। जिलाधिकारियों को 15 दिनों के भीतर सूची प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है और चयन के बाद कार्यान्वयन 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

सीएम नीतीश कुमार से मिले अमित शाह गृह मंत्री बोले, जनता लालू यादव का जंगलराज वापस नहीं

एजेंसी। पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की है। शुक्रवार सुबह 10:57 बजे सीएम नीतीश से मुलाकात करने पटना के अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। करीब 18 मिनट बाद दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। इसके बाद गृह मंत्री एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से वह छपरा के तरैया के लिए निकल गए। वहां पर वह जनसभा को संबोधित करेंगे। इधर, पटना में उन्होंने एनडीए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार में इस बार एनडीए को ऐतिहासिक जीत मिलेगी। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर हमला बोलते हुए कहा कि चाहे केंद्र में हो या राज्य में, लालू यादव जहां भी सत्ता में रहे, वहां जमकर भ्रष्टाचार किया। 21वीं सदी में बिहार की जनता कभी भी लालू यादव का जंगलराज वापस नहीं लाएगी। लालू यादव को रोड, पुल, पानी, आवास पर चर्चा करना शोभा नहीं देता, उन्हें केवल अपने जंगलराज, अपहरण, फिरौती, वसूली पर चर्चा करनी चाहिए। सीएम नीतीश कुमार और गृह मंत्री अमित शाह को लेकर बताया जा रहा है कि एनडीए में सीट बंटवारे के बाद सीएम नीतीश कुमार अपने खाते की कुछ सीटे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी को मिलने से नाराज हो गए थे। इसके बाद उन्होंने सीएम हाउस में भाजपा और जदयू के वरिष्ठ नेताओं की अलग-अलग बैठक भी बुलाई थी। इस बैठक के बाद ही भाजपा और जदयू ने अपने अपने उम्मीदवार उतारे। उस वक्त भी यह बात सामने आई थी कि गृह मंत्री अमित शाह पटना आते ही मुलाकात करेंगे। आज दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हो गई। बैठक के दौरान गृह मंत्री ने बिहार चुनाव की तैयारी, प्रचार प्रसार समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि आगामी चुनाव को लेकर यह मुलाकात हुई। एनडीए में सबकुछ ठीक है। सबलोग एकजुट हैं। हमलोगों को जनता ने आशीर्वाद दिया है।

एनडीए में सबकुछ ठीक है

सीएम नीतीश कुमार और गृह मंत्री अमित शाह को लेकर बताया जा रहा है कि एनडीए में सीट बंटवारे के बाद सीएम नीतीश कुमार अपने खाते की कुछ सीटे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी को मिलने से नाराज हो गए थे। इसके बाद उन्होंने सीएम हाउस में भाजपा और जदयू के वरिष्ठ नेताओं की अलग-अलग बैठक भी बुलाई थी। इस बैठक के बाद ही भाजपा और जदयू ने अपने अपने उम्मीदवार उतारे। उस वक्त भी यह बात सामने आई थी कि गृह मंत्री अमित शाह पटना आते ही मुलाकात करेंगे। आज दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हो गई। बैठक के दौरान गृह मंत्री ने बिहार चुनाव की तैयारी, प्रचार प्रसार समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि आगामी चुनाव को लेकर यह मुलाकात हुई। एनडीए में सबकुछ ठीक है। सबलोग एकजुट हैं। हमलोगों को जनता ने आशीर्वाद दिया है।

नीतीश का सीएम बनना तय नहीं

गृह मंत्री अमित शाह ने एक न्यूज चैनल से बात करते हुए बड़ी घोषणा कर दी. दरअसल अमित शाह से ये सवाल पूछा गया कि अगर 2025 के विधानसभा चुनाव में ठऊअ को बहुमत आता है तो नीतीश कुमार को फिर से सीएम बनाया जाएगा, इस सवाल का अमित शाह ने दिलचस्प जवाब दिया. अमित शाह ने कहा कि मैं कौन होता हूं किसी को सीएम बनाने वाला. बिहार विधानसभा चुनाव में ठऊअ को बहुमत मिलता है तो गठबंधन में जितने भी दल हैं उनके विधायक बैठेंगे, उनके विधायक दल के नेता बैठेंगे और वे तय करेंगे कि कौन मुख्यमंत्री बनेगा।

अभी नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे

अमित शाह ने कहा कि अभी हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहे हैं और हमारे चुनाव का नेतृत्व नीतीश कुमार ही कर रहे हैं. अमित शाह ने आगे की बातें टाल दीं।

एक नजर

छपरा से चुनाव लड़ेंगे खेसारी लाल यादव, लालू प्रसाद यादव ने दिया आरजेडी का टिकट

पटना। भोजपुरी गायक व अभिनेता खेसारी लाल यादव और उनकी पत्नी चंदा यादव के चुनाव लड़ने को लेकर जो सस्पेंस चल रहा था वो खत्म हो गया है। खुद खेसारी लाल यादव ने यह साफ कर दिया है कि छपरा सीट से राजद प्रत्याशी के रूप में वो खुद चुनाव लड़ेंगे। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सिंबल भी दे दिया है। खेसारी लाल यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखकर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि मैं, आप सभी का बेटा और भाई खेसारी लाल यादव, इस बार छपरा विधानसभा से चुनाव लड़ रहा हूँ। मैं कोई परंपरागत नेता नहीं हूँ, मैं आप सभी जनता जनार्दन का बेटा हूँ, खेत-खलिहान का लाल हूँ, हर तबके की आवाज हूँ और युवा भाइयों का जोश हूँ। मेरे लिए राजनीति कोई कुर्सी की दौड़ नहीं है, ये एक ज़िम्मेदारी है, छपरा के हर घर तक विकास पहुँचाने की, हर दिल की आवाज बनने की। राष्ट्रीय जनता दल की विचारधारा, आदरणीय श्री @''४स्त्र१ंश्चि जी का संघर्ष और बड़े भाई श्री @८ंप्५ड्रेंश्ट जी का युवा नेतृत्व एवं आप सभी का आशीर्वाद व भरोसा अब यही मेरे रास्ते का दीपक हैं बता दें कि ट्वीट करने से पहले भोजपुरी गायक व अभिनेता खेसारी लाल यादव आज गुरुवार की शाम में राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए। अपनी पत्नी चंदा यादव के साथ उन्होंने आरजेडी की सदस्यता ग्रहण की। तेजस्वी यादव ने पार्टी की सदस्यता दिलायी। आरजेडी की सदस्यता ग्रहण करने से पहले ही बिहार में अचानक यह चर्चा तेज हो गयी कि खेसारी लाल की पत्नी चंदा यादव विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। लेकिन फिर कुछ दिनों बाद ही यह बात सामने आई की उनकी पत्नी नहीं बल्कि खुद खेसारी लाल यादव चुनाव आरजेडी की टिकट पर लड़ेंगे। यह बात शाम तक सस्पेंस बना हुआ था। लेकिन फैंस दोनों में खुश थे। उनका कहना था कि भईया चुनाव लड़े या भाभी किसी को कोई प्रोब्लम नहीं है।

एचपीवी का टीका लगते ही दर्जनों छात्राएं बेहोश, स्कूल में मचा हड़कंप, भागे-भागे अस्पताल पहुंचे अधिकारी

सहरसा। सहरसा जिले के बिहरा थाना क्षेत्र के मध्य विद्यालय आरण में पंचगछिया पीएचसी प्रभारी डॉ दिलीप कुमार के उपस्थिति में कर्मियों द्वारा 9 से 14 वर्ष की छात्रा को ह्यूमेन पेपलूमा वायरस (Hpv) की टीका पड़ने से करीब दो दर्जन बच्चे बेहोश हो गए। जिससे अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। वहीं कुछ लोग अपने बच्चे को खुद से अस्पताल लेकर भागे जबकि प्रभारी ने एम्बुलेंस मांगाकर बांकी बचे बच्चे को सदर अस्पताल भेजवाया, जहां सभी बच्चे स्वास्थ्य बताया जा रहा है। हालांकि आक्रोशित लोगों ने चिकित्सक टीम पर टूट पड़े वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने बीच बचाव किया तबतक चिकित्सक टीम ने एक रूम में खुद को बंदकर अपने आप को सुरक्षित किया। तबतक सूचना मिलने पर बिहरा थानाध्यक्ष दलबल के साथ करीब तीन दर्जन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच मामले को शांत कराया वहीं सदर डीएसपी आलोक कुमार भी मोके पर पहुंच मामले की जानकारी प्राप्त की, वहीं लोगों को शांत कराया। इधर, सूचना मिलते ही डीएम दीपेश कुमार, एसपी हिमांशु सहित अन्य पदाधिकारी सदर अस्पताल पहुंच इलाजरत सभी बच्चों का हाल जाना।

मगही सुपर स्टार आशीष यादव की पहली फिल्म गर्मी का भव्य ट्रेलर लॉन्च, छठ के बाद बिहार भर में होगी रिलीज

एजेंसी। पटना

मगही सिनेमा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। मगही सुपर स्टार आशीष यादव की पहली फिल्म ह्यगर्मीह्ण का ट्रेलर आज पटना के पी एंड एम मॉल स्थित सिनेपोलिस में भव्य तरीके से लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में सिनेमा प्रेमियों, मीडिया प्रतिनिधियों और फिल्म जगत से जुड़े कई लोगों की उपस्थिति ने इसे यादगार बना दिया। यह फिल्म पूरी तरह मगही भाषा में बनी है, जो स्थानीय संस्कृति और बोली को बड़े पर्दे पर नई पहचान देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान फिल्म के मुख्य अभिनेता आशीष यादव, निर्देशक अभिषेक सम्राट, निर्माता दीपक कुमार, कार्यकारी निर्माता सुभाष कामत, अभिनेता संजय सिंह और अभिनेत्री दिव्या शर्मा सहित पूरी स्टारकास्ट मौजूद रही। फिल्म का निर्माण बद्रीनाथ एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। टीम ने बताया कि फिल्म की शूटिंग लखनऊ, दिल्ली, मसूरी और बिहार के खूबसूरत लोकेशनों पर की गई है, जिससे फिल्म को एक भव्य और वास्तविक लुक मिला है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अभिनेता आशीष यादव ने कहा कि यह मेरी पहली फिल्म है और इसके जरिए मैंने बहुत कुछ सीखा है। मेहनत ही सफलता की असली चाबी है, और दर्शकों का प्यार ही कलाकार की सबसे बड़ी ताकत होती है। हम सभी ने दिल से मेहनत की है ताकि मगही सिनेमा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें। उन्होंने आगे कहा कि मगही सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान है, और इसे राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना मेरा सपना है। निर्देशक अभिषेक सम्राट ने बताया कि फिल्म गर्मी एक एक्शन-ड्रामा और इमोशनल कहानी पर आधारित है, जिसमें युवाओं की संघर्ष यात्रा, परिवार के प्रति जिम्मेदारी और सपनों को पाने की जद्दोजहद को दिखाया गया है। निमार्ता दीपक कुमार ने कहा कि यह फिल्म न सिर्फ मनोरंजन करेगी बल्कि दर्शकों को प्रेरित भी करेगी। उन्होंने बताया कि फिल्म छठ पूजा के बाद पूरे बिहार में एक साथ रिलीज की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित दर्शकों ने ट्रेलर को खूब सराहा और मगही फिल्म उद्योग के प्रति उत्साह जताया। ट्रेलर लॉन्च के बाद सोशल मीडिया पर भी फिल्म ह्यगर्मीह्ण को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। यह फिल्म न केवल मगही सिनेमा के लिए, बल्कि पूरे बिहार के क्षेत्रीय फिल्म उद्योग के लिए एक नई शुरूआत साबित हो सकती है।

धनतेरस और दिवाली को लेकर पटना में सुरक्षा चाक-चौबंद, बाजारों में रखी जा रही विशेष निगरानी

एजेंसी। पटना

धनतेरस और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों को देखते हुए पटना पुलिस ने शहरभर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रमुख बाजारों खासकर सरार्फा बाजारों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि शॉपिंग के लिए बाजारों में पहुंच रहे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसका उद्देश्य भीड़ में छिपे संदिग्ध तत्वों पर नजर रखना और त्वरित कार्रवाई करना है।उन्होंने आगे कहा कि त्योहारों के दौरान चोरी, छिनतई और अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए गश्ती दलों को सक्रिय कर दिया गया है। इसके साथ ही, भीड़भाड़ वाले इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी पुलिस सतर्क है। ट्रैफिक पुलिस को विशेष निर्देश दिए गए हैं ताकि शहर में जाम की स्थिति न बने और लोग आसानी से आवागमन कर सकें। पटना पुलिस ने नागरिकों से भी सजग रहने की अपील की है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम या नजदीकी थाना को देने को कहा गया है, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बिहार में सिलेंडर ब्लास्ट की घटना में एक ही परिवार के 6 लोग झुलसे, एक की हालत गंभीर

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुस्ता पंचायत के सुस्ता गांव में शुक्रवार सुबह एक घर में गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में एक ही परिवार के छह लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिनमें से एक की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, रामजी पासवान के घर में सुबह-सुबह खाना बनाने की तैयारी चल रही थी। उन्होंने नया गैस सिलेंडर भरवा कर लाया था। जैसे ही सिलेंडर को चूल्हे से जोड़कर आग जलाने की कोशिश की गई, वैसे ही जोरदार धमाका हो गया। सिलेंडर फटते ही रसोई में भयंकर आग लग गई, जिसकी चपेट में परिवार के सभी सदस्य आ गए। घायलों में रामजी पासवान, बिनोद पासवान, रिंकू देवी और तीन बच्चे–गौतम, मनीष और ज्योति शामिल हैं। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की दीवारें और खिड़कियां भी हिल गईं। पीड़ितों की चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग मौके पर दौड़े। घटना की सूचना मिलते ही सदर थानाध्यक्ष अस्मित कुमार पुलिस बल और अग्निशमन विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने रसोई में लगी आग पर काबू पाया। सभी घायलों को इलाज के लिए पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामजी पासवान के घर में सुबह-सुबह खाना बनाने की तैयारी थी. उन्होंने नया गैस सिलेंडर भरवा कर लाया था. शुक्रवार सुबह जैसे ही सिलेंडर को चूल्हे से जोड़ कर आग जलाने की कोशिश की गई वैसे ही अचानक जोरदार धमाका हुआ. सिलेंडर ब्लास्ट होते ही रसोई में भयावह आग लग गई, जिससे परिवार के सभी लोग इसकी चपेट में आ गए. इस हादसे में परिवार के कुल 6 लोग बुरी तरह जख्मी हो गए हैं. इसमें परिवार के रामजी पासवान, बिनोद पासवान, रिंकू देवी और तीन बच्चे गौतम, मनीष, ज्योति शामिल हैं. यह धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की दीवारें और खिड़कियां भी हिल गई. पीड़ितों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण दौड़े।

बिहार के तापमान में गिरावट लगातार जारी, लोगों को झेलनी होगी कड़ाके की सर्दी

एजेंसी। पटना

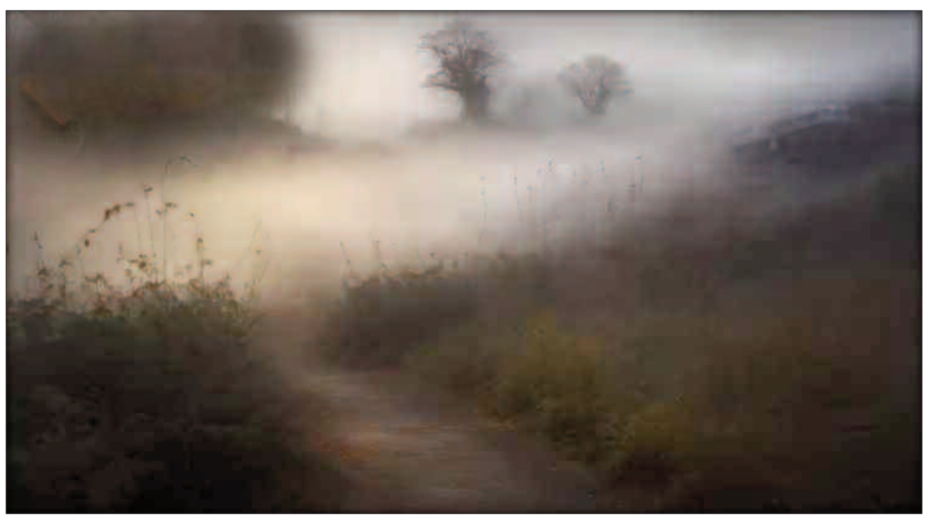

बिहार में मौसम तेजी से बदल रहा, सुबह-शाम ठंडक में इजाफा, क्टऊके अनुसार इस दिन से सर्दी में तेजी से बढ़ोतरी होगी.बिहार में अक्टूबर के मध्य तक पहुंचते ही मौसम में बदलाव दिखना शुरू हो गया है। उत्तरी दिशा से आने वाली ठंडी हवाओं के प्रभाव से रात्रिकालीन और प्रातःकालीन तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। पटना सहित अधिकांश जिलों में सुबह और शाम के समय हल्की सिहरन महसूस हो रही है, जबकि दोपहर में धूप के साथ उमस का असर बना हुआ है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 17 अक्टूबर को राज्य का अधिकतम तापमान 28-30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 20-22 डिग्री तक गिर सकता है। यह प्रवृत्ति अगले कुछ दिनों तक जारी रहने की संभावना है और सर्दी की शुरूआती दस्तक का संकेत देती है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि बिहार के कुछ हिस्सों, विशेष रूप से उत्तर और मध्य जिलों में हल्का कोहरा या धुंध छाने की संभावना है। पटना में आज सुबह धूप खिलने के साथ हल्के बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन दोपहर तक आसमान साफ हो जाएगा। हवा की गति 5-10 किमी/घंटा के बीच रहने से ठंडक का प्रभाव बढेगा। क्टऊके पूवार्नुमान के मुताबिक ज्यादातर क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहेगा। पश्चिम चंपारण, मुजफ्फरपुर और गया जैसे जिलों में भी समान स्थिति रहेगी, जहां न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की कमी देखी गई है।वायु गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। मानसून के बाद एयर क्वालिटी इंडेक्स में वृद्धि हो रही है जो अब 100-150 के दायरे में पहुंच गया है। पटना में वर्तमान अदक लगभग 135-170 के बीच दर्ज किया गया है जो ढट2.5 के उच्च स्तर के कारण 'अस्वास्थ्यकर' श्रेणी में आता है। यह गिरावट वाहनों के धुएं और औद्योगिक गतिविधियों से जुड़ी है। अगले सप्ताह में तापमान में और गिरावट की संभावना है, जिसमें अधिकतम तापमान 28-31 डिग्री और न्यूनतम 18-20 डिग्री तक रह सकता है। नवंबर की शुरूआत तक ठंडक तीव्र होने की चेतावनी जारी की गई है। किसानों को रबी फसलों की तैयारी में सावधानी बरतने और स्वास्थ्य विभाग ने मास्क व हाइड्रेशन पर जोर दिया है।

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर ईसी की सख्त का असर, वाहन जांच के दौरान 50 लाख जब्त

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सख्त निगरानी के बीच भोजपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गाड़ी से करीब 50 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। यह जब्ती शुक्रवार शाम नगर थाना क्षेत्र के गांगी स्थित एसएसटी (स्टेटिक सर्विलांस टीम) द्वारा की गई। एसपी राज ने जानकारी देते हुए बताया कि गांगी चौक पर मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध वाहन को रोका गया, जिसमें भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। बताया जा रहा है कि जब्त किए गए पैसे किसी हार्डवेयर व्यवसायी से जुड़े हो सकते हैं, हालांकि इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयकर विभाग की टीम भी जांच में जुट गई है। चुनावी आचार संहिता लागू होने के बाद नकदी के लेन-देन पर चुनाव आयोग द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह के अवैध धन का चुनाव में इस्तेमाल न हो सके।

सुभाषितम्

साधारण और असाधारण व्यक्ति के बीच का अंतर थोड़ा सा अतिरिक्त है यही उस व्यक्ति को असाधारण बनाता है। -अज्ञात

ट्रंप की सनक से जल्द ही दिवालिया हो सकता है अमेरिका

प्रथम एवं द्वितीय युद्ध के बाद से सारी दुनिया के देशों का जो विश्वास अमेरिका के ऊपर बढ़ा था। सभी देशों के राजाओं, लोकतांत्रिक देश, यहां तक कि कम्युनिस्ट देशों ने भी पिछले 100 वर्षों में अमेरिका में सोना जमा करके अमेरिका से बांड खरीदे थे। अमेरिका के बांड की विश्वसनीयता थी। जिसे दुनिया के सभी देश स्वीकार करते थे। पिछले 80 वर्षों से अमेरिका मे बांड और अमेरिकी डॉलर जमा करके बांड खरीदते रहे। व्यापार की जरूरत में लेनदेन को पूरा करने के लिए वैश्विक व्यापार के रूप में डॉलर मुद्रा को सारी दुनिया ने स्वीकार कर लिया था। पिछले तीन दशक मे जिस तरह से अमेरिका ने समय-समय पर अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया। जिन देशों ने अमेरिका की बात नहीं मानी। उन पर प्रतिबंध लगाया, डॉलर के कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिया। इसका सबसे बड़ा शिकार सबसे पहले इराक हुआ। जिसने डॉलर मुद्रा से व्यापार करने से मना किया था। उसके ऊपर अमेरिका ने रासायनिक हथियारों का आरोप लगाकर उसके खिलाफ युद्ध छेड़ा। उसे पूरी तरह से बर्बाद किया। वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी। उसके बाद इराक पर अमेरिका ने ईरान के सहयोग से कब्जा कर लिया था। आज वहीं ईरान अमेरिका के निशाने पर है। बांटो और राज करो की नीति अंग्रेजों के लिए कोई नई नही है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जिस तरह के हालात बने थे। वैश्विक स्तर की संस्थाओं का गठन हुआ था। संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में रूस चीन और अमेरिका स्थाई सदस्य के रूप में शामिल हुए। दुनिया ने इस पर विश्वास किया। सारी दुनिया के देशों को उसका सदस्य बनाया गया। वैश्विक संस्थाओं ने वैश्विक व्यापार और वैश्विक लेनदेन को लेकर डॉलर मुद्रा से सारी दुनिया आश्वस्त हुई। जिसके कारण सारी दुनिया का सोना अमेरिका में इकट्ठा होने लगा। उसके बदले दुनिया के सभी देश और कारोबारी अमेरिका के बांड को खरीदने लगे।अपने- अपने देश में विदेशी करेंसी के रूप में डॉलर बड़ी मात्रा में जमा करने लगे। जिसके कारण पूरी दुनिया का कारोबार डॉलर में होने लगा। दुनिया के सभी देश डॉलर में ही अपनी चीजों के दाम आज भी बताते हैं।उसी के अनुसार लेनदेन करते हैं। जिसके कारण अमेरिका स्वयंभू बन गया। सोवियत रूस के टूटने के बाद सारी दुनिया में अमेरिका की दादागिरी चलने लगी। रही सही कसर आर्थिक व्यापार संधि ने पूरी कर दी। वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में अमेरिकी डॉलर में होने लगा। अमेरिका के पास दुनिया का 60 फीसदी सोना जमा हो गया। सोने के बदले अमेरिका ने डॉलर जारी किए। जिसके कारण अमेरिका की ताकत धीरे-धीरे अहंकार में बदलने लगी। पिछले दो दशक में जो भी देश अमेरिका की बात को नहीं मानता है।उसकी डॉलर मुद्रा को चुनौती देने का साहस दिखाता है। उसे बर्बाद करने पर अमेरिका तुल जाता है। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने, उसके बाद उन्होंने टैरिफ को लेकर एक नया युद्ध शुरू कर दिया। ट्रंप के इस काल में जो मनमानी की जा रही है,उसको लेकर सारी दुनिया के देशों मे पहिले अमेरिका के प्रति जो विश्वास था। वह विश्वास बड़ी तेजी के साथ खत्म होता चला जा रहा है। चीन ने बड़ी मात्रा में अपने बांड भुना लिये हैं। जमा सोना वापस बुलाना शुरू कर दिया है। भारत ने भी अपना सोना वापस बुला लिया है। हाल ही में रूस की बहुत बड़ी अमेरिका में जमा राशि को अमेरिका ने जब्त कर लिया है। रूस के कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिया। रूस और यूक्रेन के युद्ध को लेकर लगातार रुस को धमकी दी जा रही है। पिछले 9 महीने के ट्रंप प्रशासन के निर्णय से सारी दुनिया के देश परेशान और भयाक्रांत हैं। पहले यूरोपीय देशों ने डालर को लेकर बगावत शुरू की थी। वह यूरोपीय मुद्रा चलन में लाये। यह देश अमेरिका के समर्थित थे। अमेरिका ने इनसे लड़ाई तो लड़ी, लेकिन यह दोस्ताना लड़ाई थी। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद, ट्रंप ने जिस तरह के निर्णय लिए हैं। उससे सारी दुनिया हैरान और परेशान है।

चिंतन-मनन

दया करने वालों की जय-जयकार होती है

हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने के पीछे व्यवहारिकता एवं मानवीय मूल्यों को भूलता जा रहा है। रास्ते में अगर कोई मजबूर व्यक्ति दिख जाए तो कोई बेबसी प्रकट करने के लिए दो पल रूक जाए यही बड़ी बात होती है। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो किसी के लिए अपना एक पल और एक रुपए तक खर्च करने में कंजूसी करते हैं। शायद इसलिए कि उन्हें लगता है, भला पीड़ित व्यक्ति उनका क्या नाता है। लेकिन ऐसा सोचने से पहले यह शब्द जरूर याद करना चाहिए कि वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को अपनाने वाला हम इस देश ने संसार को दिया है जिसका अर्थ है वसुधा यानी धरती पर रहने वाला हर व्यक्ति हमारा कुटुम्ब है। अगर विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण अथवा अन्य कोई भी पुराण उठाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी मनुष्य मनु की संतान हैं। इस नाते हम सभी मनुष्य एक दूसरे के रिश्तेदार हैं। इस नाते हम सभी को अपने रिश्तेदारों की सहायता करनी चाहिए यही हमारा धर्म है। धर्म ग्रंथों में कहा भी गया है कि दया धर्म का मूल है। इसलिए हर व्यक्ति को बिना किसी लालच और स्वार्थ के जरूरत के समय आगे बढ़कर लोगों की मदद करनी चाहिए। जो ऐसा करते हैं उनका जयजयकार समाज ही नहीं ईश्वर भी करता है। दया करने वाला व्यक्ति कठिन समय आने पर भी अपना गुण नहीं त्यागता है। इसी का उदाहरण है मुगल बादशाह दारा। दारा को औरंगजेब ने बंदी बना लिया। बंदी बना दारा जब शहर के बीच से गुजर रहा था तो उसकी स्थिति देखकर लोग तरस खा रहे थे लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। एक फकीर ने दारा की स्थिति को देखकर कहा कि, दारा तू जब भी हाथी पर बैठकर इस रास्ते जाता था तो मेरी झोली भरता था। आज क्या फकीर की झोली खाली रहेगी। दारा ने नजर उठाकर उस फकीर की ओर देखा और अपने शरीर पर पड़ा दुशाला उठाकर फकीर की ओर फेंक दिया।

धनतेरस धन के भौतिक एवं आध्यात्मिक समन्वय का पर्व

- ललित गर्ग

धनतेरस का पर्व पंच दिवसीय दीपोत्सव की पवित्र श्रृंखला का आरंभिक द्वार है। यह केवल सोना-चांदी, वस्त्र या बर्तन खरीदने का शुभ दिन नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी सोच को पुनर्संतुलित करने का अवसर है। भारतीय संस्कृति में धन को सदैव देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है, परंतु यह पूजन केवल भौतिक संपदा का नहीं, बल्कि धन के नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक उपयोग का भी प्रतीक है। ऋषि-मुनियों ने धन को केवल मुद्रा नहीं, बल्कि एक ऊर्जा माना है। उपनिषदों में कहा गया है-धनं मूलं सर्वेषां साधनानां, अर्थात धन सभी साधनों का मूल है, परंतु वही धन शुभ है जो धर्म-संयम से अर्जित और लोककल्याण में नियोजित हो। धनतेरस हमें याद दिलाता है कि धन केवल संग्रह का नहीं, उपयोग का विषय है। धन का सही उपयोग ही उसे लक्ष्मी बनाता है, अन्यथा वह अलक्ष्मी-अशांति और विषमता का कारण बन जाता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाया जाता है। इस तिथि को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन बर्तन, सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का जनक माना जाता है। ऐसे में यह दिन धन्वंतरि को समर्पित किया गया है। भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य को सबसे बड़ा धन कहा गया है। भगवान धन्वंतरि को भगवान विष्णु का अंश माना गया है, जिन्होंने मानव समाज को चिकित्सा विज्ञान (आयुर्वेद) का ज्ञान दिया। इसी कारण धनतेरस के दिन देशभर में वैद्य समाज भगवान धन्वंतरि जयंती के रूप में उनकी पूजा करता है। धनतेरस का ऐतिहासिक महत्व समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ा है, जब भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए इसे धनत्रयोदशी भी कहते हैं। यह त्योहार भगवान धन्वंतरि को समर्पित है, जिन्हें आयुर्वेद और चिकित्सा का देवता माना जाता है, और धन एवं समृद्धि के देवता भगवान कुबेर की भी पूजा की जाती है। भारत सरकार ने धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसी के साथ इस दिन यम दीपक जलाने का भी विधान है। जिसे दीपदान भी कहा जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार, यमराज से अपनी रक्षा करने के लिए इस दिन यमदीपान किया जाता है। एक कथा के अनुसार, एक राजा के पुत्र को साँप के काटने से मृत्यु होने की भविष्यवाणी थी, जिसे उसकी पत्नी ने दीप और सोने-चाँदी के ढेर लगाकर यमराज को दूर रखने में सफल हुई। जैन आगम में धनतेरस को ध्यान तेरस या ध्यान तेरस भी कहते हैं। प्राचीन भारत में धन का वितरण और उपयोग धर्म और नीति के साथ जुड़ा हुआ था। व्यापारी लाभ में भी लोक-लाभ देखते थे। राजा अपने धन को जनकल्याण, सिंचाई, शिक्षा और सुरक्षा में लगाते थे। किन्तु आधुनिक युग में, विशेषतः पूंजीवादी व्यवस्था के प्रसार के बाद, धन का स्वरूप विकृत हुआ है। धन साधन से लक्ष्य बन गया है। इसके परिणामस्वरूप समाज में अमीरी-गरीबी की खाई, शोषण, और भ्रष्टाचार बढ़ा है। आज एक ओर अरबपतियों की गिनती बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग रोटी और दवा के अभाव में जीवन गुजार रहे हैं। धनतेरस का पर्व इस विडंबना पर आत्ममंथन का अवसर है। यह हमें पुकारता है कि हम धन को केवल अपनी तिजोरी का नहीं, बल्कि समाज की समृद्धि का माध्यम बनाएं। लोकमान्यता के अनुसार यह भी कहा जाता है कि इस दिन धन (वस्तु) खरीदने से उसमें तेरह गुणा वृद्धि होती है। इस अवसर पर लोग धनियाँ के बीज खरीद कर भी घर में रखते हैं। दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं। धनतेरस के दिन चाँदी खरीदने की भी प्रथा है, चांदी शुद्धता की प्रतीक है यहीं शुद्धता इंसानी जीवन में आये, यही इस पर्व का उद्घोष है। महात्मा गांधी ने कहा था-पैसा अपने आप में बुरा नहीं है, परंतु जब वह मनुष्य का स्वामी बन जाता है, तब वह विनाश का कारण बनता है। धनतेरस का सच्चा संदेश यही है-धन का स्वामी बनो, उसका दास नहीं। धन के प्रति सकारात्मक दृष्टि का अर्थ है उसे साधना, सेवा और संस्कार से जोड़ना। आज आवश्यकता है कि हम धन को साझा समृद्धि, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय करुणा के उपकरण के रूप में देखें। आज विश्व अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती समान अवसरों का अभाव है। धनतेरस का यह अवसर सरकारों को भी यह संदेश देता है कि वे विकास के लिए धन का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित करें। राजकोषीय नीतियाँ केवल अमीर वर्ग के लाभ के लिए नहीं, बल्कि गरीबों के सशक्तिकरण एवं कल्याण के लिए हों। धन की प्रवाह प्रणाली में नैतिकता, पारदर्शिता और संवेदना का समावेश आवश्यक है। आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने भी धन के प्रति एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था। उन्होंने भगवान महावीर के आर्थिक दर्शन को आधुनिक संदर्भों में व्याख्यायित करते हुए महावीर का अर्थशास्त्र नामक एक महत्वपूर्ण पुस्तक लिखी। आचार्य महाप्रज्ञ ने स्पष्ट किया कि धन का अर्जन और उपयोग दोनों ही अहिंसक, नैतिक और संयमित होने चाहिए। उनके अनुसार धन तभी सार्थक है जब वह आत्मविकास, समाजकल्याण और न्यायपूर्ण व्यवस्था का साधन बने। उन्होंने महावीर के अर्थशास्त्र में बताया कि धन की मयार्दा उसका त्याग नहीं, उसका संयम है। यह विचार धनतेरस के मूल भाव को ही पुष्ट करता है कि धन को नकारा नहीं जाए, बल्कि उसे लोकमंगल में प्रवाहित किया जाए। धनतेरस का अर्थ केवल भौतिक संपत्ति का नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, सद्गुण और आत्मबल का भी प्रतीक है। आयुर्वेद में इसी दिन धन्वंतरि जयंती भी मनाई जाती है, जो चिकित्सा और स्वास्थ्य के देवता हैं। इस परंपरा में धन का अर्थ केवल पैसा नहीं, बल्कि आरोग्य, अन्न, शिक्षा और शांति भी है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है कि धन और धर्म का संवाद पुनः स्थापित हो। धर्म के बिना धन अंधा है, और धन के बिना धर्म असहाय। धनतेरस हमें सिखाता है कि धन का अर्जन सत्य मार्ग से हो और उसका उपभोग सेवा मार्ग पर हो। आचार्य तुलसी ने अर्जन के साथ विसर्जन का सूत्र दिया, यानि अर्जन के साथ जनकल्याण के लिये विसर्जन का क्रम चले। मनुस्मृति में कहा गया है-ह्धनं धर्मेण संचिनुयात्ह्, अर्थात धन का संचय धर्म के मार्ग से ही किया जाना चाहिए। धनतेरस केवल सोना-चांदी खरीदने का दिन नहीं, बल्कि धन की शुद्धता और सदुपयोग की तपश्चरण का पर्व है। इस तरह से धनतेरस का पर्व केवल धन प्राप्ति का नहीं बल्कि आरोग्य, आयु और समृद्धि की कामना का पर्व है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि असली संपत्ति हमारा स्वास्थ्य है। इसलिए इस दिन की पूजा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी है, बल्कि जीवन के संतुलन और सुख-शांति का भी प्रतीक है। आज जब समाज में धन के कारण विभाजन, भ्रष्टाचार और अन्याय बढ़ रहे हैं, तब धनतेरस हमें प्रेरित करता है-धन को दिव्यता में रूपांतरित करने की। यह पर्व हमें पुकारता है कि हम धन के प्रति अपनी दृष्टि बदलें-धन को नकारें नहीं, बल्कि उसे साकार करें; धन से मोह न रखें, परंतु उसे लोकमंगल में प्रवाहित करें। जब धन का प्रवाह धर्म के संग बहता है, तभी सच्चा दीपोत्सव जगमगाता है-अंतर में भी, समाज में भी, और मानवता में भी।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सत्ता रणनीति और जाति की नई बिसात

- विनोद कुमार सिंह

दो दशक बाद बिहार में सत्ता समीकरणों की नई पटकथाह्छोटे दलों के सामने बड़े खिलाड़ी नतमस्तक,नीतीश की पकड़ ढीली,बीजेपी की चालें गहरी बिहार का यह पहला चुनाव होगा,जब लगातार बीस वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद भी बीजेपी और जेडीयू - दोनों ही अपने अब तक के सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही हैं। आप को बता दे कि सन 2003 में जदयू की स्थापना के बाद पार्टी ने 2005 में 138 सीटों पर,2010 में 141 सीटों पर,2015 में 101सीटों पर(राजद के साथ गठबंधन में),और 2020 में 115 सीटों पर बीजेपी के साथ चुनाव लड़ा था,लेकिन 2025 में यह संख्या घटकर करीब 84 सीटों तक सीमित रह गई है।यानी 20 वर्षों के शासन के बाद भी नीतीश कुमार की जदयू का सीट शेयरिंग अनुपात करीब 27% घट गया है।दूसरी ओर, बीजेपी जैसी राष्ट्रीय पार्टी को भी अपने सहयोगी दलों के दबाव में सीटों का त्याग करना पड़ा है।2005 में वह 101 सीटों, 2010 में 102, 2015 में जब नीतीश उनके साथ नहीं थे तो 157 सीटों पर उतरी,2020 में 110 सीटों पर और अब 2025 में फिर घटकर 101 सीटों पर आ गई है। येआंकडा दिखाता है कि सत्ता में साझेदारी का अनुपात कम होने के बावजूद,बिहार की राजनीति में जाति और क्षेत्रीय समीकरण आज भी निर्णायक हैं।बिहार की राजनीति का यह दिलचस्प पहलू है कि यहाँ राष्ट्रीय पार्टियाँ जातीय समीकरणों के आगे झुकती रही हैं।बीजेपी और जेडीयू को इस बार भी चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा(आरएलएम)और मुकेश सहनी (वीआईपी)जैसे छोटे लेकिन जाति- आधारित दलों से समझौता करना पड़ा है।इन सभी दलों ने अपनी-अपनी जातियों को राजनीतिक रूप से संगठित कर,एक ऐसा वोट बैंक बना लिया है जिसमें राष्ट्रीय पार्टियाँ सेंध नहीं लगा पाईं।यही कारण है कि बीजेपी और जेडीयू जैसी बड़ी पार्टियाँ इन्हें साथ रखे बिना सत्ता तक पहुँचने की कल्पना भी नहीं कर सकतीं।1990 के दशक में लालू प्रसाद यादव ने ह्जाति ही पहचान हैह् का जो नारा दिया था,उसने बिहार की राजनीति की दिशा ही बदल दी थी।आज भी बिहार में वही जातीय गणित सत्ता की चाबी तय करता है।बस चेहरे बदल गए हैं, लेकिन जाति का समीकरण जस का तस कायम है।1995 के बाद से बिहार की राजनीति में जो स्थायी पैटर्न उभरकर आया है,यहाँ मुकाबला दो दलों के बीच नहीं बल्कि दो गठबंधनों के बीच होता है।2020 के विधानसभा चुनाव के नतीजे इसका प्रमाण हैं - राजद को मिले 23.1% वोट,भाजपा को 19.5%,जदयू को 15.4%, कांग्रेस को 9.5% वोट,जबकि छोटे दलों ने मिलकर 23.9% वोट बटोरे।यह आँकड़ा बताता है कि छोटे दल भले अकेले सत्ता में न आएँ,लेकिन बड़े दलों का खेल जरूर बिगाड़ देते हैं।वे बिखरे हुए वोटों को जोड़कर किसी गठबंधन को बढ़त दिला सकते हैं।यही वजह है कि बिहार की राजनीति में छोटे क्षेत्रीय दल ह्किंगमेकरह् बन चुके हैं।छोटे दल,बड़ी भूमिका-जाति के गणित से सत्ता की रचना चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) दलितों और विशेषकर पासवान समुदाय की राजनीतिक आवाज है।जीतन राम मांझी की हम (हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा) मुसहर और अनुसूचित जातियों के बीच प्रभाव रखती है। उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम (राष्ट्रीय लोक जनशक्तिमोर्चा) कोइरी- कुशवाहा वर्ग की आवाज है,तो मुकेश सहनी की वीआईपी निषाद समाज का प्रतिनिधित्व करती है। इन चारों नेताओं ने अपनी जातियों को राजनीतिक चेतना दी,और यही चेतना अब गठबंधन की अनिवार्यता बन गई है।बीजेपी और जेडीयू के रणनीतिकारों को यह पता है कि बिना इन जातीय दलों के,वोटों का अंकगणित जीत में तब्दील नहीं हो सकता।बीजेपी ने इस बार बहुत खामोशी और चालाकी से बिहार में अपनी राजनीतिक बिसात बिछाई है।उसने नीतीश कुमार को छह इंच छोटा कर दिया -यानी जदयू की सीटें घटाईं,और अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया कि वे दो- तीन सीटों से ज्यादा न जीत पाएं, ताकि बाद में उनके साथ समझौता आसान हो।बीजेपी ने संजय झा जैसे नेताओं के जरिए जदयू में सेंध भी लगा दी है।अब स्थिति यह है कि उम्मीदवार चयन में भी बीजेपी का अंतिम फैसला होगा।यानी चुनाव के बाद अगर जेडीयू सत्ता में रहती भी है,तो उसका नियंत्रण नीतीश कुमार के नहीं,बल्कि बीजेपी के हाथों में होगा।नीतीश के पास तब दल बदलने की भी हैसियत नहीं बचेगी, क्योंकि उनके अधिकांश सांसद पहले से ही बीजेपी के संपर्क में बताए जाते हैं।यहाँ तक कि केंद्र सरकार पर भी नीतीश का कोई दबाव नहीं रह जाएगा।मोदी के हनुमान या नीतीश के शत्रु बीजेपी ने इस चुनाव में चिराग पासवान को 29 सीटें दी हैं राजनीतिक सूत्रों के अनुसार इनमें से 8 से 10 उम्मीदवार बीजेपी के अपने होंगे,जो एलजेपी के चुनाव- चिह्न पर लड़ेंगे।यानी चिराग के कंधे पर बैठकर बीजेपी अपनी चाल चल रही है। चुनाव के बाद वही एलजेपी के टिकट वाले विधायक बीजेपी के पाले में जा सकते हैं,जिससे नीतीश कुमार की स्थिति कमजोर और बीजेपी की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी मजबूत हो जाएगी। यह ठीक वैसा ही परिदृश्य होगा जैसा महाराष्ट्र में शिंदे-बालासाहेब गुट के उभार के समय हुआ था।

विश्व को दिशा देने में सक्षम है ब्रह्माकुमारीज

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

चंडीगढ़ में ब्रह्माकुमारीज के नव-निर्मित ग्लोबल डिवाइन लाइट हाउस का उद्घाटन उल्लास और दिव्यता के वातावरण में संपन्न हुआ। विश्वास जताया गया कि नवनिर्मित आध्यात्मिक केंद्र साधकों की आत्मिक जागरूकता, शांति और सकारात्मक परिवर्तन का द्वार सिद्ध होगा। इस कार्यक्रम की शुरूआत शोभायात्रा के साथ हुई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं, गणमान्य अतिथि और विभिन्न राज्यों के ब्रह्माकुमारी केंद्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।कार्यक्रम में रुड़की के वरिष्ठ पत्रकार अरुण नैथानी को उनकी आध्यात्मिक सोच व सकारात्मक लेखन के लिए सम्मानित किया गया।नैथानी चंडीगढ़ के राष्ट्रीय दैनिक ट्रिब्यून के सहायक सम्पादक है। हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में भाग लेकर नये भवन को आध्यात्मिक प्रकाश का स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान का यह शांति मिशन भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। यह केंद्र समाज में सकारात्मक सोच और नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना करेगा। संस्थान के माउंट आबू स्थिति मुख्यालय की चीफ मोहनी दीदी और जयंती दीदी ने अपने वर्चुअल संदेशों में नए केंद्र को सच्चे अर्थों में आत्मिक प्रकाश का स्रोत कहा और इसके माध्यम से समाज में प्रेम, शांति और करुणा के विस्तार की कामना की। संस्था की दिल्ली महिला विंग की चेयरपर्सन राजयोगिनी चक्रधारी दीदी ने कहा कि सेवा भाव और श्रेष्ठ संकल्पों से किया गया हर कार्य महान होता है। डिवाइन लाइट हाउस अंधकार में भी आशा की किरण बनकर चमकेगा। कार्यक्रम की आयोजक बी के पूनम ने भावपूर्ण स्वागत भाषण में कहा कि यह केंद्र उन साधकों के लिए एक दिव्य ऊर्जा केंद्र होगा, जो आत्मिक उन्नति और मन की शांति की खोज में हैं। यह स्थान कालांतर परमात्मा की याद में तपस्या का तीर्थ बन जाएगा। इस अवसर पर भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य संजय टंडन ने कहा कि भाग्य हमारे कर्मों से बनता है, संयोग से नहीं। यह केंद्र लोगों को अपने जीवन के सही उद्देश्य की ओर प्रेरित करेगा संस्था के मुख्यालय माउंट आबू से पहुंचे संस्था के राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉ शांतनु ने इस केंद्र को आत्मिक जागरण की नई शुरूआत बताया।उन्होंने समाज पर पड़ने वाले इसके प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि केंद्र में आध्यात्मिक जानकारी के साथ-साथ लोगों के जीवन में दिव्य परिवर्तन के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। बी के मेहरचंद ने कहा कि यह केंद्र आने वाली पीढ़ियों के लिए आध्यात्मिक शिक्षा, नैतिक मूल्यों और आंतरिक शक्ति का समर्पित मंच बनेगा।

आज का राशिफल

मेष आज धन लाभ के योग बनते हुए दिख रहे हैं। दिनभर कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

तुला इच्छा के विरुद्ध कार्य करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृषभ कोई शुभ समाचार मिल सकता है। इस दौरान आपके परिवार में भी हंसी-खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक दिन शुभ संकेत लेकर आया है। मंगल द्वादश भाव में होकर चंद्रमा से दशम योग बना रहें है।

मिथुन आज का दिन शुभ रहने वाला है। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन के चांस बनते दिख रहे हैं।

धनु सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। हालांकि शनि के प्रभाव से मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है।

कर्क आज संतान पक्ष की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। मित्रों के सहयोग से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मकर आज का दिन आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आया है।

सिंह आपको नए अवसर प्राप्त होंगे। अचानक धन लाभ का योग बनता हुआ दिख रहा है।

कुंभ कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती हैं। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी भागीदारी मिलेंगे।

कन्या कार्यक्षेत्र में अधिक परिश्रम करनी पड़ेगी और अंत में इसका परिणाम भी आपके लिए लाभदायक रहेगा।

मीन आज आपका दिन सामान्य परिणाम देने वाला रहेगा। धर्म-कर्म में आपकी आस्था बढ़ेगी।

विशेष

दोनों गठबंधनो में बबाल

बिहार के विधानसभा चुनाव को लेकर दोनों ही गठबंधन में जमकर जुतम-पैजार हो रही है। अभी तक एनडीए गठबंधन इंडिया गठबंधन पर निशाना साध रहा था। जैसे ही सीटों और टिकटों की घोषणा हुई।जो एनडीए गठबंधन अपने आप को एकजुट बता रहा था। उसी में सबसे बड़ी जूतम पेजार देखने को मिल रही है। इंडिया गठबंधन भी इससे अलग नहीं है। अब दोनों इस मामले में शांत हो गए हैं। सब बगावत को कंट्रोल करने में लग गए हैं। इंडिया गठबंधन के नेता मजा ले रहे हैं। दोनों गठबंधन की लड़ाई से जैन स्वराज पार्टी के प्रशांत किशोर उर्फ पीके को लगता है कि इस बार के हीरो वही रहेंगे।

तालिबान से क्या हासिल होगा

कुछ वर्षों पूर्व भाजपा के नेता तालिबान की बड़ी आलोचना करते थे। समय बदला अब वही तालिबानी भाजपा और मोदी सरकार के सबसे करीब आ गए हैं। हाल ही में तालिबान के विदेश मंत्री भारत आए थे। उनका लाल कालीन बिछाकर स्वागत किया गया। वह उत्तर प्रदेश भी गए।जो उनका विरोध करते थे। वही उनका स्वागत कर रहे थे। एक उपलब्धि जरूर भारत और भाजपा को होती हुई दिख रही है। तालिबान के विदेश मंत्री ने भारत आकर अमेरिका और पाकिस्तान को ललकारा है। जो काम भारत सरकार और भाजपा नेता नहीं कर पा रहे थे। उसे विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने कर दिखाया।पाकिस्तान की लड़ाई तालिबान के कंधे पर बैठकर भारत सरकार लड़ने जा रही है। आगे क्या होगा यह भगवान जाने।

कार्टून कोना

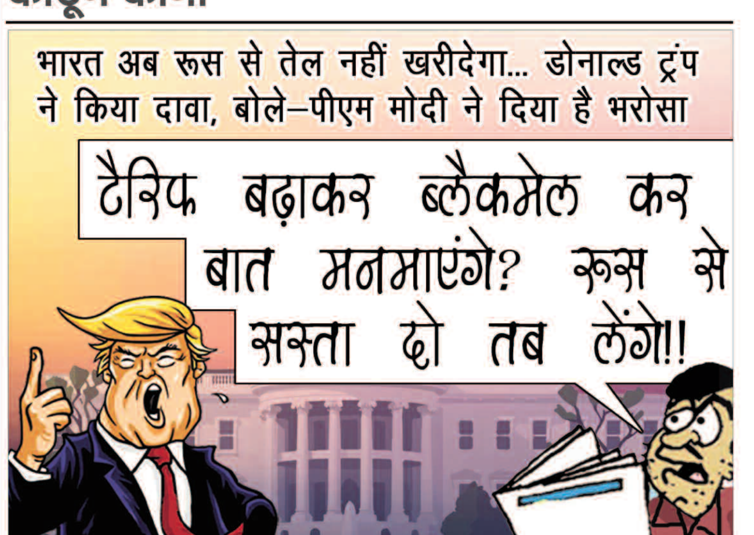

आज का इतिहास

1662: ह्युगनो विद्रोह समाप्त हुआ। 1685: फ्रांस नरेश लुई 14 वें के आदेश के बाद प्रोटेस्टेन्टों ने भागना शुरू किया। 1799: यार्क के ड्यूक ने अल्कामार हालैंड में फ्रांसीसियों के आगे हथियार डाल दिए। 1811: नेपोलियन बोनापार्ट ने अपने राज्य में ब्रिटिश सामानों की होली जलाने का आदेश दिया। 1855: अमरीका में मेक्सिकों से फ्रांसीसी फौजें हटाए जाने की मांग की। 1867: अमरीका ने अलास्का पर औपचारिक रूप से कब्जा किया। 1892: शिकागों और न्यूयार्क के बीच टेलीफोन सेवा शुरू हुई। 1925: फ्रांसीसी फौजों ने दमिश्क पर बमबारी की। 1931: महान अविष्कारक थामस अल्वा एडिसन का निधन। 1972: भारत के प्रथम बहुआयामी हैलीकॉप्टर एसए 315 ने परीक्षण उड़ान भरी। 1993: हैली के खिलाफ अमरीकी तेल प्रतिबंध प्रभावी हुआ।

दैनिक पंचांग

18 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

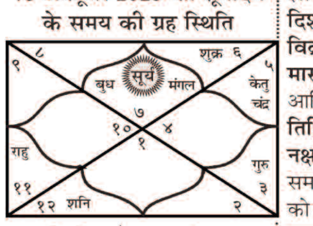

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.59 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	08.14 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.30 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.21 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	15.54 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.25 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.05 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.03 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कर्क	23.16 बजे से
		सिंह	01.32 बजे से
		कन्या	03.44 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 291 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 12.20 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 15.42 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 01.48 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 12.20 बजे तदनन्तर गर 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 09° 38' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872501 **जूलियन दिन** 2460966.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 25 **विशेष** धनतेरस, यम दीपम, प्रदोष व्रत, शनि त्रयोदशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

चतरा पुलिस ने 7 लाख रुपए की अफीम जब्त की, दो तस्कर गिरफ्तार

चतरा, एजेंसी। चतरा पुलिस ने अवैध अफीम तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 1 किलो 90 ग्राम अफीम बरामद हुई है, जिसे वे बिहार ले जाने की फिराक में थे। यह कार्रवाई हंटरगंज थाना क्षेत्र में की गई। जब्त अफीम की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 7 लाख रुपए बताई गई है। चतरा के पुलिस उपाधीक्षक संदीप सुमन ने बताया कि एसपी सुमित अग्रवाल को अवैध अफीम तस्करी के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, हंटरगंज के रास्ते अफीम की तस्करी की जानी थी।

इस सूचना के आधार पर, एसडीपीओ के मार्गदर्शन और बीडीओ की उपस्थिति में हंटरगंज थाना प्रभारी ने गोसाईडीह चेकपोस्ट पर नाकेबंदी की। वाहन चेकिंग के दौरान एक बाइक पर सवार दो संदिग्धों को रोका गया। तलाशी लेने पर राजकुमार गंझू के पास से 1.090 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान लावालौंग थाना क्षेत्र के जिरौन गांव निवासी प्रमेश्वर कुमार (20) और राजकुमार गंझू (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने अफीम के अलावा दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन और एक बाइक भी जब्त की है। दोनों तस्करों के खिलाफ हंटरगंज थाना में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कांड संख्या 178/25 दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पाकुड़ की नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ पुलिस ने नाबालिग से बलात्कार के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी साहिबगंज जिले के रांगा थाना क्षेत्र से हुई। आरोपी की पहचान मंजू मड़ैया उर्फ राजेश मड़ैया के रूप में हुई है। यह मामला पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत सिमलोंग ओपी क्षेत्र का है। 9 अक्टूबर को यहां हथियार के बल पर एक नाबालिग से दुष्कर्म की घटना हुई थी। इस संबंध में नाबालिग के एक रिश्तेदार ने सिमलोंग थाने में कांड संख्या 57/25 दर्ज कराया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसपी ने एसडीपीओ पाकुड़ के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया था। इस टीम में सिमलोंग ओपी प्रभारी अरविंद कुमार राय, सहायक अवर निरीक्षक मुकेश कुमार, मृत्युंजय कुमार पाठक, हवलदार रॉकी कच्छप, हेमलाल किस्कू और आरक्षी मणिभूषण हांसदा शामिल थे।

गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्य और गुप्तचरों की मदद से छानबीन शुरू की। गहन जांच और छापेमारी के बाद, पुलिस ने मुख्य अभियुक्त मंजू मड़ैया उर्फ राजेश मड़ैया को साहिबगंज जिले के रांगा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ दयानंद आजाद ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से नाबालिग के परिजनों ने राहत की सांस ली है।

धनबाद में कोयला लदे कंटेनर में लगी आग

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के पथरिया के पास गोविंदपुर-साहेबगंज मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया। राजगंज से कोयला लोड कर साहेबगंज की ओर जा रहे एक कंटेनर में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। चालक की सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना को टाला जा सका। कंटेनर में आग लगते ही चालक ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को करीब एक किलोमीटर आगे एक खाली जगह पर रोक दिया। इस त्वरित निर्णय से आग को फैलने से रोकने और बड़े नुकसान से बचने में मदद मिली।

इंजन से जोर की आवाज आई और धुआं निकलने लगा: चालक ने बताया कि गोविंदपुर पार करते ही खुदिया पुल के पास वाहन के इंजन से जोर की आवाज आई और धुआं निकलने लगा। उसने तुरंत गाड़ी को सुरक्षित स्थान पर खड़ा कर दिया और आग बुझाने के प्रयास में जुट गया। उसने गाड़ी में रखी बाल्टी से पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की।

आसपास के इलाके में बड़ी दुर्घटना हो सकती थी: इसी बीच स्थानीय लोगों की मदद से अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। अधिकारियों के अनुसार, यदि चालक ने समय रहते वाहन को नहीं रोका होता, तो कोयले से लदा ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो सकता था और आसपास के इलाके में बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

वित्त विभाग ने सभी विभागों से आवश्यक सूचनाएं मांगी

सरकारी कर्मियों के लिए राज्य इंप्लाइ इन्फॉरमेशन सिस्टम बना रही सरकार

रांची, एजेंसी। सरकारी कर्मियों के लिए राज्य सरकार इंप्लाइ इन्फॉरमेशन सिस्टम बना रही है। करीब दो लाख अधिकारियों और कर्मचारियों के सेवा काल की संपूर्ण जानकारियां, इसमें दर्ज होंगी। वित्त विभाग ने सभी विभागों को इस संबंध में पत्र भेजते हुए आवश्यक सूचनाएं मांगी हैं। सूचनाएं मिलने के बाद डीडीओ स्तर के बिल मैनेजमेंट सिस्टम में कर्मियों की ऑनलाइन दर्ज विवरणी को संशोधित किया जाएगा।

वित्त विभाग की उप सचिव ज्योति झा ने विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिवों भेजे पत्र में कहा है कि वित्त विभाग द्वारा इंप्लाइ इनफॉर्मेशन सिस्टम (ईआईएस) का विकास किया जा रहा है। इसके माध्यम से राज्य सरकार के कर्मियों के सेवा काल की संपूर्ण वित्तीय जानकारियों का लेखा-जोखा इसमें होगा। पे-स्केल, प्रामेशन, एसीपी, एमएसीपी, पेंशन और एडवांस आदि की जानकारी एक स्थान पर ही उपलब्ध होंगी।

मांगों पर निर्णय लेने में होगी सुविधा

वित्त विभाग की उप सचिव ने कहा है कि ईसीएस में सरकारी कर्मियों की संपूर्ण जानकारी होने से विभागों द्वारा कर्मियों के विभिन्न मांगों पर समुचित निर्णय लेने में सुविधा होगी। संबंधित कर्मी भी इससे अपडेट रहेंगे। इसके लिए आवश्यक है कि कर्मियों से संबंधित प्राथमिक जानकारियां डीडीओ स्तर के बिल मैनेजमेंट सिस्टम में डीडीओ द्वारा सही-सही दर्ज की जाएं।

एचआरएमएस के बाद भी जरूरत क्यों ?: एचआरएमएस होने के बाद भी इसकी जरूरत क्यों पड़ी के जवाब में वित्त विभाग के अधिकारी ने बताया कि एचआरएमएस में सर्विस इतिहास की पूरी जानकारी होती है। पर, इसमें फाइनेंशियल तथ्यों की जानकारी होगी। यह दर्ज होगा कि संबंधित कर्मचारी-अधिकारियों ने शुरू से लेकर अब तक कितना वेतनमान लिया है। एसीपी-एमएसीपी आदि की जानकारियां होंगी। कब इन्क्रीमेंट हुआ, कब प्रमोशन हुआ, जिससे फाइनेंशियल निर्णय लेने में सुविधा रहेगी।

ईसीएस के विकास का कार्य अभी प्रक्रियाधीन है। इसमें अभी समय लगेगा। अभी डाटा की मांग की गई है। बेसिक सूचना भी

रहेगी। सभी विभाग को पता होगा कि उसके कर्मचारी किस पे-स्केल में हैं। बजट बनाने में सुविधा होगी। पेंशन में भी कर्मचारियों और विभागों को सहूलियत होगी। यह सूचना कर्मचारियों के पास भी रहेगी। वह देख सकता है कि उसे कौन-कौन सी सुविधाएं मिलनी थीं और कौन-कौन मिली या नहीं मिली। इससे डीडीओ को भी लाभ मिलेगा।

गढ़वा में स्कूली छात्रा की मौत मामले में कार्रवाई, शिक्षिका का ट्रांसफर, जांच टीम भी गठित

गढ़वा, एजेंसी। जिले के बड़गड़ थाना क्षेत्र में एक छात्रा की मौत के मामले में शिक्षा विभाग ने कार्रवाई की है. आरोपी शिक्षिका का तबादला कर दिया गया है. पूरे मामले की जांच के लिए एक जांच टीम भी गठित की गई है. यह पूरी घटना बड़गड़ थाना क्षेत्र के परियोजना उच्च विद्यालय की है. आरोप है कि शिक्षिका सह प्रभारी प्रधानाध्यापिका की पिटाई से एक छात्रा की मौत हो गई.

छात्रा की मौत के बाद परिजनों ने बड़गड़ बाजार के हनुमान मंदिर चौक पर करीब चार घंटे तक सड़क जाम कर दिया. सांसद विष्णु दयाल राम के हस्तक्षेप और स्थानीय प्रशासन की सूझबूझ से शाम 5:15 बजे जाम समाप्त हुआ. बताया गया कि परिवार की मांग को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल की प्रभारी प्रधानाध्यापिका द्रौपदी मिंज को तत्काल प्रभाव से हटाकर शिक्षक अनिल कुमार चौधरी को प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाया गया. वहीं आरोपी शिक्षिका का तबादला रंका परियोजना विद्यालय में कर दिया है.

मामले की जांच के लिए एक जांच टीम का भी गठन किया गया है. शिक्षा विभाग ने विस्तृत जांच के लिए महिला बीईओ रंभा चौबे के नेतृत्व में चार सदस्यीय जांच टीम का गठन किया. जिम्मेदारी मिलने पर टीम ने स्कूल का दौरा कर जांच की.

वहीं उपायुक्त के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जॉन एफ. कैनेडी ने मामले की जांच के

लिए एक मेडिकल टीम गठित की. टीम की देखरेख में छात्रा के शव का पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया. जिला शिक्षा अधिकारी कैसर राजा ने बताया कि घटना की जांच के लिए चार सदस्यीय विभागीय जांच समिति गठित की गई है और उसे छात्रा की मौत से जुड़े तथ्यों की जांच कर चौबीस घंटे के भीतर अधोहस्ताक्षरी को जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है.

बता दें कि परिवार का आरोप है कि परियोजना प्लस टू हाई स्कूल, बड़गड़ की शिक्षिका द्रौपदी मिंज द्वारा की गई पिटाई के कारण छात्रा दिव्या कुमारी की मौत हो गई. परिवार का दावा है कि उनकी बेटी को केवल इसलिए पीटा गया क्योंकि वह स्कूल में जूते की बजाय चप्पल पहनकर आई थी. परिवार के अनुसार, साथियों के सामने पिटाई से दिव्या काफी आहत हो गई और वह कोमा में चली गई. जिसके बाद उसका बड़े से बड़े अस्पताल में इलाज कराया गया, लेकिन वह बच नहीं सकी और मंगलवार को उसकी मौत हो गई. मामले की जांच के लिए पुलिस के पास आवेदन भी दिया गया है.

गिरिडीह में ड्रोन से अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़:10,400 किलो जावा महुआ, 210 लीटर शराब जब्त

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के गावां थाना क्षेत्र में ड्रोन की मदद से अवैध शराब बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। संयुक्त छापेमारी के दौरान 10,400 किलोग्राम जावा महुआ और 210 लीटर अवैध चुलाई शराब जब्त की गई। इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह कार्रवाई सिजुवाई और ककड़ीयार गांव के घने जंगलों में की गई। पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम ने इन गुप्त अड्डों का पता लगाया। छापेमारी के दौरान शराब बनाने के उपकरण, भट्टियां और जावा महुआ को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

तीन आरोपियों के खिलाफ फरार अभियोग दर्ज किया गया: उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक रवि रंजन ने बताया कि संजय बेसरा, रणजीत साव और प्रकाश साव नामक तीन आरोपियों के खिलाफ फरार अभियोग दर्ज किया गया है। घने जंगलों में छिपे अड्डों की सटीक लोकेशन का पता लगाने में ड्रोन की भूमिका महत्वपूर्ण रही, जिसके सहयोग से यह सफल छापेमारी संभव हो सकी।

पुरानी डीपीआर के तहत ही तैयार किया जाएगा फ्लाईओवर

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर से सात मीटर व जमीन से 14 मीटर तक ऊंचा होगा हरमू रोड फ्लाईओवर

रांची, एजेंसी। रांची के लिए बहुप्रतीक्षित फोर लेन हरमू रोड फ्लाईओवर निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गई है। पुरानी डीपीआर के तहत पथ निर्माण विभाग के अधीन झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकार (साज) ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। टेंडर निकालने के बाद आए आवेदनों का स्क्रुटनी शुरू हो गई है। बहुत जल्द एजेंसी फाइनल करके इसका निर्माण कार्य शुरू किए जाने की संभावना है। नवंबर से दिसंबर तक इसका निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। यह फ्लाईओवर रातू रोड चौक पर रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर से सात मीटर और जमीन से कुल 14 मीटर ऊंचा होगा।

वीआईपी मूवमेंट के लिए होगा वैकल्पिक मार्ग: पहले एसीबी कार्यालय के पास रैंप केवल उतरने के लिए था। अब इसमें चढ़ने की भी व्यवस्था रहेगी। सहजानंद चौक में भी चढ़ने एवं उतरने, दोनों की सुविधा होगी।

वीआईपी मूवमेंट के लिए तय होगा वैकल्पिक मार्ग : फ्लाईओवर निर्माण के पूर्व वीआईपी मूवमेंट के लिए वैकल्पिक मार्ग भी तैयार किया जाएगा। वीआईपी वाहन मछली घर, राजभवन होते हुए जाकिर हुसैन पार्क के पास रातू रोड फ्लाईओवर पर चढ़ेंगे। आईटीआई इटकी रोड में उतरकर हेहल होते हुए भाजपा कार्यालय के समीप हरमू में इंट्री करके विधानसभा आदि क्षेत्रों में जाएंगे।

सीएम के सुझाव पर भी किया जा रहा विचार: कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुझाव दिया था कि इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि फ्लाईओवर का फायदा कैसे रातू रोड निवासियों को हो। इसको ध्यान में रखते हुए भविष्य में इसमें कुछ जरूरी एवं आवश्यक संशोधन किया जा सकता है। रातू रोड फ्लाईओवर में जक्शन बनाने का भी एक विकल्प तलाशा जा रहा था, मगर इससे जाम की स्थिति और रातू रोड चौराहा में अधिक तोड़-फोड़ की नौबत आ सकती है। इसलिए स्थगित कर दिया गया है। फिलहाल पुरानी डीपीआर पर ही काम आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है।

हजारीबाग जमीन घोटाला : एसीबी ने पूर्व सीओ शैलेश कुमार को किया गिरफ्तार, डीसी पर भी लटकी तलवार

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में सरकारी जमीन की अवैध खरीद-बिक्री से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में बुधवार को बड़ी कार्रवाई हुई। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को तत्कालीन सदर सीओ शैलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी रांची से की गई, जिसके बाद उन्हें हजारीबाग कोर्ट में पेश किया गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सुनवाई के उपरांत उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया है। आरोपित ने कोर्ट में स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया। बताया कि बीपी की शिकायत है। मेरा इलाज चल रहा है। लेकिन कोर्ट ने जेल में इलाज कराने की सलाह के साथ उन्हें जेल भेज दिया।

यह पूरा मामला तत्कालीन उपायुक्त विनय कुमार चौबे से जुड़ा हुआ है। उनके कार्यकाल के दौरान ही जमीन से जुड़ा यह खेल किया गया था। एसीबी अब मामले में तत्कालीन उपायुक्त को अभियुक्त बना सकती है।

ज्ञात हो कि इस प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण वाद संख्या 11/2025 के तहत कुल 73 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है, जिनमें से 68 नामजद हैं। मामला 25 सितंबर 2025 को दर्ज किया गया था।

फर्जी कागजात बनाकर अवैध तरीके से खरीद-बिक्री: आरोप है कि सरकारी भूमि भूदान, वन भूमि, गोचर, गैर मजरूवा आम एवं खास को कुछ भू-माफियाओं द्वारा फर्जी कागजात बनाकर अवैध तरीके से खरीद-बिक्री कर जमाबंदी करा लिया गया।

एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की धाराएं 420, 467, 468, 471, 120(बी) तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1) और 13(2) लगाई गई हैं। इस मामले में प्रमुख अभियुक्तों में तत्कालीन अंचल अधिकारी शैलेश कुमार, तत्कालीन अंचल अधिकारी अलका कुमारी, अंचल निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सिंह, राजस्व कर्मचारी राम प्रकाश चौधरी और संतोष कुमार वर्मा सहित कई अन्य चर्चित नाम शामिल हैं।

भाई की दुकान से 18 लाख नगद बरामद : गौरतलब है कि 11 सितंबर 2024 में भी एसीबी ने शैलेश कुमार के आवास और कार्यालय पर छापेमारी की थी, जिसमें गिरिडीह स्थित उनके भाई की दुकान से 18 लाख नगद बरामद हुए थे। उस दौरान वे हजारीबाग में एसडीओ थे।

बताया जा रहा है कि शैलेश कुमार ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के सरकारी गवाह के रूप में एक अन्य प्रकरण में भी शामिल हैं। इससे पहले इस घोटाले में विनय सिंह और विजय प्रताप सिंह को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

अलका कुमारी 7 अक्टूबर को गिरफ्तार: वहीं, अलका कुमारी को 7 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उन्होंने सरकारी गवाह बनने की सहमति दी और न्यायालय में धारा बीएनएस की धारा के तहत बयान दर्ज कराने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। इस मामले के सूचक एसीबी के पुलिस उपाधीक्षक सुमित सौरभ लकड़ा हैं। उन्होंने अपने बयान में बताया कि पत्रकार त्रिपुरारी सिंह द्वारा मुख्यमंत्री झारखंड को दी गई शिकायत के आधार पर यह मामला शुरू हुआ था। शिकायत में कहा गया था कि सरकारी जमीनों पर भूमाफिया अवैध कब्जा और बिक्री कर रहे हैं। एसीबी की टीम अब इस घोटाले में शामिल अन्य अभियुक्तों की भूमि दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच कराने की तैयारी में है। वहीं, न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि निर्धारित कर दी है।

गिरिडीह में जाली नोट गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार: 45 हजार के नकली नोट और बाइक बरामद

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह पुलिस ने बुधवार रात जाली नोट खपाने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 45 हजार रुपए के नकली नोट, एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर जमुआ थाना क्षेत्र में की गई। एसपी गिरिडीह को 15 अक्टूबर की रात लगभग 8 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि जमुआ थाना क्षेत्र के चितरडीह रोड में जाली नोट गिरोह सक्रिय है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खोरीमहुआ राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया।

पुलिस वाहन देखते ही भागने लगे: छापेमारी टीम ने चंदा मोड़ के पास सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने दो बाइक पर सवार चार युवकों को संदिग्ध अवस्था में देखा। पुलिस वाहन देखते ही वे भागने लगे, लेकिन सशस्त्र बल की सहायता से दो युवकों को पकड़ लिया गया, जबकि दो भागने में सफल रहे।

गिरफ्तार युवकों की पहचान बेंगाबाद थाना क्षेत्र के फुफंदी निवासी अभिषेक कुमार राणा और हीरोडीह थाना क्षेत्र के बेरिया निवासी नितीन कुमार के रूप में हुई है। भागे हुए दो आरोपियों के नाम योगेश मंडल और राज उर्फ राजेश मंडल बताए गए हैं, जो हिरोडीह थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जाली नोट को खपाने का काम स्वीकारा: तलाशी के दौरान अभिषेक कुमार राणा के पास से 45 हजार रुपए के जाली नोट का एक बंडल, एक मोबाइल फोन और यामाहा एफजेडएसबाइक बरामद की गई। नितीन कुमार के पास से भी एक मोबाइल फोन मिला। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे जाली नोट को विभिन्न स्थानों पर खपाने का काम करते हैं।

प्रदेश में एक महीने पहले ठंड की शुरुआत: सुबह और रात में बढ़ी सिहरन

रांची, एजेंसी। झारखंड में हाड़ जमाने वाली सर्दी पड़ सकती है। क्योंकि, इस बार हिमालय में जमकर बर्फबारी होगी। इसका असर झारखंड पर भी दिखेगा। झारखंड में अमूमन 15 नवंबर से सर्दी पड़ती है। लेकिन इस बार मानसून की वापसी के साथ ही ठंड ने दस्तक दे दी है। दिन ढलते ही तापमान में गिरावट आ रही है। रात में सिहरन बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार 18 अक्टूबर को आंशिक बादल छाए रहेंगे और मौसम शुष्क बना रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, इस माह के अंत तक पूरा राज्य ठंड के आगोश में आ जाएगा। नवंबर के दूसरे सप्ताह से ही कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। क्योंकि, यह वर्ष ला नीनो का है। ऐसे में अन्य साल के मुकाबले इस वर्ष ठंड अधिक पड़ेगी। इस बार हिमालय की बर्फबारी से राज्य का पारा गिरेगा।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि यह साल ला नीना का है। ला नीना एक तरह से शीत घटना है। जब पूर्वी प्रशांत महासागर क्षेत्र में जल का तापमान सामान्य की तुलना में कम हो जाता है तो ला नीना की घटना देखी जाती है। यह

प्रशांत महासागर की तह के तापमान के सामान्य से ठंडा होने की एक मौसमी घटना है। ला नीना की वजह से इस बार उत्तर, मध्य और पूर्वी भागों में औसत तापमान 3 से 4 डिग्री तक और गिर सकता है। इससे ठंड बढ़ेगी।

इधर, रांची सहित राज्यभर में मौसम का मिजाज बदलना शुरू हो गया है। सुबह में धूप खिलती है तो दोपहर में आसमान में बादल छा रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम बंगाल और झारखंड के ऊपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसका असर दिख रहा है। हालांकि, बारिश की संभावना नहीं है। अगले चार दिनों तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले 4 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। वहीं, अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में भी कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले 3 दिनों में इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि संभव है।

पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.7 डिग्री सेल्सियस गुमला में दर्ज किया गया।

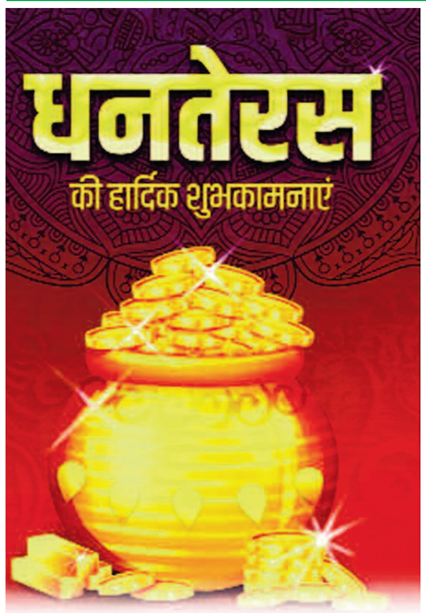

धनतेरस कब? पूजा, खरीदारी का शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में हर त्योहार और पर्व का अपना अलग महत्व है. धनतेरस का दिन हिंदू धर्म में विशेष माना गया है. इस दिन लक्ष्मी पूजा के साथ खरीदारी का विशेष महत्व होता है. इस दिन पूजा प्रदोष काल के दौरान की जाती है. प्रदोष काल सूर्यास्त के बाद प्रारम्भ होता है, जो लगभग ढाई घंटे तक रहता है. धनतेरस को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है.

धनतेरस का दिन धन्वंतरि त्रयोदशी या धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, जो आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरि का जन्म दिवस है. इस दिन यम दीपम भी जलाए जाते हैं. परिवार के किसी भी सदस्य की असामयिक मृत्यु से बचने के लिए मृत्यु के देवता यमराज के लिए घर के बाहर दीपक जलाया जाता है, जिसे यम दीपम कहा जाता है. यह धार्मिक संस्कार त्रयोदशी तिथि के दिन किया जाता है.

साल 2025 में धनतेरस कब?

साल 2025 में धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर, शनिवार के दिन पड़ेगा. इस दिन से पांच दिवसीय दिवाली पर्व की शुरुआत हो जाएगी.

प्रदोष काल – शाम 05 बजकर 48 मिनट से रात 08 बजकर 20 मिनट तक
वृषभ काल – शाम 07 बजकर 16 मिनट से रात 09 बजकर 11 मिनट तक
त्रयोदशी तिथि प्रारंभ – 18 अक्टूबर 2025, दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर
त्रयोदशी तिथि समाप्त – 19 अक्टूबर 2025, दोपहर 01 बजकर 51 मिनट पर

धनतेरस के दिन शुभ मुहूर्त में खरीदारी करने से धन और समृद्धि आती है. इस दिन सोना, चांदी, पीतल के बर्तन खरीदना बेहद शुभ माना जाता है. साथ ही इस दिन लोग अन्य शुभ वस्तुएं खरीद सकते हैं.

खरीदारी का शुभ मुहूर्त

इस दिन खरीदारी का पहला शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 49 मिनट से लेकर 9 बजकर 15 मिनट तक रहेगा.
खरीदारी का दूसरा शुभ मुहूर्त दोपहर 1 बजकर 32 मिनट से लेकर शाम 4 बजकर 23 मिनट तक रहेगा.

धनतेरस पर क्या खरीदें और क्या न खरीदें?

क्या खरीदें – चांदी/सोने के सिक्के, बर्तन, झाड़ू, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन या धातु से बनी चीजें।
क्या न खरीदें – कांच, एल्युमिनियम या लोहे के सामान, काली वस्तुएं या नुकीली चीजें (छुरी, कैंची आदि)।

धनतेरस पर बरसेगा धन अगर...

धनत्रयोदशी का पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व के नाम में ही धन है अर्थात इस दिन धनपति या अमीर बनने के लिए पूजा, पाठ और ज्योतिष उपाय किए जाते हैं। यदि आप भी चाहते हैं धन समृद्धि तो धन तेरस पर करें ये बड़े काम।

- **धनिया से दूर होगी आर्थिक परेशानी** : धन तेरस के दिन साबूत धनिया खरीदें और फिर उसकी पूजा करके उसे भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी के समक्ष अर्पित कर दें। इसके बाद अपनी मनोकामना बताकर कुछ धनिया बगीचे में बो दें और कुछ को लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से जल्द से जल्द आपकी आर्थिक परेशानी दूर होगी। ऐसा करने से धन का नुकसान भी नहीं होता है।
- **दीपदान से मिलेगी कर्ज से मुक्ति** : परिवार के सभी सदस्यों के घर आने और खाने-पीने के बाद सोते समय एक पुराने दीपक में सरसों का तेल डालकर उसे जलाया जाता है। फिर उसे घर में सभी जगह घुमाया जाता है और इसके बाद यह दीपक घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर नाली या कूड़े के ढेर के पास रख दिया जाता है। इसके बाद जल चढ़ा कर दीपदान करते समय यह मंत्र बोला जाता है-
मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यया सह।
त्रयोदश्यां दीपदानात्सूर्यजः प्रीतयामिति।।
- **बताशे और खीर का लगाएं भोग** : धनतेरस के दिन माता लक्ष्मी को बताशे और खीर का भोग लगाने से से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और इससे आपकी तिजोरी में कभी भी धन की कमी नहीं होगी।
- **हल्दी की गांठ से बढ़ेगा धन** : इस दिन कुछ खड़ी हल्दी खरीदना भी शुभ है। शुभ मुहूर्त देखकर बाजार से गांठ वाली पीली हल्दी अथवा काली हल्दी को घर लाएं। इस हल्दी को कोरे कपड़े पर रखकर स्थापित करें तथा षडोशपचार से पूजन करें। यह भी धन समृद्धि को बढ़ाने वाला उपाय है।
- **तिजोरी में रखें सुपारी** : धनतेरस की पूजा में भी सुपारी का प्रयोग किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, सुपारी को ब्रह्मदेव, वरूण देव, यमदेव और इंद्रदेव का प्रतीक माना जाता है। पूजा के बाद सुपारी को तिजोरी या अलमारी में रखना शुभ माना गया है। इससे आपके जीवन में कभी धन की कमी नहीं होगी और तिजोरी हमेशा धन से भारी रहेगी।

पूरे विधि-विधान से करें धनतेरस पूजा

धनतेरस केवल खरीदारी का नहीं, बल्कि परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और दीर्घायु के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने का पर्व है। आइए जानते हैं, पूरे विधि-विधान से धनतेरस पूजा कैसे करें, पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजन के लिए क्या-क्या सामग्री चाहिए?

धनतेरस, दीपावली से पहले मनाया जाने वाला पहला और अत्यंत शुभ पर्व है। यह दिन न सिर्फ खरीदारी के लिए विशेष होता है, बल्कि इस दिन की गई पूजा से घर में समृद्धि, स्वास्थ्य और सौभाग्य आता है। वर्ष 2025 में धनतेरस का पर्व शनिवार 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा की जाती है।

धनतेरस की पूजा विधि

घर और पूजा स्थान की सफाई करें – मुख्य द्वार और पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें और रंगोली बनाएं।
पूजा चौकी सजाएं – उत्तर-पूर्व दिशा में एक चौकी रखें, उस पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं।
कलश की स्थापना करें – एक तांबे या मिट्टी का कलश लें, उसमें गंगाजल और साफ पानी भरें, आम के पत्ते डालें और ऊपर नारियल रखें।
देवताओं की प्रतिमाएं रखें – भगवान धन्वंतरि, देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर और गणेश जी की मूर्तियाँ या चित्र स्थापित करें।
षोडशोपचार पूजा करें – हल्दी, कुमकुम, चंदन, अक्षत, फूल, दीप, धूप, मिठाई और दक्षिणा से पूजा करें।
दीपक जलाएं – पूजा के समय गाय के घी का बड़ा दीपक और 13 छोटे दीये जलाएं।
भोग और आरती करें – खील, बताशे, मेवे और मिठाइयों का भोग लगाएं, फिर आरती करें।

धनतेरस पूजा सामग्री की संपूर्ण सूची

- भगवान धन्वंतरि, लक्ष्मी और कुबेर की मूर्तियाँ या चित्र
- गंगाजल और साफ पानी
- हल्दी, कुमकुम, चंदन, इत्र
- फूल और फूलों की माला
- कलावा (मौली), जनेऊ
- पूजा चौकी और लाल/पीला कपड़ा
- कलश, आम के पत्ते, नारियल
- खील, बताशे, मिठाई, मेवे
- अक्षत (चावल), साबुत धनिया
- 13 मिट्टी के दीपक, गाय का घी, कपूर, अगरबत्ती
- दक्षिणा, नमक
- चांदी/सोने का सिक्का या नई धातु की वस्तु
- नई झाड़ू

कैसे करते हैं भगवान धन्वंतरि की आराधना

धनतेरस का त्योहार 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन धन्वंतरि देव की जयंती है और इसी दिन उनकी पूजा के साथ ही कुबेर, लक्ष्मी, गणेश और यम की पूजा भी की जाती है। आओ जानते हैं कि किस तरह करें इन देवों की घर में ही पूजा। सरल तरीके से पूजा करने की विधि।

धनतेरस की पूजा

- इस दिन प्रातः उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा की तैयारी करें।
- घर के ईशान कोण में ही पूजा करें। पूजा के समय हमारा मुंह ईशान, पूर्व या उत्तर में होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। पूजा के समय सभी एकत्रित होकर पूजा करें। पूजा के दौरान किसी भी प्रकार शोर न करें।
- इस दिन धन्वंतरि देव की षोडशोपचार पूजा करना चाहिए। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नेवैद्य, आचमन, ताम्बुल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सांगता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- इसके बाद धन्वंतरि देव के सामने धूप, दीप जलाएं। फिर उनके के मस्तक पर हलदी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- अंत में उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में प्रदोष काल में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अतः आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।

नरक चतुर्दशी पर 14 दीपक जलाएं यहां पर होगा बहुत ही शुभ

धनतेरस अर्थात धन त्रयोदशी के दिन 13 और नरक चतुर्दशी के दिन 14 दीपक जलाने की परंपरा है। नरक चतुर्दशी के दिन घर में मुख्यतः पांच दीये जलाने का प्रचलन है। इनमें से एक दीया घर के पूजा पाठ वाले स्थान, दूसरा रसोई घर में, तीसरा उस जगह जलाना चाहिए जहां हम पीने का पानी रखते हैं, चौथा दीया पीपल या वट के पेड़ तले रखना चाहिए। वहीं पांचवां दीया घर के मुख्य द्वार पर जलाना चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर जलाया जाए वह दीया चार मुंह वाला होना चाहिए और उसमें चार लंबी बत्तियों को जलाना चाहिए।

इसके अलावा आप और भी दीए जलाना चाहें तो 7, 13, 14 या 17 की संख्या में दीए जला सकते हैं। कई लोग छोटी दिवाली के दिन 14 दीपक जलाते हैं।

निम्नलिखित जानकारी मान्यता और किवदंतियों पर आधारित है। परंपरा यह देख गया है कि हर राज्य में अलग अलग मान्यताएं हैं कोई समय संख्या में तो कोई विषम संख्या में दीपक जलाता है परंतु उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि किस जगह पर किसके निमित्त दीपक जलाया जा रहा है।

- पहला दीया रात में सोते वक्त यम का दिया जो पूराना होता है और जिसमें सरसों का तेल डालकर उसे घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर कूड़े के ढेर के पास रखा जाता है।
- दूसरा दीया किसी सुनसान देवालय में रखा जाता है जोकि घी का दिया होता है। इसे जलाने से कर्ज से मुक्ति मिलती है।
- तीसरा दीया माता लक्ष्मी के समक्ष जलाते हैं।
- चौथा दीया माता तुलसी के समक्ष जलाते हैं।
- पांचवां दीया घर के दरवाजे के बाहर जलाते हैं।
- छठा दीया पीपल के पेड़ के नीचे जलाते हैं।
- सातवां दीया किसी मंदिर में जलाकर रख दें।
- आठवां दीया घर में कूड़ा कचरा रखने वाले स्थान पर जलाते हैं।
- नौवां दीया घर के बाथरूम में जलाते हैं।
- दसवां दीया घर की छत की मुंडेर पर जलाते हैं।
- ग्यारहवां दीया घर की छत पर जलते हैं।
- बारहवां दीया घर की खिड़की के पास जलाते हैं।
- तेरहवां दीया- घर की सीढ़ियों पर जलाते हैं या बरामदे में।
- चौदहवां दीया रसोई में या जहां पानी रखा जाता है वहां जलाकर रखते हैं।

2,400 से अधिक उछला सोना चांदी 1.7 लाख रूपये के पार

● एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना सुबह 9.40 बजे 2302 रुपये की तेजी के साथ 1,32,154 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली में अब कुछ ही दिन रह गए हैं। इससे पहले सोने और चांदी की कीमत में भारी तेजी देखी जा रही है। बाजार खुलते ही सोने और चांदी की कीमत में 2,400 रुपये से अधिक की उछाल आई। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना सुबह 9.40 बजे 2302 रुपये की तेजी के साथ 1,32,154 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा था। पिछले सत्र में यह 1,29,852 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,31,026 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,32,294 रुपये तक हाई और 1,31,026 रुपये तक लो गया। चांदी सुबह 9.50 बजे 2248 रुपये की तेजी के साथ 1,69,911 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड कर रही थी। पिछले सत्र में यह 1,67,663 रुपये पर बंद हुई थी और आज 1,68,100 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में इसका रेट 1,70,415 रुपये तक हाई और 1,67,006 रुपये तक लो गया। इसके साथ ही सोने का मार्केट कैप 30 ट्रिलियन डॉलर और चांदी का 3 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है। यह अपने रिकॉर्ड स्तर 1,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के करीब पहुंच गई। मंगलवार को इसने 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम का रेकॉर्ड छुआ था।

दिल्ली सर्राफा बाजार

इससे पहले कारोबारियों की मुनाफावसूली के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतें अपने रेकॉर्ड स्तर से नीचे आ गईं और 200 रुपये की गिरावट के साथ 1,31,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत पिछले कारोबार में 1,000 रुपये बढ़कर 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 200 रुपये घटकर 1,31,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। इससे पहले यह अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 1,31,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, उतार–चढ़ाव भरे कारोबार में चांदी की कीमतों में 2,000 रुपये की तेजी आई।

धनतेरस से पहले आईपीओ पर दांव लगाने का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस से पहले एक और कंपनी पर आईपीओ बंद हो रहा है। मिडवेस्ट लिमिटेड आईपीओ पर दांव लगाने का आखिरी मौका है। इस कंपनी को पहले दो दिन में 12 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन मिला है। ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 150 रुपये के करीब है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस आईपीओ के विषय में ... मिडवेस्ट लिमिटेड के आईपीओ का साइज 451 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 23 लाख फ्रेश शेयर और 19 लाख शेयर ऑफर फार सेल के जरिए जारी करेगी। यह आईपीओ 15 अक्टूबर को खुला था। निवेशकों के पास 17 अक्टूबर यानी आज तक दांव लगाने का मौका है। मिडवेस्ट आईपीओ का प्राइस बैंड 1014 रुपये से 1065 रुपये का प्राइस बैंड सेट किया है। कंपनी ने 14 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14910 रुपये का दांव लगाने का मौका है। कर्मचारियों को कंपनी ने एक शेयर पर 101 रुपये का छूट दी है। एंकर निवेशकों को लिए यह आईपीओ 14 अक्टूबर को खुला था। एंकर निवेशकों से कंपनी 135 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रही थी। इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 145 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि 13.62 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन की ओर इशारा कर रही है। 15 अक्टूबर को ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 175.50 रुपये के उपलब्ध पर था।

धूम-धड़ाके के साथ लिस्ट 145 पर लिस्ट हुआ सस्ता आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। भले ही बाजार में आज शानदार तेजी देखने को मिली है है। इसका फायदा एसके मिनिरल्स को लिस्टिंग में मिला है। कंपनी की मजबूत लिस्टिंग हुई है। लिस्टिंग के बाद खरीदारी की वजह से शेयरों में अपर सर्किट भी लगा है। बीएसई में एसके मिनिरल्स के के शेयर 14.17 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 145 रुपये पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। इस उछाल के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 152.25 रुपये के इंट्रा–डे हाई पर पहुंच गया। बता दें, मौजूदा समय में यह स्टॉक अपने इश्यू प्राइस से 19.88 प्रतिशत की उछाल हासिल कर चुका है। एसके मिनिरल्स आईपीओ 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के दौरान निवेशकों के लिए खुला था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 120 रुपये से 127 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया था।

अब नेस्ले में भी छंटनी की खबर
कंपनी ने लागत घटाने के लिए 16000 नौकरियों में कटौती का बनाया प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य जगत की दिग्गज स्विस कंपनी नेस्ले ने भी अपने वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने के लिए छंटनी का सहारा लेने का फैसला किया है। खबर है कि कंपनी वैश्विक स्तर पर 16,000 नौकरियों में कटौती करेगी। नेस्ले नेस्कैफे ड्रिंक्स, पालतू जानवरों के भोजन पुरीना और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि अगले दो वर्षों में वह नौकरियों में कटौती कंपनी। स्विस कंपनी ने बताया कि वह अगले वर्ष के अंत तक लागत में कटौती का लक्ष्य बढ़ाकर 3 अरब स्विस फ्रैंक (3.76 अरब डॉलर) कर रही है। पहले यह लक्ष्य 2.5 अरब स्विस फ्रैंक (3.13 अरब अमेरिकी डॉलर) थी। वेवे, स्विट्जरलैंड स्थित कंपनी के लिए यह साल उथल–पुथल भरा रहा है। पिछले महीने, नेस्ले ने अपने एक प्रत्यक्ष अधीनस्थ के साथ अघोषित संबंधों की जांच के बाद सीईओ लॉरेंट फ्रेइक्स को बर्खास्त कर दिया था। फ्रेइक्से को इस पद पर आए हुए सिर्फ एक साल हुआ था। उनकी जगह नेस्ले के लंबे समय से कार्यकारी रहे फिलिप नवरातिल को नियुक्त किया गया था। फ्रेइक्से को पद से हटाए जाने के कुछ समय बाद ही अध्यक्ष पॉल बुल्के ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेस्ले भी अन्य खाद्य निर्माताओं की तरह बाहरी चुनौतियों से जूझ रही है। इनमें बढ़ती कमोडिटी लागत और टैरिफ का नकारात्मक प्रभाव शामिल है। कंपनी ने जुलाई में कहा था कि उसने कॉफी और कोको से जुड़ी बढ़ी हुई लागत की भरपाई कीमतों में बढ़ोतरी से की है। नेस्ले ने गुरुवार को कहा कि वह कई जगहों पर 12,000 व्हाइट–कॉलर पदों को समाप्त करेगी। इन नौकरियों में कटौती से अगले साल के अंत तक 1 अरब स्विस फ्रैंक (1.25 अरब अमेरिकी डॉलर) की सालाना बचत होने की उम्मीद है।

टेक सेक्टर में छंटनी के बीच इंफोसिसस ने दी 12000 फ्रेशर्स को नौकरी, अभी 8000 वैकेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी कंपनी इंफोसिस ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में 12,000 नए फ्रेशर्स की भर्ती की है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी जयेश सांगराजका ने 16 अक्टूबर को दूसरी तिमाही की अर्निंग्स कॉन्फ्रेंस में बताया कि इंफोसिस साल भर में कुल 20,000 फ्रेशर्स को नियुक्त करने की राह पर है। उन्होंने कहा, साल की शुरुआत में हमारा लक्ष्य 15,000 से 20,000 फ्रेशर्स को लेना था। अब तक हमने 12,000 भर्ती कर ली हैं, और हम 20,000 का वार्षिक लक्ष्य पूरा करने के रास्ते पर हैं।

कंपनी ने जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही में 7,364 करोड़ का शुद्ध मुनाफ़ा दर्ज किया, जो साल-दर-साल 13.2 प्रतिशत की वृद्धि है। कुल राजस्व 44,490 करोड़ तक पहुंचा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.6 प्रतिशत अधिक रहा। ऑपरेशनल मार्जिन 21 प्रतिशत पर लगभग स्थिर रहा। कंपनी ने प्रति शेयर 23 का इंटरिम डिविडेंड घोषित किया।

हेडकाउंट और अट्रिशन दर

दूसरी तिमाही में इंफोसिस ने अपनी कुल कर्मचारी संख्या में 8,203 का इजाफा किया। वित्त वर्ष की पहली छमाही के अंत में कंपनी का कुल हेडकाउंट 3,31,991 पर पहुंच गया। कर्मचारी छोड़ने की दर मामूली घटकर 14.3 प्रतिशत रही, जो पिछली तिमाही के 14.4 प्रतिशत से थोड़ा कम है। इंफोसिस की प्रतियोगी कंपनी ।।ष्टरुअद्गष्ठ ने पहली छमाही में 7,180 फ्रेशर्स की भर्ती की है। जुलाई में इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख ने भी बताया था कि कंपनी इस साल कुल 20,000 नए ग्रेजुएट्स को नियुक्त करने की योजना पर काम कर रही है। यह तेज भर्ती नीति प्रतिस्पर्धी अष्टर-के रुख से बिल्कुल अलग है, जिसने हाल में अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 2 प्रतिशत की कटौती की, क्योंकि कंपनी को स्किल गैप और तकनीकी बदलावों से सामना करना पड़ रहा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक का 295 करोड़ हुआ मुनाफा, तिमाही परिणाम जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्य संचालित पंजाब एंड सिंध बैंक ने सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में 29.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है। इससे बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 295 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 240 करोड़ था।

बैंक ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने मार्च 2027 तक 5,000 करोड़ तक की पूंजी जुटाने की मंजूरी दी है। इसमें 3,000 करोड़ की राशि क्यूआईपी, एफपीओ या राइट्स इश्यू के माध्यम से और 2,000 करोड़ की राशि बॉन्ड्स के जरिए जुटाई जाएगी।

इसके साथ ही बोर्ड ने लॉन्ग टर्म इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड्स के रूप में 3,000 करोड़ तक जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसे मार्च 2027 तक एक या अधिक चरणों में जारी किया जाएगा।

सिंतबर तिमाही में ब्याज आय बढ़कर 2,999 करोड़

बैंक के अनुसार, सितंबर तिमाही में ब्याज आय बढ़कर 2,999 करोड़ हो गई। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,739 करोड़ थी। संपूर्ण एनपीए में भी सुधार हुआ है और यह 4.21 प्रतिशत से घटकर 2.92 प्रतिशत पर आ गया है। बीएसई पर गुरुवार को बैंक के शेयर 30.22 प्रति शेयर पर बंद हुए, जो पिछले बंद भाव से 0.23 प्रतिशत अधिक है।

कभी इंफोसिस में 9000 रुपये में करते थे नौकरी

आज केन्वा को टक्कर दे रही इनकी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
हाराष्ट्र के एक सूखे इलाके के गांव से कलकर दादाराव भगत ने अपनी मेहनत और नर से एक ऐसी कंपनी बनाई है, जिसकी लना आज दुनिया की बड़ी डिजाइनिंग लेटफॉर्म कैनवा से हो रही है। कभी इंफोसिस सिर्फ 9,000 रुपये महीने की नौकरी करने ाले दादाराव अब डिज़ाइन टेम्पलेट नाम के लेटफॉर्म के फाउंडर हैं। उनकी यह कहानी ताती है कि कैसे लगन और काबिलियत कसी भी इंसान की जिंदगी बदल सकती है।

दादाराव भगत का जन्म महाराष्ट्र के बीड़ जले में हुआ था। यह इलाका अक्सर सूखे की ार झेलता है, जिससे खेती-बाड़ी करना बहुत ुश्किल हो जाता है। उनके परिवार में पढ़ाई-लखाई को ज्यादा अहमियत नहीं दी जाती थी। ादाराव ने सिर्फ 10वीं तक पढ़ाई की और कर फैक्ट्री की नौकरियों के लिए आईटीआई ा कोर्स किया।

4000 रुपये से की शुरुआत: बेहतर ौके की तलाश में दादाराव पुणे आ गए। वहां न्हें पहली नौकरी मिली, जिसमें उन्हें महीने के ,000 रुपये मिलते थे। इसके बाद उन्होंने इंफोसिस में ऑफिस बॉय की नौकरी के लिए अप्लाई किया। वहां उन्हें 9,000 रुपये महीने मिलने लगे। इंफोसिस में ऑफिस बॉय की नौकरी के दौरान दादाराव का काम दफ्तर की सफाई करना, सामान लाना-ले जाना और कंपनी के गेस्ट हाउस में छोटे-मोटे काम करना था। जब वे कर्मचारियों को कंप्यूटर पर काम करते देखते थे, तो उन्हें समझ आता था कि शारीरिक मेहनत और हुनर वाले काम में कितना फर्क है। **कैसे बनाई अपनी कंपनी:** अनुभव हासिल करने के बाद दादाराव ने फ्रीलांस डिजाइनर के तौर पर काम करना शुरू किया और फिर अपनी कंपनी बनाने का फैसला किया। शुरुआती साल बहुत मुश्किल थे। उनके पास पैसे कम थे और काम धीरे-धीरे बढ़ रहा था। जब कोविड-19 महामारी आई तो उन्होंने पुणे का अपना ऑफिस बंद कर दिया और अपने गांव लौट आए। हार मानने की बजाय, उन्होंने एक नया डिजाइन प्लेटफॉर्म बनाने पर ध्यान केंद्रित किया।

खुद शुरू किया हुनर तराशना

दादाराव ने कर्मचारियों से पूछना शुरू किया कि ऐसी नौकरियां कैसे मिलती हैं। उन्हें बताया गया कि इन नौकरियों के लिए डिग्री चाहिए होती है। लेकिन कुछ लोगों ने यह भी कहा कि ग्राफिक डिजाइन और एनिमेशन जैसे क्रिएटिव फील्ड में डिग्री से ज्यादा हुनर को महत्व दिया जाता है। यह बात सुनकर दादाराव को अपने स्कूल के दिन याद आए। तब वे अपने बोर्डिंग स्कूल के पास एक मंदिर के पेंटर को देखकर बहुत प्रभावित होते थे। उन्हें बचपन से ही ड्राइंग का शौक था, लेकिन उन्होंने कभी इसे गंभीरता से नहीं लिया था। नौकरी और पढ़ाई के साथ-साथ, दादाराव ने अपनी शिफ्ट खत्म होने के बाद ग्राफिक डिजाइन सीखना शुरू किया। एक साल के अंदर ही वे दफ्तरों की सफाई से निकलकर डिजाइनर बन गए।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत दुनिया का उज्ज्वल केंद्र

आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी।
खंडित वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत एक उज्ज्वल स्थान है, लेकिन इसे व्यापार संबंधों को और गहरा करना होगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा, भारत वैश्विक विकास के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक बना हुआ है, भले ही बढ़ते टैरिफ, असमान विस्तार व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से विकास के बीच विश्व अर्थव्यवस्था अधिक अप्रत्याशित होती जा रही है। आईएमएफ की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जॉर्जीवा ने कहा, भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उनके मुताबिक, देश को घनिष्ठ व्यापार एकीकरण से लाभ हो सकता है। भारत स्वयं भागीदारों के साथ उच्च स्तर के व्यापार एकीकरण का लक्ष्य रख सकता है। भारत ने अब भी व्यापार में कुछ बाधाएं बरकरार रखी हैं। आईएमएफ की एमडी ने हाल में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के टैरिफ उपायों को अपनाने के कारण बदलते वैश्विक व्यापार पैटर्न की ओर इशारा किया। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ने भागीदारों के साथ संबंधों में टैरिफ को एक साधन के रूप में इस्तेमाल करना चुना है। बाकी दुनिया ने अभी तक इसका अनुसरण नहीं किया है। आईएमएफ के 191 सदस्यों में से हमने केवल तीन देशों अमेरिका, चीन और कनाडा को टैरिफ पर अधिक सख्ती से आगे बढ़ते देखा है।

धनतेरस और दिवाली में जानबूझकर बनाई जा रही चांदी की किल्लत

● 14 अक्तूबर, 2025 को 10 ग्राम चांदी की कीमत पिछले दिन से बढ़कर 1,890 रुपये हो गई। यह तेजी 13 अक्तूबर, 2025 को देखी गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
चांदी में त्योहारी महीने में जोरदार तेजी जारी है, जो दिवाली सप्ताह से पहले लगातार बढ़ रही है। 14 अक्तूबर, 2025 को 10 ग्राम चांदी की कीमत पिछले दिन से बढ़कर 1,890 रुपये हो गई। यह तेजी 13 अक्तूबर, 2025 को देखी गई इसी। इस तेजी को देखते हुए निवेशकों और आम उपभोक्ताओं ने चांदी की खरदारी शुरू कर दी है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मुंबई के सराफा बाजार में चांदी की शॉर्टेज देखने को मिली। गुरुवार को मुंबई के जावेरी बाजार में चांदी खरीदने आए उपभोक्ताओं को खाली हाथ जाना पड़ा, क्योंकि बाजार चांदी की सीमित होने की वजह से डिलीवरी दो से तीन दिन में देने की बात कही। चांदी के बर्तन तो उपलब्ध थे लेकिन बार और कॉइन नहीं थे। बाजार के जानकर कहते तेजी की वजह से रिटेलर मुनाफा कमाने के लिए भी चांदी की सिमिता दिखाकर 20 से 25 हजार अतिरिक्त प्रीमियम पर बिक्री की है, जिनके पास चांदी का स्टॉक अधिक था उसने इसका फायदा लिया है।

सर्राफा बाजार में चांदी की शार्टेज नहीं

इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र मेहता ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि वैश्विक स्पॉट मार्केट में मूल्य अधिक होने की वजह से इसका प्रभाव देखा जा रहा था, फिलहाल सर्राफा बाजार में चांदी की कमी नहीं है। बाजार में चांदी की खरीदारी सामान्य रूप से हो रही है। उन्होंने कहा कि सोने और चांदी की कीमतें दोनों ही अपने उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। इसलिए धनतेरस और दिवाली में आभूषणों की बिक्री 25 से 30 प्रतिशत कम होने का अनुमान है, जबकि सोने और चांदी के सिक्कों की मांग बढ़ेगी। सिल्वर इंपोरियम के राहुल मेहता कहते हैं कि चांदी की उपलब्धता सीमित थी, लेकिन बिल्कुल समाप्त नहीं थी, फिलहाल बाजार में चांदी की कमी नहीं है। चांदी की उपलब्धता सीमित होने की खबर के बाद सर्राफा बाजार में उपभोक्ताओं ने जल्दबाजी में 20 से 25 हजार रुपये अतिरिक्त प्रीमियम चुका कर भी चांदी की खरीदारी की है। फिलहाल बाजार में चांदी अब अपने मूल्य पर उपलब्ध है।

चांदी की आपूर्ति मांग से कम: मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार लगातार औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ती चांदी की आवश्यकता और निवेश मांग की वजह से चांदी सरंचनात्मक पुनर्मूल्यांकन के दौर से गुजर रही है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक चांदी की आपूर्ति 31,000 टन है, जबकि मांग 35,700 टन से कही अधिक है। इसमें 118 मिलियन औंस की कमी हो रही है और यह कमी लगातार पांचवें साल भी जारी है। मोतीलाल ओसवाल के कमोडिटी रिसर्च प्रमुख, नवनीत दमानी चांदी में लंबी अवधि के लिए आशावान बने हुए हैं। वे कहते हैं कि घरेलू मार्चे पर चांदी 2026 के अंत तक 2.40 लाख रुपये प्रति किलोग्राम और 2027 तक 2.46 लाख तक पहुंच सकती है, यह मानते हुए कि डॉलर और रुपये का स्तर 90-92 के आसपास है।

दिवाली के बाद चांदी की कीमतों कमी के संकेत

व्यापारिक अधिकारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी एक्सचेंज ट्रेडड फंड्स (ईटीएफ) और भौतिक बार व सिक्कों की बढ़ती निवेश मांग के बीच चांदी की कीमतें आसमान पर पहुंच गई है, लेकिन दिवाली के बाद इसमें गिरावट आने की संभावना है, जिससे निवेशकों को नुसकान हो सकता है। बॉम्बे बुलियन एसोसिएशन राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार जैन कहते हैं, ऐसा कई बार देखा गया है कि धनतेरस और दिवाली के बाद चांदी के भाव में कमी आती है। चांदी के पुराने रुझानों पर नजर डालें तो धनतेरस से पहले चांदी 70 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंची और दिवाली के बाद इसकी कीमतों में 35,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट देखी गई है। हालांकि कीमतों में अधिक कमी आने की संभावना कम है, बावूजद इसके निवेशकों को थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है।

चांदी की कीमतों में तेजी की वजहें

होलसेल बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश बाफना कहते हैं कि चांदी की कीमतों में यह तेजी उद्योगों की ओर से बढ़ती मांग, भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं और आपूर्ती में कमी की वजह से बनी हुई है। लेकिन दूसरी ओर इसकी कीमतें कम होने की संभावना से इनकार भी नहीं कर सकते, अगर आपूर्ति बढ़ जाती है, जो कि उद्योग की मांग की वजह से होगी, तो इसकी कीमतों में और वृद्धि आने की गुंजाइश कम हो जाएगी। चांदी में कई बार तूफानी तेजी आने के बाद गिरावट आई है। सोने की तुलना में चांदी का सबसे अधिक इस्तेमाल उद्योग में होता है, इसलिए इसको पूरी तरह सुरक्षित निवेश नहीं माना जाता है।

विराट कोहली संग खेलने का टूटा था सपना, अब डेब्यू पर MBA स्टूडेंट ने जड़ा दोहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला हैदराबाद के खिलाफ खेल रही है। हैदराबाद के नेक्सजेन क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे एलीट ग्रुप-डी के इस मुकाबले में दिल्ली के बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया है। दिल्ली ने अपनी पहली पारी 529/4 के स्कोर पर घोषित की।

दिल्ली की तरफ से युवा बल्लेबाज आयुष दोसेजा ने 279 गेंदों पर 209 रनों की पारी खेली, जिसमें 25 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। आयुष का ये फर्स्ट क्लास में डेब्यू मुकाबला है, जिसे उन्होंने यादगार बना दिया।

दिल्ली के लिए सनत सांगवान ने भी दोहरा शतक जड़ा। सनत ने 21 चौके और तीन छक्के की मदद से 470 गेंदों पर नाबाद 211 रन बनाए।

आयुष दोसेजा का फर्स्ट क्लास डेब्यू आठ महीने पहले ही हो गया रहता, तब विराट कोहली भी दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलने उतरे थे। लेकिन मैच से एक दिन दोसेजा का टखना मुड़ गया और डेब्यू का सपना तब अधूरा रह गया। अब उसी अधूरे सपने को उन्होंने नए अंदाज में पूरा किया। आयुष ने इस दौरान सनत सांगवान के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 319 रनों की साझेदारी की, जिसने दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

कोहली के साथ ना खेल पाने का दर्द बरकरार

आयुष दोसेजा ने कहा कि विराट कोहली के साथ खेलने का मौका छिन जाना उनके लिए काफी दुखद था, लेकिन उन्होंने उसे ही प्रेरणा बना लिया। उन्होंने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, किस्मत के अपने इरादे थे। विराट सर के साथ खेलने का मौका बस आया और चला गया। लेकिन रणजी डेब्यू पर दोहरा शतक लगाना उस दर्द को काफी हद तक कम कर गया।

आयुष दोसेजा ने इस इनिंग्स का श्रेय साथी खिलाड़ी सनत सांगवान को भी दिया। दोसेजा कहते हैं, हमने अंडर-23 और अंडर-24 क्रिकेट एक साथ काफी खेली है। हमें पता था कि अगर सकारात्मक तरीके से क्रिकेट खेलेंगे तो रन अपने-आप आएंगे। दिलचस्प बात यह है कि आयुष क्रिकेट के साथ-साथ स्कू की पढ़ाई भी कर रहे हैं। आयुष दोसेजा ने बताया, मैं मेरठ की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी से एमबीए कर रहा हूं। ये मेरा प्लान-बी नहीं है, मैं दोनों को बैलेंस करने की कोशिश कर रहा हूं।

हाल ही में दोसेजा ने दिल्ली कैपिटल्स के ट्रायल में हिस्सा लिया था।

मुंबई इंडियंस ने भी दोसेजा को ट्रायल के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने रणजी ट्रॉफी के चलते उसमें भाग नहीं लिया।

दिल्ली के कोच अजय चौधरी ने बताया कि वो आयुष दोसेजा को बचपन से जानते हैं। अजय ने कहा, दोसेजा अपने पापा के साथ मेरे पास आया था। तब उसकी उम्र 10 साल भी नहीं थी। उसी वक्त से उसमें एक आक्रामक क्रिकेटर की झलक मिलती है। दोसेजा के लिए यह सिर्फ डेब्यू नहीं, बल्कि एक अधूरे सपने की पूर्ति और नई शुरुआत है।

इस खिलाड़ी ने भी डेब्यू पर जड़ा दोहरा शतक

आयुष दोसेजा की तरह गोवा के अभिनव तेजराणा ने चंडीगढ़ के खिलाफ अपने फर्स्ट क्लास डेब्यू पर दोहरा शतक लगाया। अभिनव ने 320 गेंदों का सामना करते हुए 2025 रन बनाए, जिसमें 21 चौके और चार छक्के शामिल रहे। एक ही दिन दो डेब्यूटेंट बल्लेबाजों का दोहरा शतक बनाना रणजी इतिहास की एक दुर्लभ घटना मानी जा सकती है।

नाओमी ओसाका के लगी चोट जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल से हटीं

ओसाका, एजेंसी। नाओमी ओसाका बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को यहां जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल से हट गईं। मैच से पहले ओसाका के हटने से जैकलिन क्रिस्टियन को वाकओवर मिला और वह सेमीफाइनल में पहंच गईं। डब्ल्यूटीए टूर ने यह जानकारी दी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा कि शीर्ष वरीय ओसाका दूसरे दौर के मैच के दौरान लगी चोट से नहीं उबर पाईं। क्रिस्टियन ने इस साल तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। चोट के कारण बाहर होने से पहले ओसाका ने वकाना सोनोबे और 2024 की चैंपियन सुजेन लेमेन्स को हराया। जापान ओपन के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता लेला फर्नांडिज ने रेबेका रैमकोव को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

फीफा को लेकर फैंस में भारी क्रैज, विश्व कप 2026 के 10 लाख से अधिक टिकट बिके , ये हैं शीर्ष 10 देश

मियामी, एजेंसी। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने इस महीने की शुरुआत में आधिकारिक तौर पर टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से अपने पहले अपडेट में बताया कि अगले साल होने वाले विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं। उम्मीद के मुताबिक सबसे अधिक मांग अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के खरीदारों की ओर से रही। ये तीन देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। फीफा ने कहा कि 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोग पहले ही टिकट खरीद चुके हैं जबकि अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई हैं। फीफा ने कहा कि टिकट खरीदने के मामले में शीर्ष 10 देश में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने विज्ञप्ति में कहा, 'दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय प्रतिक्रिया है और एक अद्भुत संकेत है कि इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे समावेशी फीफा विश्व कप दुनिया भर के समर्थकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। फीफा ने यह भी घोषणा की कि उसकी 'रीसेल साइट खुल गई है और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में विश्व कप फाइनल के टिकट बृहस्पतिवार दोपहर तक 9,538 डॉलर से लेकर 57,500 डॉलर प्रति सीट की कीमत पर उपलब्ध थे।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए नहीं चुने गए संजू सैमसन का बल्ले से जवाब, रणजी में खेली वनडे जैसी पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने भले ही इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 10 साल पूरे कर लिए होंगे। मगर एक दशक में उन्हें उतने मौके नहीं मिल पाए जितना वह उसके हकदार थे। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुने गए स्क्वाड में भी उन्हें जगह नहीं मिली थी। जबकि अपने आखिरी वनडे में साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर शतक लगाकर उन्होंने भारत को जीत दिलाई थी। मगर फिर भी ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में भी सैमसन को नजर अंदाज करके पहली बार ध्रुव जुरेल को चुना गया।

संजू सैमसन का बल्ले से जवाब - अब संजू सैमसन ने रणजी ट्रॉफी 2025 के पहले मुकाबले में महाराष्ट्र के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी से बता दिया है कि वह टी20 के अलावा लंबे फॉर्मेट में भी खेल सकते हैं। भारत के लिए 16 वनडे मुकाबले खेलने के बाद भी संजू को वनडे सीरीज में नहीं चुना गया था। अब रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 51 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और अपनी टीम के स्कोर 35 पर 3 विकेट से आगे बढ़ाया। उन्होंने चौथे विकेट के लिए सचिन बेबी के साथ 40 और कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 57 रन जोड़े। संजू सैमसन ने इस पारी में 5 चौके और एक छक्के के साथ 63 गेंदों पर 54 रनों की पारी खेली।

महिला विश्व कप:

मैच से पहले बोली इंग्लैंड की कप्तान, इस भारतीय बल्लेबाज को रोकना आसान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में रविवार को होने वाले महिला वनडे विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले इंग्लैंड टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का नाम है स्मृति मंधाना। भारतीय उप-कप्तान हाल ही में अपनी शानदार फॉर्म में लौटी हैं और विपक्षी कप्तान हीथर नाइट मानती हैं कि उन्हें बल्ले से शांत रखना इंग्लैंड के लिए सबसे मुश्किल काम होगा। स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापत्तनम में 80 रनों की दमदार पारी खेली थी, भले ही वह मैच भारत हार गया हो।

लेकिन इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि बाएं हाथ की यह स्टार बल्लेबाज एक बार फिर अपने रंग में लौट आई हैं।

टीम इंडिया चाहेगी कि मंधाना और हरमनप्रीत कौर इंग्लैंड के खिलाफ रन बरसाएं और टीम को जीत की राह दिखाएं।

वो अब भी वही पुरानी स्मृति है-हीथर नाइट- इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान हीथर नाइट ने कहा, जब मैंने पहली बार उसके खिलाफ खेला था, तब से लेकर अब तक उसमें बहुत कुछ वैसा ही है। वह अब भी वही पुरानी स्मृति है- शांत, आत्मविश्वासी और बेहद खतरनाक। बल्ले से उसे रोकना आसान नहीं होगा, और यही हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। नाइट ने भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हरमन का जुनून और ऊर्जा भारत को एक खतरनाक टीम बनाते हैं। उन्होंने कहा, हरमन और स्मृति दोनों बिल्कुल अलग हैं- एक जहां शांत और स्थिर है, वहीं दूसरी आग और जोश से भरी हुई। हरमन का जोश टीम को प्रेरित करता है, और उनके खिलाफ खेलना हमेशा कठिन रहता है।

मंधाना की विनम्रता पर मुग्ध नाइट- हीथर नाइट ने स्मृति के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो मुझे लगा कि यह लड़की बहुत खास है। वह चाहे जितनी प्रसिद्ध हो गई हो, लेकिन उसका व्यवहार अब भी विनम्र है।

यह बात मुझे हमेशा प्रभावित करती है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने स्मृति के साथ इंग्लैंड की वेस्टर्न स्टॉर्म टीम में और बाद में आरसीबी के लिए भी खेला था।

पहला डब्ल्यूपीएल सीजन उसके लिए मुश्किल था, लेकिन जिस तरह से उसने अगले साल वापसी की, वह उसके मजबूत इरादों की मिसाल है। भारत में वह सचमुच एक 'रॉकस्टार' है लेकिन इसके बावजूद जमीन से जुड़ी हुई।

इंग्लैंड की कप्तान साइवर-ब्रंट ने भी जताई चिंता- इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने भी माना कि भारत के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा। उन्होंने कहा, हरमनप्रीत अगर अपने ज़ोन में आ गईं तो उन्हें रोकना लगभग नामुमकिन है। और स्मृति, वह तो देखने में जितनी खूबसूरत बल्लेबाज हैं, खेलने में उतनी ही खतरनाक। भारत बनाम इंग्लैंड हमेशा हाई-वोल्टेज मैच होता है।

भारत बनाम इंग्लैंड- दो कप्तान, दो स्टाइल, एक धमाकेदार जंग- भारत इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड को विदेशी सीरीज़ में 2-1 से मात दे चुका है, और अब दोनों टीमें विश्व कप में आमने-सामने होंगी। एक तरफ हैं जुनून और ताकत से भरी हरमनप्रीत, तो दूसरी ओर हैं संयम और क्लास का प्रतीक स्मृति मंधाना। इंग्लैंड के लिए इन दोनों को रोकना ही असली परीक्षा होगी।

विराट-रोहित दोनों वर्ल्ड कप 2027 खेलेंगे ट्रेविस हेड ने जैसे ही ये कहा अक्षर पटेल का चेहरा बदल गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का आगाज 19 अक्टूबर से पर्थ में हो रहा है। इस सीरीज से पहले ट्रेविस हेड और अक्षर पटेल ने मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल पूछा गया। ट्रेविस हेड से पूछा गया कि ये ऑस्ट्रेलिया में विराट और रोहित दोनों की आखिरी सीरीज हो सकती है तो इसपर उन्होंने कहा कि उनके साथ खेलना सम्मान की बात है। साथ ही उन्होंने ये उम्मीद जताई कि ये दोनों दिग्गज 2027 वर्ल्ड कप भी खेलें। हालांकि ट्रेविस हेड के इस बयान के बाद अक्षर पटेल की जो भाव भंगिमा बदली उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ट्रेविस हेड ने क्या कहा?

ट्रेविस हेड ने मीडिया से बातचीत में विराट और रोहित दोनं की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'रोहित और विराट दोनों सफेद गेंद के खेल के महान खिलाड़ी हैं। विराट कोहली शायद सर्वकालिक महान वनडे क्रिकेटर हैं और रोहित भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं। ओपनिंग बैटिंग करते हैं, उनके लिए काफी सम्मान है। मुझे लगता है कि दोनों वर्ल्ड कप 2027 खेलने वाले है। खेल के लिए बहुत अच्छा होगा।' ट्रेविस हेड ने जैसे ही ये कहा, गंभीर भाव से इस बात को सुन रहे अक्षर पटेल अचानक मुस्कुराने लगे। उन्होंने दोनों के वर्ल्ड कप 2027 खेलने के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा लेकिन इस ऑलराउंडर ने इस बात की पुष्टि कर दी कि रोहित और विराट वनडे सीरीज के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

अक्षर ने विराट-रोहित पर क्या कहा?

अक्षर पटेल ने कहा कि विराट और रोहित जानते हैं कि दोनों को क्या करना है। उन्होंने कहा, 'विराट-रोहित दोनों वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं। दोनों प्रोफेशनल खिलाड़ी हैं, जानते हैं कि क्या करना है, वो तैयार हैं। अगर आप उनकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे तो वो अच्छी तैयारी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वो तैयार हैं। सभी खिलाड़ियों ने अपना फिटनेस टेस्ट दिया है और सीरीज के लिए तैयारी पूरी है।'

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया:

भारत के खिलाफ ओडीआई सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को करारा झटका, ये स्टार ऑलराउंडर बाहर मार्नस लाबुशेन को मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले करारा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया कुल मिलाकर ऐसा बिल्कुल भी नहीं चाह रहा था, क्योंकि उनके कई स्टार खिलाड़ी पहले ही सीरीज से बाहर हैं। अब इंजरी के कारण यह स्टार ऑलराउंडर भी बाहर हो गया है।

दरअसल, अ टीम के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन चोट के कारण तीन मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। ग्रीन को ट्रेनिंग के दौरान हल्की साइड स्ट्रेन (पेट के पास खिंचाव) की शिकायत हुई थी, जिसके चलते वे नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल किया गया है। सीरीज की शुरुआत रविवार (19 अक्टूबर) से पर्थ में हो रही है। मार्नस लाबुशेन को शुरू में ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह नहीं मिली थी, लेकिन घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के चलते अब उन्हें मौका दिया गया है। कैमरन ग्रीन की यह नई चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका है। हाल ही में वह पीठ की चोट से उबरकर दोबारा गेंदबाजी करने लौटे थे। अपने पिछले वनडे मैच में उन्होंने 118* रन की बेहतरीन पारी खेली थी, जिससे टीम को काफी उम्मीदें थीं।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की ओर से जो बयान आया है, उसके मुताबिक- कैमरन ग्रीन की चोट मामूली है और वे इस महीने के अंत तक घरेलू क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं, ताकि अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले एशेज टेस्ट की तैयारी कर सकें।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने कहा- ग्रीन थोड़े समय के लिए रिहैबिलिटेशन करेंगे और शेफील्ड शील्ड के राउंड तीन में कमबैक की प्लानिंग है, जिससे उन्हें एशेज की तैयारी जारी रखने का मौका मिलेगा।

क्रिकेट का नया फॉर्मेट इस दिन होगा लॉन्च, ये हैं नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में आए दिन कोई न कोई बदलाव होते रहते हैं, लेकिन इस बार एक नए फॉर्मेट का जन्म हुआ है। जो क्रिकेट के रोमांच को और ज्यादा बढ़ा देगा। इसके लिए वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी सर क्लाइव लॉयड, साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह को टेस्ट ट्वेंटी फॉर्मेट के सलाहकार बोर्ड में शामिल किया गया। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के पूर्व सीईओ माइकल फोर्डहम को चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है।

क्या है नया फॉर्मेट?

टेस्ट ट्वेंटी फॉर्मेट टेस्ट क्रिकेट के पहलुओं को टी20 के साथ मिलाने की कोशिश करेगा। ये दुनिया का पहला 80 ओवर का फॉर्मेट होगा। हालांकि दोनों टीमों को एक साथ 40 ओवर खेलने के बजाय उनको 20-20 ओवर की दो पारियां खेलने का मौका मिलेगा। इसके लिए प्रत्येक टीम दो बार बल्लेबाजी करेगी, ठीक वैसे ही जैसे टेस्ट मैच में होता है। इसमें टेस्ट और टी20 क्रिकेट दोनों के नियम लागू होंगे। इसमें सभी चार परिणाम जीत, हार, टाई या ड्रॉ संभव हो सकते हैं।

टेस्ट ट्वेंटी कब शुरू होगा?

टेस्ट ट्वेंटी का पहला सीजन जनवरी 2026 में शुरू होगा। इसमें 6 फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। जिनमें से तीन भारत से और तीन दुबई, लंदन और संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रत्येक टीम में 16 खिलाड़ी होंगे। इस नए फॉर्मेट का आधिकारिक उद्घाटन 16 अक्तूबर किया गया। टेस्ट ट्वेंटी द वन वन सिक्स नेटवर्क के कार्यकारी अध्यक्ष गौरव बहिरवानी के दिमाग की उपज है। इस फॉर्मेट का पूर्व क्रिकेटरों ने काफी तारीफ की है।

पूर्व खिलाड़ियों ने क्या कहा?

साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा कि टेस्ट ट्वेंटी से क्रिकेट में रोमांच और बढ़ेगा। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों को भी इसमें भरपूर मौका मिलेगा।

सिर्फ 25 की उम्र में ओलंपिक चैंपियन ने संन्यास लिया, एरियार्न टिटमस के फैसले से फैंस हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे सफल तैराकों में से एक, ऑस्ट्रेलिया की एरियार्न टिटमस ने सिर्फ 25 साल की उम्र में तैराकी से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया है। चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अब उनके जीवन में कुछ चीजें तैराकी से ज्यादा अहम हो गई हैं।

क्यों लिया संन्यास का फैसला?

टिटमस ने अपने बयान में कहा, मुझे हमेशा से ही तैराकी में बेहद रूचि रही है। बचपन से ही ये मेरा सपना और जुनून रहा है, लेकिन अब जब मैंने थोड़ा वक्त इस खेल से दूर बिताया, तो महसूस किया कि जीवन में और भी बहुत कुछ है, जो मेरे लिए अब ज्यादा मायने रखता है। उनके इस बयान ने फैंस को भावुक कर दिया है।

पेरिसओलंपिक में रचा था इतिहास- एरियार्न टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में अमेरिका की दिग्गज तैराक केटी लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टोश को पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। खास बात यह रही कि उन्होंने इस इवेंट में नया विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था।

खत्म हुआ एरियार्न टिटमस का सुनहरा करियर- टिटमस के नाम कुल 33 अंतरराष्ट्रीय पदक दर्ज हैं।

नहीं दिखेंगे कीकू शारदा?

जल्द शुरू होगा कपिल शर्मा शो का नया सीजन

कॉमेडियन कीकू शारदा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कपिल शर्मा शो को लेकर बात की है। साथ ही खुद के शो छोड़ने को लेकर भी उन्होंने अपना रुख साफ किया है। कॉमेडी इंडस्ट्री के मशहूर चेहरे कीकू शारदा इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। पिछले दिनों शो राइज एंड फॉल में नजर आए कॉमेडियन ने कपिल शर्मा शो के नए सीजन पर अपडेट दिया है। उन्होंने खुद के शो छोड़ने की अफवाहों को भी खारिज कर दिया है। क्या कुछ कहा है कीकू ने, चलिए आपको बताते हैं।

कीकू ने कपिल शर्मा शो पर की बात

कीकू शारदा ने बातचीत करते हुए पुष्टि की है कि लोकप्रिय शो द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो की शूटिंग जल्द ही फिर से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि कीकू शो छोड़ देंगे, लेकिन अभिनेता ने इन अफवाहों का खंडन करते हुए बताया कि उनका शो और टीम के साथ जुड़ाव अब भी मजबूत है। किकु शारदा ने कहा, हम जल्दी ही शूटिंग शुरू करेंगे। टेलीविजन पर इसका प्रसारण कब होगा, इसका अभी तक कोई निश्चित समय नहीं है, लेकिन यह नवंबर में किसी समय आ सकता है।

राइज एंड फॉल में नजर आए कीकू

कीकू शारदा ने राइज एंड फॉल और अशनीर गोवर द्वारा होस्ट किए गए रियलिटी शो में अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि हालांकि वह कुछ समय के लिए शो में भाग लेने के लिए लॉक थे, लेकिन बाहर आने पर उन्हें पता चला कि उनके शो छोड़ने की अफवाहें फैल गई थीं। कीकू ने मुस्कुराते हुए कहा, लोग इतने परेशान थे, और मैं खुद भी नहीं जानता था कि यह अफवाह कैसे फैल गई। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं शो छोड़ दूंगा। मैं 13 साल से कपिल के साथ काम कर रहा हूं और मुझे यह शो बेहद पसंद है। मैंने कई काम ठुकरा दिए सिर्फ इस शो का हिस्सा बनने के लिए और मैं कभी इसे नहीं छोड़ूंगा। मंच पर जाकर मजाक करना, लोगों और सेलिब्रिटीज से खुलकर बात करना–यह मजा कुछ ऐसा है जो मैं छोड़ नहीं सकता।

शो के अनुभव पर क्या बोले कीकू?

कीकू ने बताया कि राइज एंड फॉल में भाग लेते हुए उन्हें एक अलग तरह का रचनात्मक अनुभव मिला। उन्होंने कहा, वीकेंड्स कभी-कभी काफी तनावपूर्ण हो जाते हैं, लोग एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं और कई चीजों पर लड़ाई होती है। इस समय कॉमेडी एक राहत देती है और ज्यादा मनोरंजन जोड़ती है। जब मैं परफॉर्म करता हूं, मैं खुद को स्वतंत्र महसूस करता हूं और जब दर्शक देखते हैं, तो उन्हें भी वही अनुभव होता है। यह एक सुंदर आदान-प्रदान है, और यही मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

करियर के शुरुआत में कई बॉलीवुड फिल्में ठुकराने का है पछतावा

हाल ही में हाउसफुल 5 और बागी 4 में नजर आ चुकीं अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपने एक बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि शुरुआत में उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्में ठुकरा दीं, जिसका उन्हें आज पछतावा हो रहा है। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनकी भूमिका पर लोग कैसी प्रतिक्रिया देंगे। सोनम बाजवा ने बताया मैंने कई बॉलीवुड फिल्मों को मना कर दिया। मुझे लग रहा था कि क्या पंजाब में लोग इसे पसंद करेंगे? मैं सोच रही थी कि मेरी फिल्मों को मेरे परिवार के लोग देखेंगे? तब मैं फिल्मों में किसिंग सीन करने से बहुत डरती थी। मैं सोचती थी कि लोग इस बारे में क्या सोचेंगे। मैं सोच रही थी जिन लोगों ने मुझे यहां तक पहुंचाया है, वह मेरे बारे में क्या सोचेंगे? क्या मेरा परिवार यह समझेगा कि यह सिर्फ फिल्म के लिए है? मेरे दिमाग में यह सारे सवाल थे। सोनम ने आगे बताया कि उनके माता-पिता ने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा यह कुछ साल पहले की बात है। मैंने अपने मम्मी-पापा से इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, हां, अगर यह किसी फिल्म के लिए है, तो ठीक है। इस पर मैं बहुत हैरान थी। मैं सोच रही थी कि मैंने पहले उनसे बात क्यों नहीं की?

सोनम बाजवा का वर्कफ्रंट

सोनम के काम की बात करें तो, वह जल्द ही अपकमिंग फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आने वाली हैं। यह बॉलीवुड फिल्म 21 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्हें आखिरी बार टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म बागी 4 में देखा गया था।

इन हसीनाओं के साथ तेलुगु डेब्यू करना चाहते हैं गुलशन देवैया

गुलशन देवैया सोशल मीडिया पर अपने फैंस से जुड़े रहते हैं। हाल ही में वह सोशल मीडिया पर फैंस को कांतारा चैप्टर 1 में अपने अनुभवों और अपकमिंग फिल्मों के सवालों के जवाब दे रहे थे। ऐसे में गुलशन से एक फैन ने पूछा कि आप तेलुगु में कब डेब्यू कर रहे हैं? इस पर गुलशन ने हैरान करने वाला जवाब दिया। उन्होंने लिखा जब सामंथा रुथ प्रभु या साई पल्लवी हां कहेंगी, तभी तेलुगु में डेब्यू करेंगे। इस पर एक फैन ने लिखा हम आपको तेलुगु खलनायक के रूप में देखना चाहते थे।

कांतारा चैप्टर 1 में गुलशन देवैया ख्याल रहे कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कांतारा चैप्टर 1 में गुलशन देवैया ने शाही राजकुमार कुलशेखर की भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें खूब प्रशंसा मिली। इसमें ऋषभ शेट्टी ने एक योद्धा का किरदार निभाया है। वही इस फिल्म के निर्देशक और लेखक भी हैं। इसमें रुक्मिणी वसंत और जयराम भी अहम भूमिका में हैं। गुलशन देवैया ने हाल ही में नेटफ्लिक्स सीरीज लिगेसी के साथ अपने तमिल डेब्यू की भी घोषणा की है।

बिलिनेयर हैं शाहरुख

फिर भी करते हैं पान मसाला का प्रचार !

हाल ही में यूट्यूबर ध्रुव राठी ने शाहरुख खान के बिलिनेयर बनने के बावजूद पान मसाला का प्रचार करने पर सवाल उठाया है। आइए जानते हैं धूम्रपान के प्रचार पर शाहरुख खान की क्या राय है?

हाल ही में यूट्यूबर ध्रुव राठी ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की संपत्ति पर एक वीडियो शेयर की है। इस पर बहस हो रही है। वीडियो में ध्रुव ने उन रिपोर्टों पर चर्चा की जिनमें दावा किया गया था कि जवान अभिनेता अब दुनिया के सबसे अमीर अभिनेताओं में से एक हैं। उन्होंने बताया कि शाहरुख खान की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन डॉलर (लगभग 12,400 करोड़ रुपये) है। ऐसे में ध्रुव राठी ने शाहरुख के पान मसाला ब्रांड को बढ़ावा देने के फैसले पर सवाल उठाया है। आइए जानते हैं पूरा मामला।

ध्रुव ने शाहरुख से पूछा सवाल

वायरल वीडियो में ध्रुव राठी कहते हैं कि शाहरुख खान बिलिनेयर बन चुके हैं। उनकी नेट वर्थ 1.4 बिलियन पहुंच चुकी है। रुपयों में कहा जाए तो करीब 12400 करोड़ होता है। इसके बाद उन्होंने शाहरुख के पान मसाला ब्रांड को बढ़ावा देने के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा मेरा शाहरुख खान से सवाल यह है कि क्या इतने पैसे काफी नहीं है? अगर काफी हैं तो क्या मजबूरी पड़ी कि पान मसाला जैसी हानिकारक चीज को आप अभी भी प्रमोट कर रहे हो? इसके बाद ध्रुव ने लोगों से अपील की है कि वह इस वीडियो को इतना प्रसारित करें कि यह शाहरुख खान तक पहुंच जाए।

धूम्रपान पर शाहरुख की राय

इस मामले पर शाहरुख ने कुछ नहीं कहा है। हालांकि इस मौके पर शाहरुख खान का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने धूम्रपान और कोल्ड ड्रिंक के प्रचार पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था मैं अधिकारियों से अपील करूंगा कि इस पर प्रतिबंध लगाया जाए। इसे हमारे देश में बिकने मत दो। अगर धूम्रपान बुरा है, तो इस देश में सिगरेट का उत्पादन मत होने दो। अगर आपको लगता है कि कोल्ड ड्रिंक्स बुरी हैं, तो मत बनने दो।

मुझे मेरा काम करने दो

शाहरुख ने आगे कहा देखिए, मेरा तर्क यह है कि आप इसे इसलिए नहीं रोक रहे हैं क्योंकि इससे आपको राजस्व मिलता है। ईमानदारी से कहें तो अगर आपको लगता है कि कुछ उत्पाद हानिकारक हैं, तो आप उन्हें नहीं रोक रहे हैं क्योंकि वे सरकार के लिए राजस्व हैं। मेरा राजस्व मत रोकिए। मैं एक अभिनेता हूं। मुझे काम करना है और उससे राजस्व प्राप्त करना है। बिल्कुल साफ है, अगर आपको लगता है कि कुछ गलत है, तो उसे रोक दीजिए। कोई समस्या नहीं है, बस उसे बनाना बंद कर दीजिए।

खुद से आधी उम्र की अभिनेत्री संग रोमांस करेंगे

तेलुगु सिनेमा की दुनिया से बड़ी खबर सामने आ रही है। जल्द ही प्रभास के साथ फिल्म 'द राजा साब' में नजर आने वाली साउथ की खूबसूरत अभिनेत्री मालविका मोहनन अब मेगास्टार चिरंजीवी के साथ बड़े पर्दे पर रोमांस करती नजर आ सकती हैं। यह खबर सुनते ही फैंस के बीच इसे लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक बॉबी कोली की अगली फिल्म 'मेगा 158' में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में दो हीरोइनों को कास्ट किया जा रहा है, जिनमें से एक के लिए मालविका मोहनन का नाम चर्चा में है। अगर सब कुछ तय हुआ, तो 'द राजा साब' के बाद यह मालविका की दूसरी तेलुगु फिल्म होगी, जो उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

4 दिसंबर से मुंबई में होगा आगाज

श्रिया पिलगांवकर बनीं ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल की जूरी सदस्य

पर्यावरण और सिनेमा के संगम का जश्न मनाने वाला ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल इस साल अपने छठे संस्करण के साथ लौट रहा है। 4 दिसंबर से शुरू हो रहे इस 11 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में दुनियाभर की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण और टिकाऊ जीवन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उजागर करेंगी। इस साल फेस्टिवल की शुरुआत मुंबई से होगी और 14 दिसंबर को इसका समापन होगा। खास बात यह है कि इस बार अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त फिल्म निर्देशक पान नलिन को फेस्टिवल की जूरी में शामिल किया गया है। जूरी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका को लेकर श्रिया पिलगांवकर ने खुशी जताई और बात करते हुए कहा, फेस्टिवल का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। अक्सर कलाकार यह बात करते हैं कि सिनेमा में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, लेकिन फेस्टिवल इस ताकत का इस्तेमाल जागरूकता और संवेदना बढ़ाने के लिए करता है, जिससे समाज में वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है। श्रिया का मानना है कि पर्यावरण का मुद्दा हमारी रोजमर्रा की जिंदगी, स्वास्थ्य और भविष्य से सीधा जुड़ा हुआ विषय है। बात करते हुए श्रिया ने आगे कहा, यह फेस्टिवल मुझे याद दिलाता है कि कहानियों में वह शक्ति होती है जो सोच को बदल सकती है, दिमाग खोल सकती है, और हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का एहसास करा सकती है। उन्होंने बताया कि जूरी की प्रक्रिया के दौरान उन्होंने कई प्रभावशाली फिल्में देखीं, जो नए नजरिए से सोचने और सीखने का मौका देती हैं। बता दें कि इस फेस्टिवल में फीचर फिल्में, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म्स, और स्टूडेंट पर आधारित फिल्मों को दर्शकों के सामने लाया जाएगा। इन सभी फिल्मों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि दर्शकों को प्रेरित करना, सोचने पर मजबूर करना और प्रकृति से जुड़ने का एहसास कराना है।

अहान पांडे ने अली अब्बास जफर की एक्शन मूवी के लिए बदला लवर बॉय वाला हुलिया

सैयारा एक्टर अहान पांडे एक बार फिर से ज़ेन जी वाली भीड़ की धड़कनें बढ़ाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। अहान पांडे ने अली अब्बास जफर की अगली फिल्म से अपना लुक दिखा दिया है, जिसपर फैन्स अभी से दिल हारे बैठे नजर आ रहे हैं। लोगों ने अभी से उनके लुक और फिल्म के लिए डेट ब्लॉक करने की बातें भी कह दी हैं। अहान पांडे अब अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए रेडी दिख रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और इसे यशराज फिल्म्स के आदित्य चोपड़ा प्रड्यूस कर रहे हैं। सैयारा की ऐतिहासिक सफलता के बाद जो भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव-स्टोरी बनी उसके बाद अब अहान अपने करियर के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं। यह फिल्म अली अब्बास जफर की यशराज फिल्म्स में वापसी को भी है। अहान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसमें सैयारा के रोमांटिक लवर बॉय लुक से बिल्कुल अलग लुक है। अहान के इस लुक पर फैन्स जोरदार फिदा दिख रहे हैं। एक ने कहा- आप इस हेयरस्टाइल में एक्स्ट्रा हैंडसम दिख रहे। एक और ने कहा- अहान आप कितने हैंडसम दिख रहे हैं। एक ने कहा- इतने सालों बाद इन्हें शॉर्ट हेयर में देख रहा। एक ने तो इतना कहा कि मैं कैसे बताऊं कि मेरे दिल की धड़कनें आपको देखकर बंद हो गई।

प्रनूतन बहल ने बताया इंडस्ट्री में किन दिक्कतों से गुजरते हैं एक्टर्स के बच्चे

अभिनेत्री प्रनूतन बहल फिल्म इंडस्ट्री के एक मशहूर परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वह मोहनीश बहल की बेटी और दिग्गज अभिनेत्री नूतन की पोती हैं। उन्हें सिनेमाई पहचान विरासत में मिली है। हालांकि प्रनूतन मानती हैं कि उनके लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना आसान नहीं रहा। प्रनूतन बहल बॉलीवुड में स्टार किड के संघर्ष के बारे में बात करती हैं। अभिनेत्री ने बॉलीवुड में एक स्टार किड होने के अपने अनुभव और इस सफर में आई मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की। एचटी से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वह अभिनेताओं से घिरी रहती थीं, इसलिए उनके लिए यह समझना आसान हो गया कि यह एक मुश्किल इंडस्ट्री है। उन्हें पता था कि कई बार बिना काम के भी कई दौर गुजारने पड़ेंगे। उन्हें इस बारे में पहले ही चेतावनी दी जा चुकी थी। उन्होंने यह भी बताया कि इंडस्ट्री में जिन लोगों के माता-पिता नहीं होते, उन्हें चीजें समझ नहीं आतीं, जिससे उनका सफर और भी मुश्किल हो जाता है। बहल ने आगे कहा हर स्टार किड को सब कुछ आसानी से नहीं मिल जाता, और मैं इसका जीता जागता सबूत हूं। ऐसा नहीं है कि मैं एक एक्टर की संतान हूं इसलिए मुझे सब कुछ आसानी से मिल गया है या मेरा परिवार पीछे से फिल्मों के लिए पैसे दे रहा है।